फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 277 प्रभात जयपुर, सोमवार 11 मई, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Archaeologist Who Negotiated with History

Muhammed was a member of the excavation team at the controversial Babri Masjid-Ram Janmabhoomi site, he made an important discovery: pillars with Hindu symbolism, specifically Ashtamangala signs

The Night Parrot Returns

टीवीके अध्यक्ष विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली

राहुल गांधी शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए, राज्यपाल ने नौ मंत्रियों को भी शपथ दिलाई

- मुख्यमंत्री विजय ने सबसे पहले राज्य के सभी घरों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की फाइल पर हस्ताक्षर किए। उसके बाद उन्होंने महिला सुरक्षा तथा मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए स्पेशल टॉस्क फोर्स के गठन के फैसले लिए।
- शपथ ग्रहण समारोह में पहले वंदे मातरम्, फिर राष्ट्र गान बजाया। इसके बाद तमिल थाई वंदना प्रस्तुत की गई। अब तक तमिलनाडु में सरकार के कार्यक्रमों की शुरुआत तमिल थाई वंदना से तथा समापन राष्ट्र गान से होता था।

चेन्नई, 10 मई। तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) अध्यक्ष सी. जोसेफ विजय ने आज तमिलनाडु की बागडोर संभाल ली। चेन्नई के जवाहरलाल नेहरू इंडोर स्टेडियम में आज सुबह करीब 10 बजे भव्य समारोह में तमिलनाडु के प्रभारी राज्यपाल राजेन्द्र अर्लेकर ने टीवीके प्रमुख विजय को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। विजय ने राज्य के 13वें मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली।

विजय के शपथ ग्रहण करते ही पूरा स्टेडियम तालियों की गड़गड़ाहट और नारों से गूंज उठा। विजय के शपथ लेने के बाद एन. आनंद, आदव अर्जुना, अरुणराज, सेंगोट्टैयन, वेंकटरमणन, निर्मलकुमार, राजमोहन, डी.के. प्रभु और कीर्तना ने मंत्रियों के रूप में शपथ ग्रहण की।

इस समारोह में विजय के परिवार के सदस्य, फिल्म जगत की हस्तियां और गठबंधन दलों के नेता शामिल हुए। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी उपस्थित रहे। तमिलनाडु की राजनीति में वर्ष 2026 को एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है। शपथ ग्रहण समारोह में तमिल थाई वंदना गीत के बजाय पहले वंदे मातरम् और फिर राष्ट्रगान बजाया गया। इसके बाद तमिल थाई वंदना प्रस्तुत की गई।

गौरतलब है कि तमिलनाडु सरकार के कार्यक्रम सामान्यतः तमिल थाई वंदना से शुरू होकर राष्ट्रगान के साथ समाप्त होते हैं, लेकिन इस समारोह में क्रम बदला हुआ दिखाई दिया। इसी के साथ राज्य की दो प्रमुख पार्टियों डीएमके और एआईएडीएमके के लगभग छह दशक से चले आ रहे बारी-बारी के शासन का अंत हो गया है। विजय गठबंधन सरकार का नेतृत्व करेंगे। इसमें कांग्रेस एक सहयोगी के रूप में शामिल है।

जोसेफ विजय ने सबसे पहले राज्य के सभी घरों को 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने की घोषणा वाली फाइल पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद उन्होंने महिलाओं की सुरक्षा के लिए विशेष बल (सिंगप्पेन स्पेशल टास्क फोर्स) के गठन की फाइल पर हस्ताक्षर किए। विजय ने नशा विरोधी अभियान और मादक पदार्थों की रोकथाम से संबंधित फाइलों पर भी हस्ताक्षर किए।

शपथ ग्रहण के बाद राहुल गांधी ने विजय को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि तमिलनाडु ने नई पीढ़ी, नई आवाज और नई सोच को चुना है।

उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि तमिलनाडु की जनता ने बदलाव के पक्ष में अपना फैसला दिया है। राहुल ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शपथ ग्रहण में राज्य गान से पहले वंदे मातरम् बजाने पर सीपीआई को आपत्ति

चेन्नई, 10 मई। तमिलनाडु में एक नए राजनीतिक युग की शुरुआत के साथ ही एक नया विवाद भी खड़ा हो गया है। राज्य के नए मुख्यमंत्री जोसेफ सी विजय के शपथ ग्रहण समारोह में गानों के बजने के क्रम को लेकर भारी राजनीतिक खींचतान शुरू हो गई है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया ने इस सरकारी कार्यक्रम में वंदे मातरम को तमिल थाई वजथु (तमिल राज्य गीत) से पहले बजाए जाने पर कड़ी आपत्ति दर्ज कराई है। सीपीआई का साफ कहना

- पार्टी का कहना है कि यह तमिलनाडु की पुरानी परम्परा का खुला अपमान है।

है कि किसी भी सरकारी समारोह में सबसे पहला स्थान राज्य के गीत को ही मिलना चाहिए और यह तमिलनाडु की पुरानी परंपरा का खुला अपमान है।

दरअसल, रविवार को चेन्नई में टीवीके प्रमुख जोसेफ सी विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। विवाद तब शुरू हुआ, जब इस शपथ ग्रहण समारोह में गानों का क्रम तय किया गया। समारोह की शुरुआत में सबसे पहले वंदे मातरम बजाया गया। इसके बाद देश का राष्ट्रगान जन गण मन बजाया गया और सबसे अंत में तीसरे

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चुनाव परिणाम के 6 दिन बाद भी कांग्रेस में केरलम के लिए सहमति नहीं बनी

राहुल गांधी की पहली पसंद वेणुगोपाल बताये जाते हैं, पर दूसरे दावेदार सतीशन को वे स्वीकार्य नहीं हैं

- केरलम में विपक्ष के नेता रहे सतीशन का कहना है कि उन्होंने हरदम सभी को साथ लेकर काम किया, वेणुगोपाल कांग्रेस महासचिव होने के नाते, विधायकों पर गुट व समूह बनाने के लिए दबाव डाल रहे हैं।
- मुख्यमंत्री पद पर रस्साकशी के चलते पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच पोस्टर-वॉर छिड़ गया है। कार्यकर्ता अपने नेताओं के समर्थन में सड़क पर उतरने लगे हैं।

नई दिल्ली, 10 मई। केरलम में चुनाव के नतीजों को आए 6 दिन बीत चुके हैं, लेकिन अभी तक मुख्यमंत्री के नाम पर सहमति नहीं बन पाई है। सूत्रों की मानें तो केरलम में मुख्यमंत्री पद के लिए राहुल गांधी की पहली पसंद केसी वेणुगोपाल हैं, जो अलाप्पुझा लोकसभा सीट से पार्टी के सांसद हैं।

सूत्रों ने बताया कि अगले दो दिन पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं को इस शीर्ष पद के लिए वेणुगोपाल का समर्थन करने के लिए मनाने में बिताए जाएंगे।

सूत्रों के हवाले से बताया गया कि दिल्ली में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर कांग्रेस नेताओं की आधिकारिक बैठक से पहले, राहुल गांधी ने वेणुगोपाल से अलग से मुलाकात की। उन्होंने बताया कि वेणुगोपाल, जो कांग्रेस के महासचिव भी हैं, का मजाक उड़ाने वाले पोस्टर कथित तौर पर पार्टी के एक अन्य प्रभावशाली नेता वीडी सतीशन के समर्थन से लगाए गए थे।

सूत्रों ने बताया कि जब सतीशन बैठक में पहुंचे तो राहुल गांधी ने उनसे उनके खिलाफ लगे आरोपों के बारे में पूछा, तो सतीशन ने स्वीकार किया कि वे वेणुगोपाल के मुख्यमंत्री बनने के खिलाफ हैं।

सूत्रों के अनुसार, सतीशन का तर्क था कि वेणुगोपाल ने कांग्रेस महासचिव होने के नाते, विधायकों पर गुट और समूह बनाने के लिए दबाव डाला। अपनी ओर से, सतीशन ने यह बात रखी कि उन्होंने कभी भी अपने निजी फायदे के लिए गुट बनाने का काम नहीं किया और जब वे केरल में विपक्ष के नेता थे, तब उन्होंने सभी को साथ लेकर काम किया।

सूत्रों ने बताया कि सतीशन ने कांग्रेस नेतृत्व से कहा कि अगर पार्टी ने नेनमारा, कजाकूटम, वडाकनचेरी, नेडुमंगड और चेरथला में वेणुगोपाल द्वारा सुझाए गए उम्मीदवारों को नहीं उतारा होता, तो पार्टी और भी ज्यादा सीटें जीत सकती थी। इस दौड़ में वेणुगोपाल को पहले से ही दूसरों से आगे माना जा रहा था।

हालांकि, कांग्रेस को अब यह फैसला करना है कि वह वेणुगोपाल जैसे किसी केन्द्रीय नेता को चुने, या फिर किसी ऐसे स्थानीय नेता को, जिसे जमीनी स्तर पर लोगों का समर्थन हासिल हो।

सतीशन और रमेश चेन्निथला, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हंटा वायरस वाली क्रूज शिप से लोगों को निकालने डब्ल्यूएचओ महानिदेशक टेनेरिफ पहुँचे

उन्होंने कैनरी आइलैंड्स के निवासियों से कहा कि हंटा वायरस कोविड नहीं हैं, चिंता नहीं करें

- महानिदेशक डॉ. रैड्रोस के अनुसार, जहाज से उतरने वाले यात्रियों को वायरस से संपर्क आने के आखरी समय से 42 दिन आइसोलेशन में रखे जाने की सलाह दी गई है।

मैड्रिड (स्पेन), 10 मई। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस शनिवार को स्पेन के कैनरी द्वीप समूह के टेनेरिफ पहुंचे। वे यहां डच क्रूज शिप में फंसे 100 से ज्यादा लोगों को निकालने के मुश्किल काम की देखरेख करने आए थे। इस क्रूज शिप पर दुर्लभ और जानलेवा हंटा वायरस फैल गया था। उन्होंने कैनरी आइलैंड्स में लोगों को संबोधित भी किया। डॉ. टेड्रोस ने कहा कि यह शिप अपने सबसे बड़े आइलैंड के तट के पास लंगर डालेगा। 2020 में वैश्विक कोरोना वायरस महामारी के दौरान दुनिया ने जो अनुभव किया, उसके बाद लोगों की चिंता जायज है। उन्होंने कहा, बावजूद इसके घबराने की जरूरत नहीं। हंटा वायरस कोविड नहीं है।

सीबीसएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, टेड्रोस ने यहां पहुंचने से पहले लिखे अपने एक पत्र को कैनरी आइलैंड्स में दोहराया। उन्होंने कहा, "यह बीमारी कोविड नहीं है। स्थानीय आबादी के लिए इसका जोखिम कम है।"

अधिकारियों ने बताया कि डच झंडे वाले इस क्रूज शिप के रविवार सुबह टेनेरिफ आइलैंड पर पहुंचने की उम्मीद है। संगठन ने शुक्रवार को बताया था कि शिप पर सवार आठ लोगों में हंटा वायरस के संदिग्ध मामले पाए गए थे और तीन लोगों की मौत हो गई है। इस जहाज के मालिक के अनुसार, अभी जहाज पर सवार 60 क्रू सदस्यों समेत 147 लोगों में से किसी में भी बीमारी के लक्षण नहीं दिख रहे हैं।

टेड्रोस ने अनुमान लगाया कि लोगों को निकालने के लिए छह उड़ानें ईयू देशों के लिए और चार उड़ानें गैर- ईयू देशों के लिए जाएंगी। इस क्रूज में 17 अमेरिकी नागरिक सवार हैं। उन्हें एक छोटी नाव से शिप से उतार कर रनवे पर उनके इंतजार में खड़े विमान तक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री के बेंगलुरु कार्यक्रम के पास विस्फोटक मिला

बेंगलुरु, 10 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बेंगलुरु दौरे के दौरान शहर में जिलेटिन की छड़ें मिलने से सुरक्षा एजेंसियों में हड़कंप मच गया।

सुरक्षा एजेंसियों ने जिलेटिन की छड़ों को सावधानीपूर्वक हटाया गया। पुलिस मामले की जांच पड़ताल कर रही है।

बताया गया कि प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से डेढ़ घंटे पहले आसपास

- आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम के बाहरी हिस्से में सड़क के 20 फीट अंदर मिले संदिग्ध पैकेट में जिलेटिन की दो छड़ी मिली।

सुरक्षा चैकिंग के दौरान कग्गलीपुर के ततगुनी के पास स्थित आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर आश्रम के बाहरी हिस्से में, यानी कार्यक्रम स्थल से लगभग तीन किलोमीटर दूर एनआईसीई रोड जंक्शन से लगभग एक किलोमीटर दूर सड़क से करीब 20 से 25 फीट अंदर एक संदिग्ध पैकेट

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्रधानमंत्री ने आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम में ध्यान मंदिर का उद्घाटन किया

उन्होंने कहा कि सॉफ्टवेयर के साथ आध्यात्मिक चेतना भी आज बेंगलुरु की पहचान बन गई है।

- प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि समाज सरकारों से अधिक शक्तिशाली होता है। कोई भी अभियान तभी सफल होता है जब उसके पीछे समाज की शक्ति खड़ी हो।

बेंगलुरु, 10 मई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को बेंगलुरु में कनकपुरा रोड स्थित आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन आश्रम में नवनिर्मित ध्यान मंदिर का उद्घाटन किया करने के साथ ही, विभिन्न उपक्रमों का शुभारंभ भी किया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने आध्यात्मिकता, युवा शक्ति, पर्यावरण संरक्षण, तकनीकी विकास और समाज की भूमिका पर विस्तार से अपने विचार रखे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहा कि समाज की शक्ति ही राष्ट्र निर्माण का वास्तविक आधार है। केवल सरकारें देश को नहीं बदल सकतीं। जब समाज सक्रिय रूप से भागीदारी करता है, तभी राष्ट्र नई ऊंचाइयों तक पहुंचता है।

बेंगलुरु की विशेषता का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि बेंगलुरु पूरी दुनिया में अपने सॉफ्टवेयर और सेवाओं के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन यही शहर भारत की आध्यात्मिक चेतना और सांस्कृतिक पहचान को भी नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीक और आध्यात्मिकता का अद्भुत समन्वय ही बेंगलुरु की सबसे बड़ी पहचान है। आर्ट ऑफ लिविंग की सेवा गतिविधियों की सराहना करते हुए उन्होंने कहा, जब संकल्प स्पष्ट हो और कार्य सेवा भाव से किया जाए, तब हर प्रयास सकारात्मक परिणाम देता है।

समाज की भूमिका पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि मैं हमेशा मानता हूं कि समाज सरकारों से अधिक शक्तिशाली होता है। कोई भी अभियान तभी सफल हो सकता है, जब उसके पीछे समाज की शक्ति खड़ी हो। प्रधानमंत्री ने देश के युवाओं की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि आज दुनिया में विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में तेज़ बदलाव हो रहे हैं। भारत केवल इन परिवर्तनों का हिस्सा नहीं है, बल्कि कई क्षेत्रों में नेतृत्व भी कर रहा है। उन्होंने कहा, भारत की डिजिटल क्रांति ने देश को डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में वैश्विक नेता बना दिया है।

मोदी ने कहा कि प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीवन जीने की प्रेरणा देने वाला आंदोलन ही मिशन लाइफ है। यह जिम्मेदार और जागरूक जीवनशैली का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि मेरे दृष्टिकोण से मिशन लाइफ भी आर्ट ऑफ लिविंग का एक प्रत्यक्ष स्वरूप है।

कार्यक्रम में श्रीश्री रविशंकर सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। बच्चों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत किया। श्री गणेश के दर्शन के बाद प्रधानमंत्री ने ध्यान मंदिर का उद्घाटन किया और आश्रम के आध्यात्मिक वातावरण की सराहना की। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालु, स्वयंसेवक और गणमान्य लोग शामिल हुए। ध्यान मंदिर के उद्घाटन के बाद, आश्रम परिसर आध्यात्मिक उत्साह और ऊर्जा से भर उठा।

बाँग्लादेश हाई कोर्ट ने साधु चिन्मय दास को जमानत नहीं दी

ढाका, 10 मई। बांग्लादेश में हिंदू संत ब्रह्मचारी चिन्मय कृष्ण दास को बड़ा झटका लगा है। देश के हाईकोर्ट ने रविवार को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी। अदालत ने कहा कि चटग्राम की निचली अदालत में 2024

- अदालत ने कहा कि गवाहों के बयान जारी हैं, इसलिए जमानत नहीं दी जा सकती।

के एक वकील की हत्या से जुड़े मामले की सुनवाई जारी है, इसलिए फिलहाल जमानत नहीं दी जा सकती।

चिन्मय कृष्ण दास पर 2024 में देशद्रोह के आरोप भी लगे थे और उन्हें 25 नवंबर 2024 को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया गया था।

हाईकोर्ट की दो सदस्यीय पीठ न्यायमूर्ति केएम जाहिद सरवर और न्यायमूर्ति शेख अबू ताहेर ने जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि मामले में गवाहों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं, इसलिए हस्तक्षेप उचित नहीं है। संत के वकील अपूर्वा कुमार भट्टाचार्य ने बताया कि अदालत ने चार अन्य मामलों में जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के लिए सोमवार की तारीख तय की है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

असम में शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को

गुवाहाटी, 10 मई। असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की नई सरकार के गठन की प्रक्रिया तेज हो गई है। राजग विधायक दल के नेता और मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को लोक भवन में असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से मुलाकात कर राज्य में नई

- हिमंता बिस्वा सरमा ने रविवार को राज्यपाल से मुलाकात कर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

सरकार बनाने का दावा पेश किया।

इस दौरान केन्द्रीय मंत्री जेपी नड्डा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, असम भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया सहित, राजग के कई विधायक भी मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि असम में भाजपा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यदि किम जोंग की हत्या हुई तो उत्तर कोरिया तुरंत परमाणु हमला करेगा

अमेरिका-इज़रायल द्वारा ईरान की टॉप लीडरशिप को खत्म करने के हमले के बाद उत्तर कोरिया ने संविधान में यह संशोधन किया

- ईरान पर अमेरिकी-इज़रायली हमलों की तेजी व सटीकता को देखकर प्योंगयांग को लगा कि विदेशी शक्तियाँ किम जोंग और उत्तर कोरिया की मिलिट्री लीडरशिप के खिलाफ भी इसी तरह का ऑपरेशन कर सकती हैं।

प्योंगयांग, 10 मई। उत्तर कोरिया ने अपने संविधान और परमाणु नीति में बड़ा बदलाव करते हुए नया प्रावधान जोड़ा है। अब अगर देश के सुप्रीम लीडर किम जोंग-उन की हत्या हो जाती है या किसी विदेशी हमले के दौरान वे लीडरशिप करने की हालत में नहीं रहते, तो उत्तर कोरिया तुरंत परमाणु हमला करेगा।

ब्रिटिश अखबार "द टेलीग्राफ" की रिपोर्ट के मुताबिक, यह बदलाव मार्च में तेहरान पर अमेरिका और इज़रायल के हमलों के बाद किया गया। इन हमलों में ईरान के सुप्रीम लीडर अली खामेनेई और कई सीनियर ईरानी अधिकारियों की मौत हो गई थी।

दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के मुताबिक, इन हमलों ने प्योंगयांग को सोचने पर मजबूर कर दिया और उत्तर कोरिया को डर सताने लगा कि भविष्य में ऐसा डिकैपिटेशन स्ट्राइक, यानी टॉप लीडरशिप को खत्म करने वाला हमला उसके खिलाफ भी हो सकता है।

यह नया प्रावधान 22 मार्च को प्योंगयांग में शुरू हुए 15वीं सुप्रीम पीपुल्स असेंबली के पहले सत्र के दौरान अपनाया गया। बाद में दक्षिण कोरिया की नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने सीनियर सरकारी अधिकारियों को इस बदलाव की जानकारी दी।

डिफेंस एक्सपर्ट्स का मानना है कि ईरान पर हुए हमलों ने उत्तर कोरिया की लीडरशिप को झकझोर दिया। हमलों की तेजी और सटीकता देखकर प्योंगयांग को लगा कि विदेशी शक्तियां किम जोंग-उन और उत्तर कोरियाई मिलिट्री लीडरशिप के खिलाफ भी इसी तरह का ऑपरेशन कर सकती हैं।

सियोल स्थित कूकमिन यूनिवर्सिटी में इतिहास और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के प्रोफेसर आंद्रेई लांकोव ने मीडिया से कहा कि ईरान पर हुआ ऑपरेशन उत्तर कोरिया के लिए एक बड़ा चेतावनी संकेत बन गया।

लांकोव ने कहा कि ईरान एक वेक-अप कॉल था। उत्तर कोरिया ने देखा कि अमेरिका और इज़रायल के डिकैपिटेशन हमले कितने प्रभावी थे, जिन्होंने तुरंत ईरानी लीडरशिप के बड़े हिस्से को खत्म कर दिया। अब उत्तर कोरिया बेहद डरा हुआ होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि संभव है, ऐसी नीति पहले अनौपचारिक रूप से मौजूद रही हो, लेकिन अब इसे संविधान का हिस्सा बना दिया गया है, इसलिए इसका महत्व बढ़ गया है।

बन्नू में पाकिस्तान की पुलिस चौकी पर हमले में 15 सुरक्षा कर्मियों की मौत

इस्लामाबाद, 10 मई। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक पुलिस चौकी पर आत्मघाती हमले में 15 सुरक्षाकर्मी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। यह घटना बन्नू में देर रात हुई, जहां विस्फोटक से भरी एक गाड़ी पुलिस चौकी की ओर आ रही थी, तभी सुरक्षाकर्मियों ने उस पर गोलीबारी की, जिसके बाद उसमें विस्फोट हो गया।

विस्फोट के प्रभाव से आसपास के कई घरों की छतें गिर गईं। पुलिस चौकी की इमारत भी पूरी तरह से ध्वस्त हो गई और कई सुरक्षाकर्मी मलबे के नीचे दब गए। विस्फोट के बाद समूह ने पुलिस चौकी पर हमला कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप भारी गोलीबारी हुई।

बन्नू पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि हमले में 15 सुरक्षाकर्मी मारे गए और कई घायल हो गए। इस घटना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

CMYK

विचार बिन्दु

आपत्ति मनुष्य बनाती है और संपत्ति राक्षस। -विक्टर ह्यूगो

क्या भारत में भ्रष्टाचार खत्म हो सकता है?

जब भी भारत की समस्याओं की बात होती है, कम से कम दो समस्याएं ऐसी हैं जिनकी चर्चा के बग़ैर यह बातचीत सम्भव हो ही नहीं पाती है। इनमें से एक है बेरोज़गारी और दूसरी है भ्रष्टाचार। यह तय कर पाना लगभग असंभव है कि इनमें से कौन-सी समस्या बड़ी और अधिक विकराल है। आज हम भ्रष्टाचार की समस्या पर विचार करते हैं। बजाय इस शास्त्रीय विमर्श में उलझने के कि भ्रष्टाचार किसे कहते हैं, उसकी परिभाषा क्या है, उसका उद्भव और विकास कैसे हुआ, हम अपनी चर्चा की शुरुआत अंत से करते हैं! क्या भारत में भ्रष्टाचार कभी ख़त्म हो सकता है? और जब यह सवाल सामने आता है तो मुझे अनायास हरिशंकर परसाई का एक कथन याद आ जाता है। मैं इस कथन को स्मृति के आधार पर उद्धृत कर रहा हूँ, इसलिए एक-दो शब्द इधर-उधर हो सकते हैं। उन्होंने लिखा है कि जिस देश में बग़ैर पढ़ाई किए परीक्षा देने जाता छात्र भगवान के मंदिर के आगे रुके और आंखें बंद करके, हाथ जोड़कर भगवान से विनती करे कि हे भगवान, मुझे पास कर देना। मैं सवा पांच आने (अबरेट बदल चुका है!) का प्रसाद चढ़ाऊंगा, उस देश में भ्रष्टाचार कभी ख़त्म नहीं हो सकता।

असल में हम अपने चारों तरफ़ नज़र डालते हैं तो पाते हैं कि हमने भ्रष्टाचार को शिष्टाचार के पर्याय के रूप में स्वीकार कर लिया है। यह हमें तभी असहज करता है जब हमें अपनी औकात के बाहर जाकर किसी को कुछ देना पड़ता है। वैसे भ्रष्टाचार की परिधि में केवल आर्थिक दुष्कर्म ही नहीं आता है, लेकिन अगर हम उन सबके विस्तार में जाएंगे तो हमें वे पंक्तियां याद आ जाएंगी जो धर्मवीर भारती ने अपने विख्यात नाटक 'अंधा युग' में लिखी थीं। उनके शब्द हैं:- "हम सबके दामन पर दाग,/ हम सबकी आत्मा में झूठ,/ हम सबके माथे पर शर्म,/ हम सबके हाथों में टूटी तलवारों की मूठ।" कानून को धता बताना, व्यवस्था को चकमा देना, अनधिकार कुछ हासिल कर लेना - ये सब हमारी रोज़मर्रा की ज़िंदगी के हिस्से हो चले हैं और हममें से शायद ही कोई इनसे बचा हो। लेकिन हमें अपना किया ग़लत काम प्राय: नज़र नहीं आता। अगर कोई उस तरफ संकेत कर भी दे तो हमारे पास उसे उचित ठहराने वाला कोई न कोई जवाब तैयार होता है। दो बहुत छोटे उदाहरण याद कर लें। एक है यातायात के नियमों का पालन और दूसरा है अपने गली-मोहल्लों में होने वाला अतिक्रमण। ये भी भ्रष्ट आचरण के उदाहरण हैं, लेकिन हम में से बहुत सारे ऐसा नहीं मानेंगे। जैसे कार्यालय में कोई काम करवाना हो तो सम्बद्ध कार्मिक को मिठाई या मेवे का डिब्बा देना, काम के महत्व के अनुरूप सस्ता या महंगा उपहार देना हमें भ्रष्टाचार नहीं शिष्टाचार, कृतज्ञता ज्ञापन लगेगा। ऐसे अनेक प्रसंग याद कर लीजिए।

यह एक त्रासद सत्य है कि अब बड़े से बड़े भ्रष्टाचार का समाचार हमें विचलित भी नहीं करता है। पिछले दिनों जब बड़े सरकारी भ्रष्टाचारों की चर्चा हुई तो उन चर्चाओं से हममें से बहुत कम लोग असहज हुए। हमने जैसे मान लिया कि अगर किसी ने पैसा लिया तो यह उसका हक़ था। अगर हमें किसी कार्यालय में कोई काम करवाना होता है तो हम मानकर ही चलते हैं कि हमें कुछ देना पड़ेगा। बल्कि हालत तो यह है कि अगर कोई कुछ न ले तो हमें शक़ होता है कि हमारा काम होगा भी या नहीं! कुल मिलाकर हमने इसे स्वीकार कर लिया है। इसलिए अब तो धीरे-धीरे भ्रष्टाचार हमारे विमर्श से ही बाहर होता जा रहा है। क्या पता दो-तीन बरस बाद हम यह भूल ही जाएं कि कभी हमारे यहां यह एक बड़ा मुद्दा था।

इस बात को स्वीकार करने में कोई झिझक नहीं होनी चाहिए कि भ्रष्टाचार ऊपर से नीचे की तरफ बहता है। ऐसे में जो पैसा ऊपर से बहता है, वह नीचे तक अपनी दिशा खोज लेता है। ऊपर में भी उसे राजनीति सर्वाधिक प्रिय है। चुनाव लगातार महंगे होते जा रहे हैं। जो लोग बहुत बड़ी धनराशि खर्च करके चुनाव लड़ते और जीतते हैं वे भला अपने निवेश को ब्याज़ सहित वसूल करने के प्रयास क्यों नहीं करेंगे? राजनीति में आते ही लोगों के वैभव में दिन दूनी रात चौगुनी प्रगति कुछ तो कहती है।

वैसे इस बात को भी स्वीकार किया जाना चाहिए कि आम नागरिक के जीवन में तकनीक ने बहुत सारे मामलों में भ्रष्टाचार का उन्मूलन भी किया है। ऑनलाइन प्रक्रियाओं ने मानवीय संपर्क की संभावनाओं को घटाकर भ्रष्टाचार पर भी प्रहार किया है। लेकिन इससे यह न समझ लिया जाए कि भ्रष्टाचार पूरी तरह ख़त्म हो गया है। असल में उसके रूप अब बदल गए हैं। और यह उसका स्वभाव भी है। वह समय-समय पर नए अवतार धारण करता रहता है। अब छोटी रिश्वतों की जगह वह नीतिगत फैसलों, ठेकों और अनुमोदनों में अपनी जगह बना चुका है।

इस बात को स्वीकार करने में कोई झिझक नहीं होनी चाहिए कि भ्रष्टाचार ऊपर से नीचे की तरफ बहता है। ऐसे में जो पैसा ऊपर से बहता है, वह नीचे तक अपनी दिशा खोज लेता है। ऊपर में भी उसे राजनीति सर्वाधिक प्रिय है। चुनाव लगातार महंगे होते जा रहे हैं। जो लोग बहुत बड़ी धनराशि खर्च करके चुनाव लड़ते और जीतते हैं वे भला अपने निवेश को ब्याज़ सहित वसूल करने के प्रयास क्यों नहीं करेंगे? राजनीति में आते ही लोगों के वैभव में दिन दूनी रात चौगुनी प्रगति कुछ तो कहती है। राजनीतिक दलों को दिये जाने वाले चंदे की गोपनीयता यह भी साफ़ कर देती है कि शासन की रुचि भी भ्रष्टाचार उन्मूलन में सतही ही है। इसके अलावा, हमारे देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ अनगिनत कानून हैं, न्यायालय हैं, नियम हैं और हैं जांच एजेंसियां। और इन सबके बावजूद नाला वहीं गिरता है जहां वह गिरना चाहता है। राजस्थान की एक लोक कहावत याद आती है जिसे जस का तस तो नहीं लिख सकता, लेकिन उसका भावार्थ यह है कि स्त्रियां रोती रहेंगी और अतिथि दावत उड़ाते रहेंगे। एजेंसियों और भ्रष्टों में एक मैत्रीपूर्ण जुगलबंदी चलती रहती है। शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व! लेकिन आए दिन हम देखते हैं कि आज जो व्यक्ति भ्रष्ट बताया जाता है कुछ समय बाद वही बाइज़्ज़त बरी हो जाता है। इधर एक 'वॉशिंग मशीन' भी बहुचर्चित है। मेरे खयाल से इशारा ही काफ़ी है।

भ्रष्टाचार के बारे में एक रोचक बात यह भी है कि हमें सिर्फ और सिर्फ दूसरों का भ्रष्टाचार नज़र आता है और व्यथित करता है। हमें यह तो नज़र आता है कि कोई हमसे रिश्वत मांग रहा है, लेकिन इस बात को हम बड़ी आसानी से नज़रअंदाज़ कर देते हैं कि बहुत बार अकरणीय काम को करवाने के लिए हम ख़ुद आगे बढ़कर रिश्वत देने का प्रस्ताव करते हैं। यह तो बहुत आम है कि किसी छोटी-मोटी ग़लती पर जब चौराहे वाला ट्रैफिक सिपाही हमारा चालान करना चाहता है तो हम चालान करवाना मूर्खतापूर्ण मानते हुए उसकी मुट्ठी गरम करके मुक्ति पाने को अपनी समझदारी मानते और बखानते हैं।

सवाल यह है कि क्या यह सब ऐसे ही चलता रहेगा? क्या यह स्थिति बदल सकती है? मेरा जवाब है, हां एक हद तक तो बदल ही सकती है। इसके लिए पहला काम तो यही किया जाना चाहिए कि राजनीतिक दलों को दिये जाने वाले चंदे को पूरी तरह पारदर्शी बनाया जाए। अगर स्त्रोत साफ़ होगा तो प्रवाह भी साफ़ होगा। दूसरी बात यथासंभव अधिकाधिक काम तकनीक के सुपुर्द किए जाएं। पूर्ण डिजिटल ट्रैकिंग को लागू किया जाए। तीसरी बात प्रक्रियाओं को सरल किंतु कठोर और निरपवाद बनाया जाए ताकि यह स्पष्ट हो कि काम हो सकता है या नहीं हो सकता है। किसी की कृपा की संभावनाओं को ख़त्म करने की दिशा में आगे बढ़ा जाए। हर काम के लिए समय सीमा निर्धारित व घोषित की जाए और इसका पालन न होने पर समुचित दण्ड दिया जाए।

लेकिन इन बातों से भी ज़्यादा ज़रूरी है भ्रष्टाचार के बारे में समाज की सोच में बदलाव लाना। सब चलता है, इतना तो चलता है, आटे में नमक के बराबर, बेचारे की तनख़्वाह कम है, हम तो जैसे-तैसे अपना काम निकलवा ही लेंगे - जैसी मानसिकता को ख़त्म करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएं। शिक्षा की बड़ी भूमिका हो सकती है। सामाजिक संगठनों को भी सक्रिय होना होगा। कर्मचारी संगठनों को भी आगे आना होगा। यह ऐसा काम नहीं है जो पलक झपकते ही हो जाएगा। इसके लिए एक दूरगामी योजना बनाकर उसको पूरी निष्ठा से क्रियान्वित करना होगा। लेकिन कहीं से तो शुरुआत करनी ही होगी।

भ्रष्टाचार बहुत बड़ी बीमारी है। लेकिन यह उन बीमारियों की तरह नहीं है जो किसी एक दवा या इंजेक्शन से निर्मूल हो जाती हैं। इसकी प्रकृति बहुत भिन्न है। और इसलिए इसका उपचार भी भिन्न ही होगा। भ्रष्टाचार का अंत अगर कानून से, किसी आदेश से होना होता तो कभी का हो गया होता। सच तो यह है कि हम भ्रष्टाचार को कोसते-कोसते खुद वही करने लगते हैं। हां, अपने भ्रष्टाचार को हम व्यावहारिकता या जुगाड़ जैसा अपेक्षाकृत शालीन नाम दे देते हैं। यह मानसिकता बदलेगी तो सब ठीक होने लगेगा। जब हम यह हिम्मत करेंगे कहो चाहे जो हो जाए, हम ग़लत तरीका नहीं पनाएंगे, तो चीज़ें अपने आप बेहतर होने लगेंगी। कहते हैं ना कि एक हाथ से ताली नहीं बजती है। भ्रष्टाचार के लिए भी दोषी एक नहीं, दोनों पक्ष होते हैं। जब एक पक्ष उससे किनारा कर लेगा तो दूसरा पक्ष स्वत: निष्क्रिय होने लगेगा।

लेकिन ऐसा कब होगा - पता नहीं!

-अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

पुलिस से अपेक्षाएं अनंत और उनके मानवाधिकारों का अंत

सुनील दत्त गोयल

हम पुलिस से हर परिस्थिति में सभ्यता, सेवा और सुरक्षा की उम्मीद तो करते हैं, लेकिन क्या कभी सोचते हैं कि इस वर्दी के पीछे जो इंसान खड़ा है, उसकी अपनी ज़िंदगी कैसी है?

आप सड़क पर गाड़ी चला रहे हैं और सामने से ट्रैफिक पुलिस का एक सिपाही आता दिखाई देता है। वह शायद अपनी ड्यूटी बदलने जा रहा हो, लेकिन आपका दिल धक-धक करने लगता है कि कहीं चालान न काट दे। ठीक इसी तरह अगर खाकी वर्दी में कोई सामान्य पुलिसकर्मी आपकी तरफ़ बढ़ता दिखे तो ज़ेहन में पहला ख़याल सुरक्षा का नहीं, डर का आता है। सवाल यह है कि आख़िर ऐसा क्यों है? कमी पुलिस की है, या उस पूरे सिस्टम की जिसने पुलिस को एक भूखे शिकारी शेर की तरह खड़ा कर दिया है, जिसे जब चाहा इस्तेमाल किया, जब चाहा दुरुपयोग किया?

इसकी शुरुआत होती है राजनीति, नौकरशाही और हमारी सरकारों की उस मानसिकता से, जिसने पुलिस बल को कभी एक स्वतंत्र सेवा-संस्थान नहीं बनने दिया। सत्ता के गलियारों में बैठे लोगों ने पुलिस को एक ऐसे औज़ार की तरह रखा है जो हर आदेश पर झुकने के लिए 24 घंटे, 365 दिन तैयार रहना चाहिए। अफसरों और नेताओं की हर ग़ैर-क़ानूनी फ़रमाइश पर पुलिस को झुकना पड़ता है, और यही वजह है कि आम जनता के बीच पुलिस पर विश्वास कभी क़ायम नहीं हो पाता। हिंदुस्तान के कोने-कोने में यही धारणा घर कर गई है कि पुलिस सिर्फ़ पैसे वालों की है, ताकतवरों की है, सरकार की है - ग़रीब और सामान्य आदमी की नहीं।

लेकिन क्या कभी हमने सोचा कि सरकार ख़ुद पुलिस को क्या देती है? कभी किसी पुलिस चौकी या थाने की बैरकों में जाइए। रात के वक़्त वहाँ का नज़ारा देखिए। सर्दी, गर्मी, बरसात - तीनों मौसमों में इन बैरकों की दुर्दशा इतनी ख़राब होती है कि कोई आम आदमी वहाँ एक रात गुज़ारने की सोच भी नहीं सकता। खुले में सोना, मच्छरों का काटना, न गर्मी से राहत, न ठंड से बचाव। जहाँ तक मेरा ख़ुद का पिछले लगभग 40 वर्षों का विभाग से जुड़ाव रहा है, मैं दावे से कह सकता हूँ कि शायद ही कोई पुलिसकर्मी रात को चैन की नींद सो पाता हो। समय पर छुट्टी मिले, यह तो दूर की कौड़ी है। घर में कोई इमरजेंसी हो, किसी का जन्मदिन हो, शादी की सालगिरह हो या फिर अपने किसी की मौत - हर हालत में छुट्टी के लिए उन्हें ऐसे संघर्ष करना पड़ता है जैसे कोई जंग जीत रहे हों। लॉ एंड ऑर्डर से लेकर नोटिस तामील कराने तक का सारा बोझ उन्हीं पर है, और सरकार या उच्च अधिकारी इस साधारण-सी बात को भी नहीं समझते कि इन दोनों तरह के कार्यों का विभाजन क्यों ज़रूरी है।

उनकी ड्यूटी सड़कों पर लगा दी जाती है। पीने का पानी समय पर नहीं मिलता, खाने का कोई ठिकाना नहीं और अगर भोजन मिल भी जाए तो वह उस स्तर का नहीं होता जिसकी एक पूरे दिन शारीरिक-मानसिक श्रम करने वाले इंसान को ज़रूरत होती है। अब आप ख़ुद सोचिए - एक भूखा-प्यासा, बिना पूरी नींद लिए, घंटों से खड़ा हुआ इंसान, जो अपने ही विभाग से उपेक्षित और परेशान है, वह आपसे सभ्यता का व्यवहार कैसे कर पाएगा? आप कल्पना कीजिए कि बारिश में भी कोई सिपाही भीग जाता है, तो उसके कपड़े कब बदलेंगे? जब वह घर जाएगा-और घर कब जाएगा, यह उसे खुद भी पता नहीं होता। वह सड़क के बीच में पेड़ की छांव ढूंढता रहता है, जो आजकल संभव नहीं है, तो कहीं रास्ते में ही खड़ा रहता है। यह हमारी गैर-इंसानियत का एक जीता-जागता उदाहरण है। फ़ील्ड में काम कर रहे पुलिसकर्मियों की जीवन-स्थितियाँ दयनीय हैं। न अच्छे वाहन हैं, चाहे दोपहिया की बात हो या चार पहिया की, और अगर हैं भी तो उनकी मरम्मत, रख-रखाव और डीज़ल-पेट्रोल का पैसा अक्सर उनके पास नहीं होता। आज भी देश में हज़ारों पुलिस चौकियाँ और थाने ऐसे हैं जो टेंट, तंबू या कच्चे ढाँचों में चल रहे हैं। आज पुलिस विभाग में काम करने वाली महिलाओं की समस्याओं को समझना और उनके लिए बेहतर व्यवस्था करना बेहद ज़रूरी है। उनकी ड्यूटी पर आने का समय तय होता है, लेकिन घर लौटने का कोई निश्चित समय नहीं होता, जिससे छोटे बच्चों वाली महिला कर्मियों को हमेशा चिंता रहती है कि बच्चों को किसके भरोसे छोड़ें। नौकरी और परिवार की दोहरी जिम्मेदारी उनके लिए बड़ी चुनौती बन जाती है। इसके अलावा कई पुलिस थानों और कार्यालयों में महिलाओं के लिए सही शौचालय, आराम की जगह और अन्य जरूरी सुविधाओं का भी अभाव है, जबकि यह उनकी गरिमा और मूलभूत अधिकारों से जुड़ा विषय है। जब महिला पुलिसकर्मी दिन-रात समाज की सुरक्षा में लगी हैं, तो सरकार और अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक कार्य वातावरण उपलब्ध कराया जाए।

कोरोना काल के लॉकडाउन का वह दौर याद कीजिए, जब सड़कों पर सन्नाटा था। पुलिस के जवान बिल्कुल बेहाल स्थिति में घंटों धूप में तप रहे थे। उस पूरी तरह बंद पड़ी मोबिलिटी के बीच उन्हें पीने का पानी तक नसीब नहीं था। आज भी ट्रैफ़िक सिपाही सड़क किनारे किसी पेड़ की छाँव तलाशते खड़े मिल जाएँगे। और हम कल्पना करते हैं कि वे बेहतरीन ट्रैफ़िक बंदोबस्त करेंगे? आख़िर वे भी तो इंसान हैं। उनकी ड्यूटी के कोई तय घंटे नहीं। आठ घंटे की जगह सोलह-सोलह, कभी चौबीस घंटे से भी ज़्यादा खड़े रहना पड़ता है क्योंकि दूसरी शिफ़्ट का रिप्लेसमेंट ही नहीं आता। बिना कपड़े बदले, बिना भोजन, बिना नींद के वह आदमी ड्यूटी को ठीक से निभाएगा, यह अपेक्षा ही बेमानी है।

भारत में पुलिस का कांस्टेबल एवं फील्ड में कार्यरत सभी अधिकारी इस पूरे सिस्टम की रीढ़ हैं। और अगर रीढ़ ही कमज़ोर होगी, तो शरीर कैसे खड़ा रहेगा? हम मानवाधिकार आयोग की बातें बड़े ज़ोर-शोर से करते हैं, लेकिन क्या कभी उस आयोग के अधिकारियों ने थाने की बैरक में सो रहे सिपाही के मानवाधिकारों के बारे में सोचा है?

इस संदर्भ में दो क़िस्से मुझे हमेशा याद आते हैं, दोनों लगभग 25-30 साल पुराने। एक बार मैं एक पुलिस अधिकारी के पास चाय पी रहा था कि तभी मानवाधिकार आयोग में काम करने वाले एक अधिकारी का फ़ोन आता है। उस ज़माने में वीडियो कैसेट किराए पर लेने का रिवाज़ था। उन्होंने शुक्रवार को एक कैसेट ली, लेकिन सोमवार तक लौटा नहीं पाए। दुकानदार ने पूरा किराया माँगा तो यह अधिकारी भड़क गए। उन्होंने पुलिस अधिकारी पर दबाव डाला कि - उस दुकानदार को पकड़ो, मारो-पीटो, जो मर्ज़ी करो, मैं तो सिर्फ़ बीस रुपए दूँगा। दूसरी घटना एक और उच्च अधिकारी के घर की है, जहाँ घरेलू नौकर ने कुछ चोरी कर ली थी। उन्होंने नज़दीकी थाने को सीधा निर्देश दिया - अनाधिकृत रूप से गिरफ़्तार करो, हमारा सामान बरामद करो, और सब कुछ पुलिस रिकॉर्ड से बाहर रहे। अब बताइए, जब कथित मानवाधिकारों की बात करने वाले और सिस्टम के उच्च पदस्थ लोग ही पुलिस को क़ानून और न्याय के ख़िलाफ़ निर्देश देते हैं, तब हम उस मामूली कांस्टेबल से प्रतिबद्धता की उम्मीद कैसे रख सकते हैं? यह बात अब साफ़ हो चुकी है कि पुलिस की कार्यशैली पर सिर्फ़ पुलिस जिम्मेदार नहीं है। पीछे राजनीतिक दबाव, अप्रत्याशित हस्तक्षेप और संसाधनों की कमी का एक गहरा साया है। जब तक हम पुलिस थानों का नवीनीकरण नहीं करेंगे, उनके काम के घंटे तय नहीं करेंगे, छुट्टियों की गारंटी नहीं देंगे, तब तक हम उनके मानसिक स्वास्थ्य को कैसे दुरुस्त रख सकते हैं? इन हालात में गंभीर मानसिक बीमारियाँ, एंग्ज़ाइटी, डिप्रेशन और आत्महत्या जैसी प्रवृत्तियाँ आम होती जा रही हैं। जब इंसान को समय पर खाना-पीना नहीं मिलता, सोने का वक्त नहीं मिलता, घर-परिवार के लिए सुकून के पल नसीब नहीं होते, तो मानसिक तनाव में आना उसकी स्वाभाविक प्रतिक्रिया है - पुलिसकर्मी कोई रोबोट तो हैं नहीं।

यदि सिस्टम नेतृत्व प्रदान करे तो पुलिसिंग का स्वरूप पूरी तरह से बदला जा सकता है। राजस्थान कैडर के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी श्री दिनेश एम.एन. इसके सबसे मुखर उदाहरण हैं, जिन्होंने एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) के प्रमुख के रूप में हाल ही में ऑपरेशन प्रहार का नेतृत्व करते हुए अमरजीत बिश्नोई और सुधा कँवर को इटली में डिटेन किया गया, जबकि आदित्य जैन को दुबई से भारत प्रत्यर्पित कराया गया। अमेरिका में भी दो अपराधियों को हिरासत में लिया गया है, जिनके प्रत्यर्पण की प्रक्रिया जारी है। विदेशों में बैठे गैंगस्टर्स और अपराधियों के खिलाफ इंटरपोल के माध्यम से रेड कॉर्नर नोटिस जारी करवाकर उन्हें भारत लाने के लिए भी वे निडर होकर लगातार प्रयासरत हैं। एसीबी में रहते हुए उन्होंने कई बड़े वरिष्ठ अधिकारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों में सख्त कार्रवाई की और हमेशा भ्रष्टाचार के खिलाफ अडिग रहे। राजस्थान में वे सिंघम जैसी पहचान वाले अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। भ्रष्टाचार और संगठित अपराध के खिलाफ अपनी सख्त छवि के लिए मशहूर श्री दिनेश एम.एन. जी को हाल ही में राजस्थान पुलिस के आतंकवाद-निरोधी दस्ते (एटीएस) और एजीटीएफ दोनों की कमान सौंपी गई है। इसी तरह, 2014 बैच के युवा आईपीएस अधिकारी श्री करण शर्मा भी अपनी कार्यकुशलता से सुर्खियों में रहते हैं। कोटा ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक रहते हुए उन्होंने ऑपरेशन एंटीवायरस एंड साइबर स्ट्राइक चलाकर 37.62 लाख रुपये से अधिक मूल्य के 198 खोए-चोरी हुए मोबाइल फोन बरामद कर नागरिकों को लौटाए, जो पीड़ितों के प्रति उनकी संवेदनशीलता और तकनीकी दक्षता को दर्शाता है।

इसी पृष्ठभूमि में सवाई माधोपुर की पुलिस अधीक्षक सुश्री ज्येष्ठा मैत्रेयी (आईपीएस) द्वारा हाल ही में जारी एक आदेश ने उम्मीद जगाई है। उन्होंने निर्देश दिया कि पुलिस कर्मियों को उनके या परिवार के किसी सदस्य के जन्मदिन, विवाह की वर्षगांठ, पर्व-त्योहारों और मांगलिक कार्यों पर आवेदन करने की स्थिति में प्राथमिकता से छुट्टी मिला करेगी। मैं इस भावपूर्ण पहल के लिए उन्हें सलाम करता हूँ। उन्होंने ज़मीनी हक़ीक़त को समझा और उसका समाधान निकाला।

पुलिस विभाग में कई ऐसे अधिकारी भी हैं जिन्होंने अपने कार्य और व्यवहार से एक सकारात्मक उदाहरण प्रस्तुत किया है। जैसे श्री अवनीश शर्मा (आईपीएस) एसपी बूंदी, भूपेंद्र कुमार दक (आईपीएस, रिटायर्ड डीजीपी), धर्मेंद्र यादव (आईपीएस), नरोत्तम वर्मा (आरपीएस), यशपाल शर्मा (आरपीएस, रिटायर्ड), विजय सिंह मीणा (आरपीएस), बजरंग सिंह शेखावत (आरपीएस), ठाकुर चंद्रशील सिंह (आरपीएस), नितिराज सिंह शेखावत (आरपीएस) सी पी शर्मा (आरपीएस) जैसे अधिकारी अपनी कर्तव्यनिष्ठा, संवेदनशीलता और ईमानदारी के लिए जाने जाते हैं। इन अधिकारियों ने यह सिद्ध किया है कि सीमित संसाधनों और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद समर्पण के साथ कार्य करते हुए पुलिस की छवि को सकारात्मक दिशा दी जा सकती है।

मेरी सभी पुलिस अधिकारियों से गुज़ारिश है कि वे अपने अधीनस्थों की असल समस्याओं को गहराई से देखें। वे समझते तो सब हैं, लेकिन या तो कर नहीं पाते, या करने की इच्छाशक्ति नहीं जुटा पाते, या फिर कोई अदृश्य शक्तियाँ उनके हाथ रोक लेती हैं। ये अधिकारी इस बात के जीवंत प्रमाण हैं कि संसाधनों की कमी के बावजूद यदि इच्छाशक्ति, साहस और जनता के प्रति सेवा-भाव प्रबल हो तो पुलिस विभाग में बेहतरीन काम की अपार संभावनाएं हैं, और यही चेहरे उस भरोसेमंद और सम्मानित पुलिस बल के निर्माण की नींव रख सकते हैं जिसकी हर नागरिक को तलाश है। लेकिन इस पूरी बहस का दूसरा पहलू यह भी है कि पुलिस को अपनी छवि बदलने की भी उतनी ही ज़रूरत है जितनी सरकार को व्यवस्था सुधारने की। क़ानून का डर दिखाने वाली यह वर्दी जब लोगों के मन में सम्मान और सुरक्षा के भाव जगाए, तभी बात बनेगी। फ़िलहाल हालत यह है कि पुलिसकर्मी को देखकर आम आदमी सहम जाता है, जबकि होना यह चाहिए कि वह निश्चिंत हो जाए। यह बदलाव पुलिस को अपने सामाजिक अनुकरण से लाना होगा। बहुत से ट्रैफ़िक सिपाहियों को ट्रैफ़िक नियमों की ख़ुद सटीक जानकारी नहीं होती, उनके पास केवल चालान काटने या डाँट-फटकार लगाने का अधिकार रह जाता है। इससे पुलिस की छवि और ख़राब होती है। नियमित प्रशिक्षण, तकनीकी ज्ञान का अद्यतनीकरण और कुछ देर का मानसिक विराम - ये सब अब वैकल्पिक नहीं, अनिवार्य हैं। प्रशिक्षण के बहाने ही सही, पुलिसकर्मियों को थोड़ी राहत, नई जानकारी और ख़ुद को बेहतर करने का अवसर तो मिलेगा।

फिर, आम जनता के बीच पुलिस को लेकर जो अविश्वास और भय है, उसे दूर करना सिर्फ़ सिस्टम का नहीं, बल्कि स्वयं पुलिसकर्मियों का भी दायित्व है। आए दिन यह आरोप लगते हैं कि भू-माफिया, बजरी माफिया, रिकवरी एजेंट, शराब माफिया, ड्रग माफिया और ज़मीन के अवैध निर्माण या कब्ज़े जैसे काम बिना पुलिस की मदद के नहीं होते। पुलिस को ऐसे आरोपों से अपनी भूमिका को स्पष्ट करना होगा। अभी तो स्थिति यह है कि पुलिस विभाग के अंदर ही मुखबिर भेजिए के रूप में काम करते हैं और माफियाओं से जुड़े हुए हैं अक्सर यह खबरें अखबारों में पढ़ने को मिल जाती है कई कर्मचारी तो तेरे दोष इतने दुशासी होते हैं कि अपने वरिष्ठ अधिकारियों की भी सूचनाओं निकालने या लिख करने में गुरेज नहीं करते यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह एक दुष्चक्र है - राजनीतिक दुरुपयोग और संसाधनों की कमी पुलिस को बीमार, हताश और असंवेदनशील बनाती है, फिर जनता उनसे डरती और नफ़रत करती है, और उसी नकारात्मक छवि का फ़ायदा उठाकर माफिया और भ्रष्ट तत्व पुलिस को और कमज़ोर करते हैं। इस चक्र को तोड़ने की शुरुआत पुलिस को सम्मान और मूलभूत सहूलियतें देने से होगी, ताकि वह अपने पेशेवराना आचरण से जनता का भरोसा जीत सके।

अंतत:, पुलिस और जनता के बीच विश्वास का यह संकट कोई एकतरफ़ा समस्या नहीं है। यह समस्याओं की एक ऐसी भूलभुलैया है जहाँ सबसे पहले हमें पुलिस को एक थके हुए, भूखे और मानसिक तनाव झेलते हुए इंसान के रूप में देखना होगा। जब तक उसे मानवीय परिस्थितियाँ नहीं देंगे, तब तक उससे सेवा, शालीनता और कर्तव्यनिष्ठा की अनंत अपेक्षाएँ करना एक क्रूर मज़ाक ही होगा। एक स्वस्थ, शिक्षित और सम्मानित पुलिस बल ही किसी सुरक्षित, न्यायप्रिय और सभ्य समाज की बुनियाद रख सकता है। इस दिशा में सरकार से लेकर हम आम नागरिकों तक - सबको अपनी सोच और व्यवहार बदलना होगा।

-रोटेरियन सुनील दत्त गोयल,
महानिदेशक, इम्पीरियल चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री

बाड़मेर-हरिद्वार समर हॉलीडे स्पेशल ट्रेन आज से

जोधपुर, (कासं)। राजस्थान से हरिद्वार जाने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। गर्मी की छुट्टियों में बढ़ती भीड़ को देखते हुए उत्तर-पश्चिम रेलवे ने बाड़मेर-हरिद्वार-बाड़मेर के बीच द्वि-साप्ताहिक समर स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेन सोमवार 11 मई से पटरियों पर दौड़ने लगेगी और जुलाई के मध्य तक कुल 20-20 फेरे लगाएगी।

जोधपुर मंडल के डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने बताया कि ग्रीष्मावकाश के दौरान हरिद्वार रूट पर यात्रियों का दबाव काफी बढ़ जाता है। इसी को देखते हुए रेलवे ने यह स्पेशल ट्रेन शुरू की है ताकि यात्रियों को कन्फर्म सीट मिल सके और उनका सफर सुगम हो। ट्रेन जोधपुर, मेड़ता रोड, नागौर और बीकानेर के रास्ते चलेगी, जिससे इन शहरों के यात्रियों को भी सीधी सुविधा मिलेगी।

उन्होंने बताया कि ट्रेन संख्या 04811 बाड़मेर-हरिद्वार समर स्पेशल 11 मई से 16 जुलाई तक हर सोमवार और गुरुवार को चलेगी। यह ट्रेन बाड़मेर से तड़के 4.15 बजे रवाना होगी और बायतु, बालोतरा, समदड़ी व लूणी होते हुए सुबह 8.40 बजे जोधपुर पहुंचेगी। दस मिनट के ठहराव के बाद 8:50 बजे आगे के लिए रवाना हो जाएगी। मेड़ता रोड, नागौर, नोखा, बीकानेर, सूरतगढ़, हनुमानगढ़, बठिंडा और अंबाला कैंट होते हुए यह ट्रेन अगले दिन सुबह 4.10 बजे हरिद्वार पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04812, हरिद्वार-बाड़मेर स्पेशल 12 मई से 17 जुलाई तक हर मंगलवार और शुक्रवार को चलेगी। हरिद्वार से सुबह 5.15 बजे चलेगी और सहारनपुर, अंबाला, बठिंडा, हनुमानगढ़, बीकानेर व नागौर के रास्ते रात 2.30 बजे जोधपुर पहुंचेगी। यहां से 2.40 बजे रवाना होकर सुबह 7.30 बजे बाड़मेर पहुंच जाएगी।

सीनियर डीसीएम हितेश यादव के अनुसार इस ट्रेन का ठहराव मार्ग के 24 प्रमुख स्टेशनों पर रहेगा, जिनमें गोटन, लालगढ़, लूनकरनसर, पीलीबंगा, मंडी डबवाली, संगरिया और धुरी भी शामिल हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन में कुल 18 डिब्बे लगाए गए हैं। इनमें एक सेकंड एसी, छह थर्ड एसी, पांच स्लीपर, चार जनरल और दो गार्ड कोच शामिल हैं, ताकि हर वर्ग के यात्री आराम से सफर कर सके।

श्रीगंगानगर, जोधपुर जिले में गर्मी से आमजन परेशान

श्रीगंगानगर/जोधपुर, (निसं)। वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर के खत्म होते ही श्रीगंगानगर जिले में तेज गर्मी का दौर शुरू हो गया है। दोपहर में चलने वाली गर्म हवाओं ने दिन का तापमान 40 डिग्री के पार पहुंचा दिया है। इसी बीच मौसम विभाग ने जिले में 12 मई तक हीटवेव का अलर्ट जारी कर दिया है।

मौसम राडार स्टेशन, श्रीगंगानगर के पर रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 27 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। शनिवार को न्यूनतम तापमान 24.5 डिग्री और अधिकतम तापमान 41.0 डिग्री रहा। शुक्रवार को न्यूनतम 22.9 डिग्री और अधिकतम 40.0 डिग्री तापमान दर्ज किया गया था। रविवार सुबह से धूलभरी आंधी भी चली। मौसम विभाग ने पश्चिमी राजस्थान के जिलों में अगले दो-तीन दिन तेज हीटवेव चलने का ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। रविवार को जैसलमेर, बाड़मेर, जोधपुर और बीकानेर में हीटवेव का येलो अलर्ट जारी किया गया है। पूर्वी राजस्थान में हालांकि राहत की संभावना है। यहां कुछ जगहों पर आंधी-बारिश, बादल छाने और कहीं-कहीं हल्की बारिश की संभावना जताई गई है।

गर्मी के असर से जोधपुर में आम जनजीवन प्रभावित : जोधपुर शहर में गर्मी के असर से आम जनजीवन प्रभावित हो रहा है। रविवार को अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। धूप की वजह से दिन में सड़कों पर पैदल चलने के साथ गाड़ियों पर जाना भी मुश्किल हो रहा है। लोग धूप से बचाव को लेकर तरह- तरह के जतन करते नजर आए। वहीं जोधपुर के नई सड़क चौराहे स्थित ट्रैफिक सिग्नल को रेड लाइट फ्री कर दिया गया। ऐसे में ट्रैफिक लाइट पर वाहन बिना रुके निकलते रहे।

मौसम विभाग के अनुसार जोधपुर में 11 से 13 मई तक हीट वेव की चेतावनी जारी की गई है। जोधपुर शहर में अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिनभर तेज धूप के चलते दिन में सड़कें सूनी नजर आई। वहीं जोधपुर के नई सड़क चौराहे स्थित ट्रैफिक सिग्नल को रेड लाइट फ्री कर दिया गया। आम दिनों में यहां ट्रैफिक पर रेड लाइट होने से लोगों को धूप में खड़े रहकर परेशान होना पड़ता था, लेकिन रविवार को सिग्नल फ्री होने से लोगों को रुकना नहीं पड़ा।

राशिफल

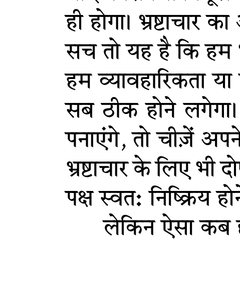

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 11 मई, 2026

प्रथम ज्येष्ठ मास (शुद्ध), कृष्ण पक्ष, नवमी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2083, शतभिषा नक्षत्र रात्रि 1:29 तक, ऐन्द्रयन योग रात्रि 1:04 तक, गर करण दिन 3:25 तक, चन्द्रमा आज कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कुम्भ, मंगल-मीन, बुध-मेष, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह कुमार योग रात्रि 1:29 से आरम्भ होगा। भद्रा रात्रि 3:09 से आरम्भ होगी। मंगल अश्विनी मेष में दिन 12:39 पर प्रवेश करेगा। आज पंचक है।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 7:25 तक, शुभ 9:04 से 10:44 तक, चर 2:03 से 3:42 तक, लाभ-अमृत 3:42 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 5:46, सूर्यास्त 7:01

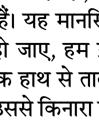

मेष
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा संभव है। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

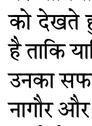

वृष
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में उचित प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

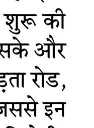

मिथुन
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

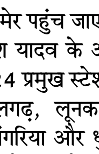

कर्क
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है।

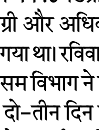

सिंह
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद दूर होने लगेंगे। परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

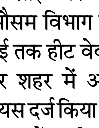

कन्या
आर्थिक मामलों से संबंधित विवादों का निपटारा हो सकता है। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

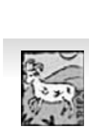

तुला
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक कार्य योजना बनेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

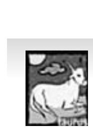

वृश्चिक
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। आय में वृद्धि होगी।

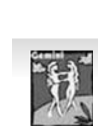

धनु
परिवार में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्यों से संबंधित वार्ता सफल रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन हो सकता है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

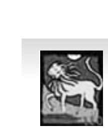

कुंभ
व्यावसायिक कार्यों से संबंधित वार्ता के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक प्रयासों में सफल रहेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। परिवार में प्रसन्नता-हर्षोल्लास का माहौल रहेगा।

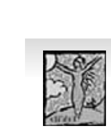

मीन
घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। समय अनर्गल कार्यों में खराब होगा। मन में असंतोष बना रहेगा। वाणी पर नियंत्रण रखना ठीक रहेगा।

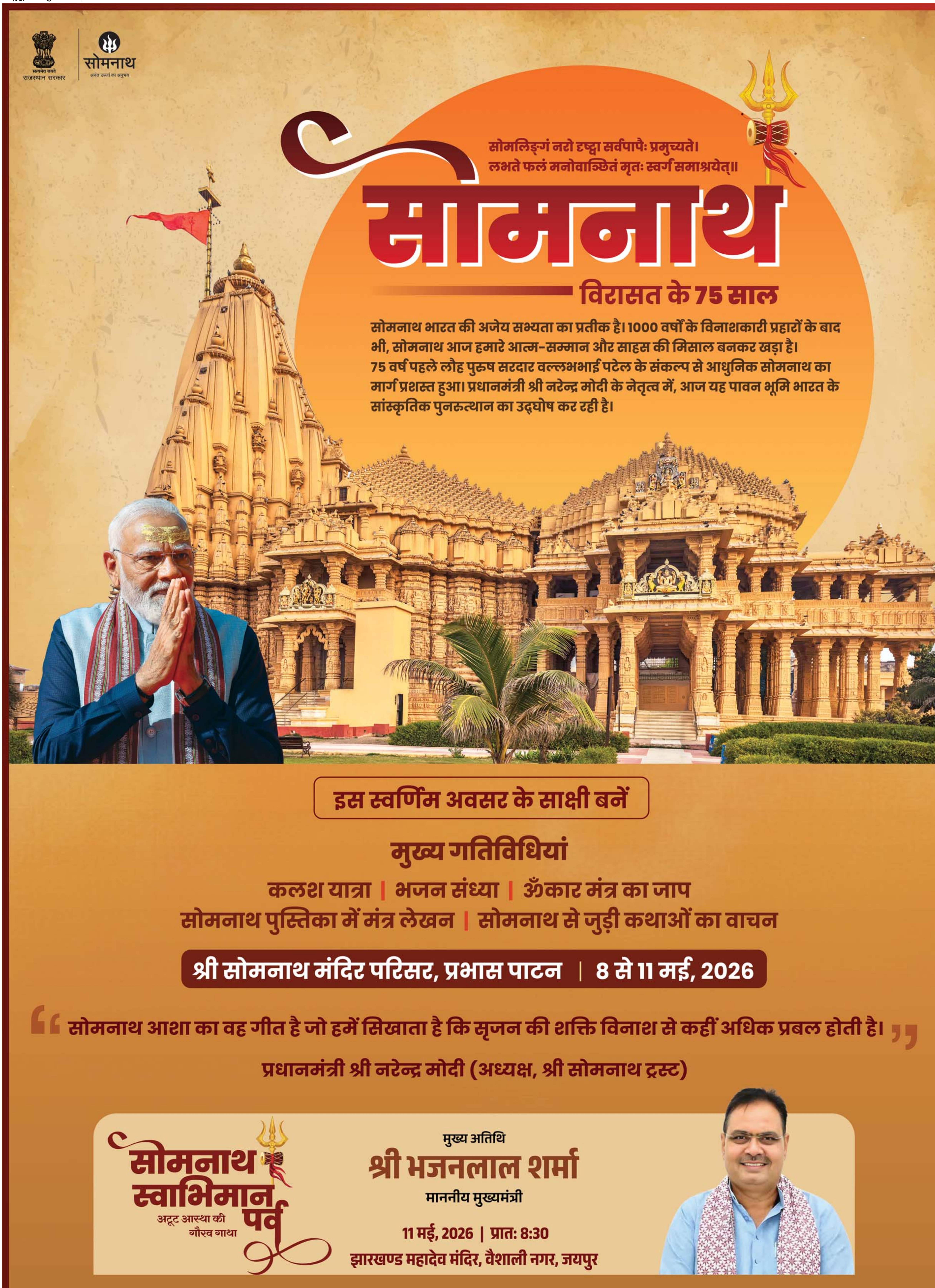

सोमनाथ की दिव्यता व भव्यता में दें योगदान और बनें गौरवशाली इतिहास का हिस्सा।
स्कैन करें।

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

कोटा में 290 किलो डोडा-चूरा बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

गेहूं की भूसी की बोरियों के नीचे मादक पदार्थ डोडा-चूरा को छिपा रखा था

नारकोटिक्स ब्यूरो टीम ने अवैध मादक पदार्थ डोडा-चूरा जब्त किया।

कोटा, (निसं)। प्रदेश में अवैध मादक पदार्थ की तस्करी व तस्करों की धरपकड़ के लिये केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो टीम की ओर से लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अवैध मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत् केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) चित्तौड़गढ़-2 डिवीजन के अधिकारियों ने एक बाड़े पर छापा मारकर 290.440 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद किया, साथ ही एक जने को गिरफ्तार किया गया। कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई।

- **सीबीएन टीम ने मौके पर पहुंचकर बाड़ा की जगह की सही पहचान की और तलाशी लेकर कार्रवाई की**

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबीर से सूचना मिली कि जिला चित्तौड़गढ के तहसील कपासन गांव तुर्किया खुर्द के रहने वाले एक व्यक्ति ने बिना वैलिड अफीम लाइसेंस के अपने बाड़े में भारी मात्रा में अवैध डोडा-चूरा जमा किया हुआ है और लगातार ड्रग तस्करों को अवैध डोडा-चूरा पहुंचा रहा है। उक्त सूचना पर सीबीएन चित्तौड़गढ़-2 डिवीजन के अधिकारियों की टीम गठित की गई और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। गठित टीम ने मौके पर पहुंचकर बाड़ा की जगह की सही पहचान की और पूरी तलाशी ली गई।

उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि तलाशी के दौरान गेहूं की भूसी की बोरियों के नीचे छिपाए गए अवैध डोडा-चूरा के 15 बैग बरामद किए गए। टीम ने कार्यवाही के दौरान 290.440 किलोग्राम अवैध डोडा-चूरा बरामद किया है। टीम ने मौके पर कानूनी औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, बरामद किए गए अवैध डोडा-चूरा को जब्त किया और एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुए एक जने को गिरफ्तार कर लिया गया। प्रकरण में आगे की जांच प्रक्रिया जारी है।

तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से वृद्धा की मौत

पावटा, (निसं)। प्रागपुरा थाना क्षेत्र के बागावास पुलिया के पास राष्ट्रीय राजमार्ग 48 पर रविवार की दोपहर सब्जी से भरी एक तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से 75 वर्षीय वृद्ध महिला गोरा देवी की मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा तब हुआ जब महिला सड़क पार कर रही थी। बुरहानपुर निवासी गोरा देवी पत्नी बोदूराम जाट रविवार दोपहर अपनी बेटी धन्नी देवी के साथ ग्राम लाडाकाबास अपने पैर में परेशानी को लेकर दिखाने आई थी। इसी दौरान सड़क पार करते समय तेज गति से आ रही एक सब्जी से भरी पिकअप गाड़ी ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि गोरा देवी ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर जमा हो गए। मृतका को उपजिला अस्पताल पावटा ले जाया गया। सूचना पर पहुंची प्रागपुरा थाना पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया। ग्रामीणों ने बताया कि पिकअप काफी तेज रफ्तार में थी और चालक लापरवाही से वाहन चला रहा था। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया।

- **सड़क पार करते समय हादसे का शिकार हुई वृद्धा, आरोपी चालक फरार हुआ**

राज्यपाल बागड़े ने आसोतरा ब्रह्म मंदिर में पूजा-अर्चना की

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने आसोतरा ब्रह्म मंदिर में संत से आशीर्वाद लिया।

बालोतरा, (निसं)। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े रविवार को बालोतरा जिले के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल आसोतरा ब्रह्म मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े के मंदिर पहुंचने पर मंदिर ट्रस्ट एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों द्वारा पारंपरिक स्वागत किया गया। इस दौरान उन्होंने मंदिर परिसर में स्थित शिव धूनी के दर्शन किए तथा माता सावित्री के साथ भगवान ब्रह्मा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में पूजा-अर्चना के दौरान वैदिक मंत्रोच्चार एवं धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए गए।

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने मंदिर की धार्मिक एवं ऐतिहासिक महत्ता की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आस्था केंद्र भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा को मजबूत करने का कार्य करते हैं। इस दौरान आहोर पूर्व विधायक शंकर सिंह राजपुरोहित, महामंत्री बाबूसिंह राजपुरोहित, रामसिंह बोथिया, गोविंद सिंह कालुडी, जिला कलैक्टर सुशील कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक रमेश, उपखंड अधिकारी अशोक कुमार समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय लोग भी दर्शन के लिए उपस्थित रहे।

राजगढ़ : दोस्त को लेने जा रहे दो युवकों की सड़क हादसे में मौत

पुलिस व ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर कार में फंसे शवों को बाहर निकाला

राजगढ़, (निसं)। शनिवार व रविवार की रात करीब 10:30 बजे घणाऊ-खुड्डी रोड पर महासिंह पूनिया के खेत के पास हुए डम्पर व कार की टक्कर में हुए भीषण सड़क हादसे में कार सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जिसमें बेकाबू डंपर ने कार के परखच्चे उड़ा दिए। रविवार को मामला दर्ज करवाकर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिये। हादसे के बाद उम्पर चालक फरार हो गया।

- **घणाऊ-खुड्डी रोड पर डम्पर व कार की टक्कर हो गई थी, डंपर चालक फरार**

दर्ज मामले के अनुसार प्रहलादराम जांगिड़ निवासी घणाऊ ने राजगढ़ थाना पुलिस को बताया कि उनका भतीजा कुलदीप (24) पुत्र ईश्वर सिंह निवासी घणाऊ और उसका भांजा राजेश (23) पुत्र हनुमान सिंह निवासी अजीतपुरा, भादरा रात को राजगढ़ रेलवे स्टेशन जा रहे थे। घणाऊ निवासी सुरेन्द्र पुत्र शुभराम जाट जो आर्मी में है, छुट्टी पर आ रहा था। गांव तक कोई साधन नहीं था, इसलिए दोनों युवक दोस्त को रिसीव करने निकले थे। तभी चनाणा व खुड्डी गांव के बीच डंपर चालक ने तेज रफ्तार व लापरवाही से कार को सामने से टक्कर मार दी। कार सवार कुलदीप व राजेश को गंभीर चोटें आईं और दोनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। टक्कर इतनी तेज थी कि कार पूरी तरह चकनाचूर हो गई। डंपर चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की आवाज सुन कर खुड्डी निवासी भूपेन्द्र पूनिया, पवन जांगिड़ व घणाऊ के सुरेश दौड़े। उन्होंने राजगढ़ थाना पुलिस को सूचना दी। पुलिस व ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर कार में फंसे शवों को बाहर निकाला। एंबुलेंस से राजकीय उप जिला अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने दोनों युवकों को मृत घोषित कर दिया। प्रहलादराम की रिपोर्ट पर राजगढ़ थाना पुलिस ने डंपर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर अनुसंधान प्रारंभ कर दिया है। प्रकरण का अनुसंधान धर्मेन्द्र सिंह एसआई को सौंपा गया है। कुलदीप व राजेश की मौत को लेकर फौजी दोस्त सुरेन्द्र जब स्टेशन पहुंचा तो दोस्तों की मौत की खबर सुनकर बेसुध हो गया तथा गांव घणाऊ व अजीतपुरा में शोक की लहर दौड़ गई है।

टोंक में क्रिकेट मैच पर सट्टा लगाते दो गिरफ्तार

टोंक, (निसं)। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन में निवाई थाना प्रभारी घासीराम के नेतृत्व में गठित टीम ने निवाई क्षेत्र में आईपीएल टी-20 क्रिकेट मैच पर ऑनलाइन सट्टा संचालित करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके पास से दो एंड्रॉयड मोबाइल, एक कीपैड फोन, सट्टा डायरी और 5040 रुपए नकद बरामद किए हैं। वहीं जब्त डायरी में 3 लाख 24 हजार 400 रुपए के लेन-देन का हिसाब-किताब दर्ज मिला है।

थाना प्रभारी घासीराम ने बताया कि पुलिस को मिली सूचना के बाद राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटन्स के बीच खेले जा रहे आईपीएल मैच पर ऑनलाइन सट्टा लगाते टीम ने शनिवार रात्रि को कस्बा निवाई में भरकुआ तालाब के पास दबिश देकर मौके से आरोपी रमेश सैनी उर्फ बबलू सैनी निवासी दहलोद और रवि प्रकाश सैनी निवासी पहाड़ी चुंगी नाका निवाई को गिरफ्तार किया गया।

लॉरेंस गैंग के दो शूटरों को श्रीगंगानगर पुलिस ने मुंबई सेंट्रल जेल से पकड़ा

श्रीगंगानगर के एक ज्वैलर्स के यहां फिरौती के लिए फायरिंग की योजना और रैकी की थी

श्रीगंगानगर, (निसं)। शहर के एक ज्वैलर्स के यहां फिरौती के लिए फायरिंग की योजना और रैकी करने वाली गैंग के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपियों को कोतवाल पृथ्वीपाल सिंह मुंबई की सेंट्रल जेल से प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर लाए हैं। यहां इनको अदालत में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। आरोपी आगरा जिले के बिजौली निवासी 22 वर्षीय प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू पंडित पुत्र राधामोहन व इसी गांव के 25 वर्षीय दीपक उर्फ तुषार पुत्र रमेश चंद्र को रिमांड पर लिया है।

- **आरोपी प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू पंडित वर्ष 2026 में ही जवाहरनगर पुलिस के हाथों गिरफ्तार हो चुका है**
- **आरोपी प्रदीप और दीपक उर्फ तुषार ने लॉरेंस गैंग के कहने पर ही मुंबई में फायरिंग की थी**

एएसपी रघुवीर शर्मा ने बताया कि दोनों आरोपियों ने यहां रहकर ज्वैलर्स के संस्थानों और उनके पारिवारिक सदस्यों की रैकी की थी। ये सभी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य हैं। वे उसी गैंग के सदस्य के कहने पर श्रीगंगानगर में आए थे। गैंग की ओर से ज्वैलर्स को फिरौती के लिए जान से मारने की धमकी दी गई थी। गिरोह के सदस्यों ने ज्वैलर्स को डराने-धमकाने के लिए रैकी की थी। फायरिंग कर नुकसान पहुंचाने की भी योजना थी। आरोपी प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू पंडित इससे पहले वर्ष 2026 में ही जवाहरनगर पुलिस के हाथों गिरफ्तार हो चुका है। उसने अग्रसेन चौक निवासी, मीरा चौक स्थित ऑफिस संचालित कर रहे प्रॉपर्टी कारोबारी राजू कथूरिया के घर पर फायरिंग की थी। आरोपी प्रदीप शर्मा उर्फ गोलू पंडित को करीब दो माह पहले ही जवाहरनगर पुलिस ने अवैध हथियार सहित गिरफ्तार किया था।

आरोपी प्रदीप और दीपक उर्फ तुषार ने लॉरेंस गैंग के कहने पर ही मुंबई में फायरिंग की थी। इसलिए श्रीगंगानगर में इनके गिरफ्तार होने के बाद मुंबई पुलिस इनको प्रोडक्शन वारंट पर गिरफ्तार कर ले गई थी। ये दोनों तब से मुंबई सेंट्रल जेल में ही बंद थे।

इस मामले में आरोपी अर्पित शर्मा, रोहित सिंह, आजाद उर्फ हैरी, शिवा सिंह उर्फ शिवा गुर्जर को पहले गिरफ्तार किया जा चुका है। वे अभी जेल में ही हैं। वर्तमान में आरोपी कोतवाली में दर्ज मामले में बीएनएस की धारा 308(5), 351(3), 111(2)(बी), 111(3), 61(2)(ए) के तहत दर्ज मुकदमे में गिरफ्तार किए गए हैं। बीएनएस की धारा 111 भी संगठित गिरोह द्वारा की जाने वाली आपराधिक वारदातों पर प्रभावी होती है। यह लगभग मकोका जैसा ही है। इसलिए जिन राज्यों में संगठित गिरोह के खिलाफ विशेष कानून नहीं हैं, वहां बीएनएस की धारा 111 और उसके उपखंड प्रभावी रूप से काम कर रहे हैं।

पाटन : कांकड़ खदान में बवाल, महिलाओं ने पत्थर बरसाए

पाटन, (निसं)। डाबला रोड स्थित कांकड़ खदान संख्या 19/81 पर रविवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब चतरु की ढाणी की कुछ महिलाओं और पुरुषों ने खदान क्षेत्र में पहुंचकर क्रशर जोन पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। अचानक हुए घटनाक्रम से प्लांट पर काम कर रहे कर्मचारियों में हड़कंप मच गया और कर्मचारी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। इस दौरान एलएनटी मशीन के शीशे भी टूट गए।

- **महिलाएं और पुरुष पहाड़ी पर चढ़ गए और प्लांट व क्रशर क्षेत्र की ओर पत्थर फेंकने लगे**
- **अचानक हुए घटनाक्रम से प्लांट पर काम कर रहे कर्मचारी जान बचाने इधर-उधर भागने लगे**

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार करीब आधा दर्जन महिलाएं और पुरुष पहाड़ी पर चढ़ गए और वहां से प्लांट व क्रेशर क्षेत्र की ओर पत्थर फेंकने लगे। घटना के चलते कुछ समय के लिए खदान क्षेत्र में कामकाज भी प्रभावित रहा। खदान मालिक प्रेम शर्मा ने आरोप लगाया कि चतरु की ढाणी का एक परिवार लंबे समय से खदान संचालन में बाधा उत्पन्न कर रहा है। उन्होंने कहा कि संबंधित परिवार उनसे मंथली राशि की मांग करता है और मांग पूरी नहीं होने पर एससी-एसटी एक्ट में मुकदमा दर्ज कराने की धमकी देता है। इसके अलावा मुख्यमंत्री पोर्टल, महिला आयोग और पुलिस थाने में भी झूठी शिकायतें किए जाने का आरोप लगाया गया है। प्रेम शर्मा ने यह भी बताया कि उनकी खदान में पिछले 40-45 वर्षों से कार्य किया जा रहा है और यहां काम करने वाले मजदूरों को बदमाश बताकर डराने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि संबंधित परिवार सवाई चक भूमि पर बसा हुआ है, जो खदान के लीज क्षेत्र में आती है। घटना के बाद खदान मालिक ने पाटन थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

चोरी का आरोपी गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी पुलिस ने रविवार को कस्बे में लगातार हो रही चोरियों का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किए गए सोने-चांदी के गहने व सीसीटीवी कैमरे बरामद किए हैं। थानाधिकारी मोहनलाल ने बताया कि 24 अप्रैल को योगेश कुमार ने रिपोर्ट दी कि वह 22 अप्रैल को मकान को सूना देखकर पिछे से चोर मकान का ताला तोड़कर अलमारी में रखे जेवरात चोरी कर लिये तथा कमरों में तोड़फोड़ कर डीवीआर भी चोरी कर ले गया। पुलिस टीम ने आरोपी जसवंत उर्फ कालू पुत्र राजेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया।

दुष्कर्म पीड़िता ने आत्महत्या की चेतावनी दी

मसूदा, (निसं)। एक युवती ने एक युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए पुलिस प्रशासन पर कार्रवाई में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को शिकायत पत्र सौंपकर चेतावनी दी है कि यदि आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार नहीं किया गया तो वह आत्महत्या करने को मजबूर होगी।

- **आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने पर एएसपी से गुहार लगाई**

पीड़िता ने बताया कि करीब सात माह पूर्व आरोपी युवक ने उसे घर में अकेला पाकर जबरन दुष्कर्म किया था। घटना के बाद उसने 31 मार्च 2026 को मसूदा पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था, लेकिन मुकदमा दर्ज होने के करीब 30 दिन बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी खुलेआम उसके घर के आसपास घूम रहा है तथा उसे और उसके परिवार को मुकदमा वापस लेने की धमकियां दे रहा है। आरोपी के परिजन भी लगातार समझौता करने का दबाव बना रहे हैं। कार्रवाई नहीं होने से परेशान पीड़िता ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय दिलाने की मांग की है।

इस संबंध में थाना अधिकारी रणजीत सिंह ने बताया कि वह वर्तमान में पॉक्सो से संबंधित कार्रवाई के सिलसिले में बाहर जा रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वापस लौटते ही आरोपी की गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी।

फर्जी पट्टे जारी करने पर तत्कालीन वीडीओ निलंबित

खेतड़ी, (निसं)। खेतड़ी उपखंड के पपुरना पंचायत में फर्जी पट्टा जारी करने के मामले में जिला परिषद प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पपुरना ग्राम पंचायत के तत्कालीन ग्राम विकास अधिकारी को निलंबित कर दिया है। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) कैलाश चंद द्वारा जारी आदेश के अनुसार पंचायत समिति विकास अधिकारी द्वारा करवाई गई प्रारंभिक जांच में अनियमितताओं और नियमों के विरुद्ध पट्टा जारी करने की पुष्टि होने पर यह कार्रवाई की गई। निलंबित ग्राम विकास अधिकारी जयकिशन का मुख्यालय आगामी आदेश तक जिला परिषद मुख्यालय झुंझुनूं पंचायत प्रकोष्ठ में रखा गया है।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत पपुरना क्षेत्र में फर्जी तरीके से पट्टा जारी किए जाने की शिकायतें लंबे समय से मिल रही थीं। मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला परिषद प्रशासन ने जांच करवाई, जिसमें दस्तावेजों में गड़बड़ी और प्रक्रिया में लापरवाही सामने आई। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद सीईओ ने तत्काल प्रभाव से निलंबन आदेश जारी कर दिए। प्रशासनिक अधिकारियों का कहना है कि सरकारी कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पंचायत स्तर पर पारदर्शिता बनाए रखने के लिए लगातार निगरानी की जा रही है। वहीं इस कार्रवाई के बाद पंचायत विभाग में हड़कंप मच गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस कार्रवाई का स्वागत करते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। लोगों का कहना है कि फर्जी पट्टों के कारण कई जरूरतमंद लोगों को परेशानी उठानी पड़ती है और सरकारी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े होते हैं। प्रशासन ने संकेत दिए हैं कि मामले में अन्य जिम्मेदार व्यक्तियों की भूमिका की भी जांच की जाएगी और दोषी पाए जाने पर आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

उदयपुर में दो कारों की भिड़ंत, युवती की मौत

उदयपुर, (कासं)। गोगुंदा-पिंडवाड़ा नेशनल हाईवे पर दो कारों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। घटना में एक युवती की मौत हो गई, जबकि 4 गंभीर लोग घायल हो गए। जिन्हें तुरंत हॉस्पिटल पहुंचाया गया। टक्कर इतनी तेज थी कि एक कार करीब 20 फीट दूर घिसटते हुए बीच सड़क पर पलट गई। सूचना पर गोगुंदा थाना पुलिस के एएसआई नंदलाल नागदा जाब्ते के साथ घटना स्थल पहुंचे। घायलों को एंबुलेंस से गोगुंदा अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने महिला को मृत घोषित कर दिया। गंभीर रूप से घायल तीन युवती और एक युवक को प्राथमिक इलाज के बाद एमबी हॉस्पिटल रेफर कर दिया। जहां उनका इलाज जारी है।

जानकारी एक कार पाली के सुमेरपुर से उदयपुर की तरफ आ रही थी। वहीं दूसरी कार गोगुंदा से जसवंतगढ़ के लिए जा रहे थी। सुमेरपुर से आ रही कार में निवासी डिंपल पुत्री कपूरचंद सुथार (22) जीनल पुत्री कपूरचंद सुथार (18), वृंदा (21) पुत्री जयंतीलाल सुथार, वरुण (25) व उसकी बहन डिंपल (18) सवार थे। यू-टर्न पर दोनों में आपसी भिड़ंत हो गई। हादसे में डिंपल पुत्री कपूरचंद सुथार की मौत हो गई। जबकि बाकी चारों घायल हो गए। गोगुंदा से आ रही कार में पांच जने सवार थे, जिन्हें मामूली चोट लगी है। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और हाईवे पर कुछ देर के लिए जाम जैसी स्थिती बन गई। पुलिस ने शव को गोगुंदा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर परिजनों को सूचना दी है। वहीं हाईवे पेट्रोलिंग टीम ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर ट्रेफिक व्यवस्था बहाल कराई।

जोधपुर में 69 किलो डोडा-पोस्त सहित पिस्टल और कारतूस बरामद, दो जने गिरफ्तार

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर ग्रामीण पुलिस ने अवैध डोडा-पोस्त तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 69 किलो 800 ग्राम डोडा-पोस्त, एक पिस्टल और तीन जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस ने बेलेनो कार में सवार दो आरोपियों को गिरफ्तार किया, जबकि पकड़ से बचने के लिए एक आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग भी की।

- **कारवाई के दौरान पकड़ से बचने के लिए एक आरोपी ने पुलिस पर फायरिंग भी की**
- **जवाब में पुलिस ने हवाई फायर किए और आरोपी को कुछ ही देर में दबोच लिया**

जिला पुलिस अधीक्षक जोधपुर ग्रामीण पी.डी. नित्या ने बताया यह 9 मई की घटना है। डीएसटी और थाना बोरून्दा पुलिस ने मेड़ता-जोधपुर स्टेट हाईवे-21 पर गढसूरिया घाटी के पास नाकाबंदी की थी। इसी दौरान वहां संदिग्ध बेलेनो कार आती नजर आई। पुलिस ने चालक को रोकने का इशारा किया। लेकिन चालक ने नाकाबंदी तोड़कर भागने लगा। पुलिस ने पीछा कर कार को घेर लिया। बचने के लिए चालक खेतों की तरफ भागा और पुलिस टीम पर फायरिंग करने लगा। जवाब में पुलिस ने हवाई फायर किए और आरोपी को कुछ ही देर में दबोच लिया। मौके से चालक बंशीलाल बिश्नोई और उसके साथी मांगीलाल बिश्नोई को पकड़ा गया। तलाशी में बेलेनो कार से 69.800 किलो अवैध डोडा-पोस्त मिला, साथ ही चालक के कब्जे से एक लोडेड पिस्टल और 3 जिंदा कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की गई कार को भी जब्त कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी गई है।

गिरफ्तार आरोपी बंशीलाल पुत्र छोगाराम बिश्नोई, निवासी जालेली चम्पावता, थाना डांगियावास और मांगीलाल पुत्र छोगाराम बिश्नोई, निवासी ओलवी, थाना कापरड़ा है। इस कार्रवाई में डीएसटी प्रभारी श्रवणकुमार भंवरिया, कमांडो सोहनराम, और थाना बोरून्दा की टीम की भूमिका रही।

नोखा में लाखों रुपये की स्मैक सहित चार तस्करों को पकड़ा

नोखा, (निसं)। पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 265 ग्राम स्मैक, नकदी और दो लग्जरी गाड़ियां जब्त करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बीकानेर जिले में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन नीलकंठ' के तहत की गई।

नोखा थानाधिकारी अरविंद भारद्वाज के नेतृत्व में एक पुलिस टीम ने जोरावरपुरा क्षेत्र स्थित एक मकान पर दबिश दी। पुलिस को लंबे समय से यहां मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त की सूचना मिल रही थी। योजनाबद्ध तरीके से की गई इस कार्रवाई में पुलिस ने मौके से चार युवकों को हिरासत में लिया। तलाशी के दौरान 265 ग्राम स्मैक बरामद की गई। इसके साथ ही, मादक पदार्थ बेचकर जुटाए गए 1 लाख 60 हजार रुपये नकद, स्मैक तौलने के उपकरण और दो स्कॉर्पियो गाड़ियां भी जब्त की गई। बरामद स्मैक की बाजार कीमत लाखों रुपये बताई जा रही है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मनोज खीचड़, कृष्ण, शेर सिंह और शीशपाल के रूप में हुई है। पुलिस सभी आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि बरामद स्मैक कहां से लाई गई थी और किन-किन क्षेत्रों में इसकी सप्लाई की जा रही थी। आरोपियों के मोबाइल फोन और संपर्कों की भी जांच की जा रही है ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके। इस कार्रवाई में सब इंस्पेक्टर तनसुख राम, रामेश्वर लाल, रामेश्वर और सतीश सहित पुलिस टीम के अन्य जवान भी शामिल रहे।

युवक का अपहरण कर चेन-ब्रेसलेट लूटे

जयपुर। मालवीय नगर थाना इलाके में बाइक सवार बदमाशों ने युवक का अपहरण कर उसके साथ मारपीट और लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश युवक को जबरन बाइक पर बैठाकर सुनसान जगह ले गए, जहां डंडों से बेरहमी से पिटाई करने के बाद उसकी सोने की चेन, ब्रेसलेट, मोबाइल फोन और जूते तक लूटकर फरार हो गए।

■ **जेडीए आयुक्त सिद्धार्थ महाजन ने अधिकारियों को निर्देश दिये**

पुलिस के अनुसार घटना वाल्मीकि कॉलोनी, मालवीय नगर की है। पीड़ित नवीन ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मालवीय नगर थाने में मामला दर्ज करवाया है। एएसआई मुकेश ने बताया कि शुक्रवार देर रात करीब 12:30 बजे नवीन कॉलोनी में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होकर पैदल घर लौट रहा था। इसी दौरान बाइक पर आए दो युवक उसके पास रुके और डराने-धमकाने के बाद जबरन बाइक पर बैठाकर अपने साथ ले गए।बदमाश उसे सुनसान स्थान पर ले गए, जहां डंडों से जमकर मारपीट की गई। इसके बाद आरोपियों ने उसके गले से सोने की चेन, हाथ का ब्रेसलेट, मोबाइल फोन और जूते तक छीन लिए। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घटना के बाद पीड़ित मालवीय नगर थाने पहुंचा और रिपोर्ट दर्ज करवाई। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है।

ग्रामीणों ने भाजपा सरकार की योजनाओं पर अटूट विश्वास जताया : सतीश पूनियां

सतीश पूनियां सीमावर्ती चार जिलों के गांवों में पहुंचे

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में राजस्थान की भाजपा सरकार द्वारा संचालित 'ग्राम विकास रथ अभियान' के अंतर्गत भाजपा हरियाणा प्रभारी एवं भाजपा राजस्थान पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां 7 मई से 9 मई तक बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू जिलों के ग्रामीण अंचलों के प्रवास पर रहे, जहां उन्होंने किसानों, युवाओं एवं मातृशक्ति से संवाद कर मोदी सरकार व राजस्थान भाजपा की भजनलाल सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आव्हान किया।

डॉ. पूनियां निरंतर तीन दिन तक चार जिलों में सुबह से लेकर देर रात गांव-गांव पहुंचकर ग्राम विकास चौपालों में ग्रामीणों के साथ रहे, जहां उन्होंने ग्राम विकास चौपाल व ग्राम विकास रात्रि चौपाल कार्यक्रमों में प्रदेश के सीमावर्ती जिलों के गांवों में भाजपा सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की धरातल की जानकारी लेने के साथ-साथ समस्या समाधान के लिये ग्रामीणजनों से सुझाव भी लिये।

डॉ. पूनियां ने बीकानेर के खाजूवाला, श्रीगंगानगर के चूनावढ, बनवाली-सादुलशहर, 18 जीजी गोविंदपुरान, हनुमानगढ़ के संगरिया क्षेत्र में शेरेकां, मैनावाली, सुजानगढ़ (चूरू) के लुहारा गांव में ग्रामवासियों से

सतीश पूनियां ने मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं पर ग्रामीणों से संवाद किया ।

मुलाकात एवं संवाद कर केन्द्र की मोदी सरकार व प्रदेश की भाजपा सरकार की जनहितकारी योजनाओं के लाभार्थियों से मुलाकात की, साथ ही ग्रामीणों की समस्याओं को सुना, उनके समाधान का प्रयास किया और राज्य सरकार तक भी उन सुझावों को पहुंचाने का प्रयास किया।

उन्होंने कहा कि, ग्राम विकास अभियान राजस्थान के गांवों-ढाणियों को सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। केन्द्र की नरेन्द्र मोदी सरकार व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों को ग्रामीणों के समक्ष विस्तार से रखा।

डॉ. सतीश पूनियां ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन व मजबूत नेतृत्व में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान की भाजपा सरकार गांव, गरीब, किसान और युवा वर्ग के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने कहा कि 'ग्राम रथ अभियान' केवल योजनाओं का प्रचार नहीं, बल्कि सरकार और जनता के बीच सीधे संवाद का सेतु है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि हर पात्र व्यक्ति

■ **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांवों तक पहुंचाने में जुटी भाजपा की भजनलाल शर्मा सरकार : डॉ.सतीश पूनियां**

तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे और कोई भी वंचित न रहे।

उन्होंने मोदी सरकार द्वारा किसानों, महिलाओं और युवाओं के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए ग्रामीणों से इन योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने का आव्हान किया।

डॉ. पूनियां ने कहा कि, ग्राम विकास चौपाल अभियान के माध्यम से आमजन तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना और गांवों की हर आवाज को राज्य सरकार तक पहुँचाने के लक्ष्य के साथ यह अभियान प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों तक संचालित किया गया, जिससे ग्रामीण जागरूक बनें और गांव विकसित होकर बुनियादी सुविधाओं के साथ मुख्यधारा में शामिल हों।

बदहाल शिक्षा व्यवस्था को लेकर विरोध किया

जयपुर। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ,राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) ने निरंतर संवाद के बाद भी आवश्यक निर्णय और शैक्षिक एवं विभागीय कार्य समय पर नहीं होने से सरकार और अधिकारियों के विरुद्ध आंदोलन का शंखनाद कर दिया। इसके लिए संगठन ने रविवार को जयपुर में प्रदेश अध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्करणा के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल ने प्रेस वार्ता आयोजित कर आंदोलन की घोषणा की।

प्रदेश में नवीन सरकार के गठन के साथ ही संगठन ने नियमित संवाद और वार्ता कर शिक्षकों की विभिन्न समस्याओं के निराकरण का प्रयास किया। सरकार के दो वर्ष से अधिक के कार्यकाल में भी शिक्षकों के ज्वलंत मुद्दों का समाधान नहीं होने से प्रदेश के लाखों शिक्षकों में आक्रोश व्याप्त है।संगठन ने शिक्षकों की विभिन्न मांगों को लेकर लगातार वार्ता से समाधान के प्रयास किए जिसमें प्रमुख मांगे शिविरा पंचांग में संशोधन,तृतीय श्रेणी सहित सभी संवर्गो के स्थानांतरण, तृतीय श्रेणी शिक्षकों की पदोन्नित,2019 से अब तक क्रमोन्नत सभी विद्यालयों में पदों की वित्तीय स्वीकृति जारी करने एवं स्टाफिंग पैटर्न लागू करने, को सुचारू जारी रखने, तृतीय श्रेणी शिक्षकों और प्रबोधकों की वेतन विसंगति दूर करने, संविदा शिक्षकों को नियमित करने के साथ ही संगठन के मांग पत्र अनुसार सभी मांगों पर त्वरित समाधान की मांग की। लेकिन सकारात्मक परिणाम नहीं मिलने से संगठन ने चरण बद्ध आंदोलन का शंखनाद किया है।प्रदेशाध्यक्ष पुष्करणा ने कहा कि अब संगठन द्वारा 14 मई को खंड स्तर, 29 मई को जिला स्तर , 05 जून को बीकानेर निदेशालय पर संभाग स्तर का धरना एवं प्रदर्शन ,10 जून जयपुर संभाग पर धरना-प्रदर्शन कर ज्ञापन दिया जाएगा।

युवक की मौत

जयपुर। सांगानेर सदर थाना इलाके में रविवार सुबह अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली का टायर फटने से एक्सल पर लगा लोहे का कवर उखड़कर करीब 10 फीट दूर जा रहा युवक के सिर में जा लगा। इस हादसे में युवक का सिर फट गया और उसकी मौके पर ही हालत गंभीर हो गई।हादसे के बाद लहूलुहान होकर सड़क पर गिरे आसपास मौजूद लोगों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल युवक को महात्मा गांधी अस्पताल पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।थानाधिकारी अनिल जैमन ने बताया कि हादसा वाटिका सिटी क्षेत्र में रविवार सुबह 8 बजे हुआ। जहां विनोदी लालपुरा सांगानेर सदर निवासी रोहित धानका (19) वाटिका बस स्टैंड से पैदल जा रहा था। इसी दौरान वाटिका से रिंग रोड की ओर जा रही अवैध बजरी से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली का अचानक टायर फट गया। तेज धमाके के साथ एक्सल पर लगा लोहे का कवर उखड़कर हवा में उछला और रोहित के सिर में जा लगा।

चने की खरीद नहीं होने से किसान आर्थिक घाटा सहन करने को विवश

जयपुर। मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत मानक संचालन प्रक्रिया के द्वारा चने के दाने-दाने की खरीद के प्रावधानों की पालना नहीं होने से राज्य के किसानों को एक क्विंटल चने पर 775 रुपए तक का घाटा उठाना पड़ रहा है। यह स्थिति तो तब है जब डबल इंजन की सरकार में केंद्र में एक राज्य मंत्री, एक राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार तथा दो मंत्री हैं, वहीं राजस्थान में मुख्यमंत्री के अतिरिक्त दो उपमुख्यमंत्री सहित मंत्रीमंडल के 25 सदस्य हैं। दूसरी ओर विपक्ष में भी संसदीय समिति की अध्यक्ष एवं हाई कमान माननीय सदस्य सोनिया राज्यसभा में तथा एक राज्यसभा के माननीय सदस्य सत्तारूढदल राजस्थान के अध्यक्ष है। यद्यिप लोकसभा एवं विधानसभा के अध्यक्ष प्रत्यक्ष राजनीति से विलग माने जाते हैं तो भी वे दोनों राजस्थान मूल के ही है। यानि 235 जनप्रतिनिधि होने के उपरांत भी किसानों के हितों का संरक्षण नहीं है। इन सभी माननीय सदस्यों को किसानो की ओर से ज्ञापन प्रेषित कर अपनी पीड़ा से अवगत कराया हुआ है।

वर्ष 2024- 25 तक 3 वर्षों के औसत आकलन के अनुसार देश के कुल उत्पादन में 78.2 प्रतिशत चने का उत्पादन मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान एवं गुजरात में होता है। मार्गदर्शिका के अनुसार नेफेड एवं एनसीसीएफ को दाने-दाने की सीधी खरीद का दायित्व सौंपा हुआ है, उसके अंतर्गत मध्य प्रदेश में 46, महाराष्ट्र में 55, गुजरात में 43 खरीद केंद्र संचालित है जबकि राजस्थान में अजमेर जिले के किशनगढ़ में एक ही खरीद केंद्र शुरू हुआ था, वहां भी जिनका पंजीयन राजफेड में हो गया,उन किसानों से खरीद नहीं की गई।

इस बार खरीद के लिए दो विकल्प उपलब्ध कराए गए, जिनमें राज्यों की एजेंसियों को खरीद का प्रशिक्षण लक्ष्य निर्धारित किया गया था, उनमें अब तक की खरीद में महाराष्ट्र 8,19,882 टन खरीद की ओर बढ़ते हुए प्रथम स्थान पर है, मध्य प्रदेश एवं गुजरात की स्थिति भी संतोषजनक है। मध्य प्रदेश में खरीद केंद्रों की संख्या 3,627 है, उसकी तुलना में राजस्थान का क्षेत्रफल बड़ा होते हुए भी खरीद केंद्रों की संख्या 773 है, 30 अप्रैल तक इनमें से 261 केंद्रो पर खरीद शून्य दर्शी है दर्शायी हैं।

'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का राज्य स्तरीय आयोजन आज

जयपुर । सोमनाथ मंदिर पर हुए प्रथम आक्रमण के 1000 वर्ष तथा मंदिर के पुनर्निर्माण के 75 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में कला एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार 11 मई को देशव्यापी स्तर पर 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाया जाएगा।

देवस्थान विभाग के आयुक्त लक्ष्मी नारायण मंत्री ने बताया कि सोमवार को प्रातः सोमनाथ मंदिर, गुजरात में माननीय प्रधानमंत्री जी की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हो रहे राष्ट्रीय कार्यक्रम 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' का सीधा प्रसारण किया जाएगा।

आयुक्त देवस्थान विभाग लक्ष्मी नारायण मंत्री ने बताया कि कला एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार और कला, साहित्य, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, राजस्थान सरकार तथा

आयुक्त देवस्थान विभाग लक्ष्मी नारायण मंत्री ने जायजा लिया।

देवस्थान विभाग, राजस्थान सरकार के संयुक्त तत्वावधान में उक्तानुसार 11 मई (सोमवार) को झारखंड महादेव मंदिर, जयपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके साथ ही प्रदेश के 41 जिलों के प्रमुख शिवालयों में भी विशेष आयोजन होंगे।

आयुक्त देवस्थान विभाग ने बताया कि झारखंड महादेव मंदिर, जयपुर में 11 मई (सोमवार) को प्रातः सांस्कृतिक प्रस्तुति का आयोजन होगा जिसमें शिव स्तुति एवं भजन गायन से कार्यक्रम का शुभारंभ होगा। कार्यक्रम में माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के का आगमन पर उनका स्वागत किया जाएगा। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उक्त राज्यस्तरीय कार्यक्रम में श्रद्धालुओं को संबोधित करेंगे।

उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान कलश यात्रा निकाली जाएगी। भगवान शिव के विशेष दर्शन, शृंगार एवं पूजा-अर्चना की जाएगी।

कार्यक्रम पश्चात सामूहिक महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। कला एवं संस्कृति विभाग की शासन सचिव शुचि त्यागी ने बताया कि संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देशानुसार देवस्थान विभाग तथा कला, साहित्य, संस्कृति विभाग, राजस्थान सरकार सोमनाथ मंदिर के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व को जन-जन तक पहुँचाने के लिए 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' को गरिमामय एवं सफल रूप से आयोजित करने हेतु जिला प्रशासन के सहयोग उक्त कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है।

मदर्स डे पर जयपुर विमेन फेस्टिवल के पहले चैप्टर की शुरुआत

जयपुर। मदर्स डे के अवसर पर इंदिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान (आईजीपीआरएस) और एक निजी फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर में जयपुर विमेन फेस्टिवल के पहले चैप्टर का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया।

■ **कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को जागरूकता, संवाद एवं प्रेरणा का मंच प्रदान करना रहा**

कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं को जागरूकता, संवाद एवं प्रेरणा का मंच प्रदान करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नीरज के. पवन, महानिदेशक, आईजीपीआरएस ने कहा कि आज जयपुर विमेन फेस्टिवल का पहला अध्याय शुरू हुआ है। राज्य के सभी विभाग महिलाओं आर्थिक, सामाजिक और स्वास्थ्य आदि विभिन्न मुद्दों के लिए काम कर रहे है और राज्य सरकार महिलाओं के प्रत्येक स्तर पर विकास के लिए समर्पित है।

फेस्टिवल के दौरान महिला स्वास्थ्य एवं फाइनेंशियल एम्पावरमेंट विषयों पर विशेष पैनल डिस्कशन आयोजित किया गया। चर्चा में महिलाओं के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य, पोषण, मातृत्व, स्वास्थ्य जागरूकता, आर्थिक आत्मनिर्भरता, वित्तीय साक्षरता एवं सामाजिक व्यवहार परिवर्तन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

विशेषज्ञों एवं वक्ताओं ने कहा कि आज महिलाओं का स्वास्थ्य और आर्थिक रूप से सशक्त होना दोनों समान रूप से आवश्यक हैं। महिलाओं को अपने स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के साथ-साथ वित्तीय निर्णयों में भी आत्मनिर्भर बनने की जरूरत है।

सार-समाचार

''एक शाम माँ के नाम'' में छलका ममता का सागर

जयपुर ।'मदर्स डे के पावन अवसर पर जयपुर के जय क्लब में आयोजित ''एक शाम माँ के नाम''-सीजन 3 कार्यक्रम ने संगीत, संवेदना और समाजसेवा का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। वीणा माँ म्यूजिक के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम ने उपस्थित दर्शकों को भावनात्मक रूप से अभिभूत कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं गौरी सक्सेना द्वारा प्रस्तुत गणेश वंदना से हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. निशा माथुर द्वारा किया गया। संस्था के निदेशक रितेश श्रीवास्तव, संस्थापक प्रशंसा श्रीवास्तव एवं सह-निदेशक राजीव श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में बताया कि ''एक शाम माँ के नाम'' का उद्देश्य केवल संगीत प्रस्तुति तक सीमित नहीं है, बल्कि माँ के निःस्वार्थ प्रेम और संस्कारों को समाज में जीवित रखना है। यह कार्यक्रम नई पीढ़ी को माँ के महत्व से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास है। कार्यक्रम में शहर के अनेक प्रतिभाशाली कलाकारों-मनोज चावला, पंकज लीला, संजय सक्सेना, मनीष वर्मा, मनीष गोयल, संजीव जैन, देवेन सिन्हा, शैलेन्द्र माथुर, राजेन्द्र सिंह भाटी, सपना श्रीवास्तव, शेखर श्रीवास्तव, निशा राव, मुकेश सक्सेना, सुरेखा मितल, नीतू सिन्हा, निकेश खण्डेलवाल, कमलेश उपाध्याय, गजेन्द्र सोनी, रश्मि श्रीवास्तव, सुरेन्द्र बीजावत, रीना बरारा, डॉ. रवि माथुर, अक्क्षा श्रीवास्तव, रणवीर सिंह, वान्या श्रीवास्तव, तनिष्क श्रीवास्तव, पूजा जैन, राजीव श्रीवास्तव, संजीव भारद्वाज, महीमा सक्सेना, रवीन्द्र शर्मा, संध्या सक्सेना, चेताली गौड, बादल सोनगरा, ऊमा श्रीवास्तव, रजनी शर्मा, अंजु सुखीजा, प्रतिमा श्रीवास्तव, मंजू महेश्वरी, उर्मिला खण्डेलवाल, गौरी थावरानी, रितेश श्रीवास्तव, प्रशंसा श्रीवास्तव, संजय भटनागर, परेश श्रीवास्तव-ने अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम को यादगार बना दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उद्योगपति अतुल कुमार गुप्ता, अति विशिष्ट अतिथि गौरव गुप्ता, विशिष्ट अतिथि महेश शर्मा, संगीत थॉमस, मिस प्रमिला बेदी, कविता सक्सेना, विकास असोपा सहित अनेक गणमान्य अतिथि एवं संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की सफलता में रजनी बेदी, मुकेश सक्सेना, भानु भारद्वाज, संजय सक्सेना, अनुपम सक्सेना, अतुल श्रीवास्तव, सुनीता शर्मा, पूनम संजुदा, परेश, प्रीति, वैशाली, अर्पणा, सुधीर, शेखर, सपना, पारूल, प्रवीण का विशेष योगदान रहा।

एसबीआई बैंक कर्मचारियों की 25-26 मई को देशव्यापी हड़ताल

जयपुर/ निवाई। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारी 16 सूत्रीय मांगों को लेकर 25 व 26 मई को दो दिवसीय देशव्यापी हड़ताल पर रहेंगे, जिससे आमजन को बैंकिंग सेवाओं में भारी असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। हड़ताल से पहले शनिवार व रविवार का साप्ताहिक अवकाश होने के कारण लगातार चार दिनों तक बैंकिंग कार्य पूरी तरह प्रभावित रहेगा, जिसका सीधा असर पैसों के लेनदेन और अन्य जरूरी बैंक सेवाओं पर पड़ेगा। एसबीआईएसए के क्षेत्रीय सचिव गौरव कुमार गौतम ने बताया कि ऑल इंडिया स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ फेडरेशन के आ ान पर प्रस्तावित इस हड़ताल को लेकर यूनियन के प्रदेश पदाधिकारी अजात शत्रु व प्रदेश महासचिव भवानीसिंह सोलंकी ने बैंक प्रबंधन पर द्विपक्षीय समझौतों के लगातार उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। यूनियन पदाधिकारियों का कहना है कि बैंक में कर्मचारियों की भारी कमी, ग्राहकों की सुरक्षा व स्थायी कार्यों के आउटसोर्सिंग जैसे गंभीर मुद्दों पर लंबे समय से अनदेखी की जा रही है। यूनियन के मुताबिक पिछले 29 वर्षों से बैंक में मैसेंजर की भर्ती नहीं हुई है, जिससे क्लेरिकल स्टाफ को अतिरिक्त जिम्मेदारियां निभानी पड़ रही हैं और क्लर्क की घटती भर्तियों से दबाव बढ़ता जा रहा है, जबकि सशस्त्र गाडर्स की आखिरी भर्ती भी वर्ष 2022 में हुई थी। एटीएम चोरी और बैंक डकैती के बढ़ते प्रयासों के बीच सुरक्षा कर्मियों की कमी को यूनियन ने बैंक संपत्ति और ग्राहकों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताया है। इसके साथ ही यूनियन ने यह भी आरोप लगाया कि वित्त मंत्रालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद भी एसबीआई कर्मचारियों को एनपीएस के तहत पेंशन फंड मैनेजर चुनने का विकल्प प्रदान नहीं किया जा रहा है। इस आंदोलन के रोडमैप के तहत 8 व 11 मई को जिला मुख्यालयों पर मौन धरना प्रदर्शन किया जाएगा, जिसके बाद 18 मई को सभी जोनल व प्रशासनिक कार्यालयों पर धरना, 22 मई को कैंडल मार्च और 25-26 मई को पूर्ण अखिल भारतीय बैंक हड़ताल की जाएगी।

होमगार्ड स्वयंसेवक नामांकन प्रक्रिया की अन्तरिम चयन सूची जारी

जयपुर। गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र, जयपुर में होमगार्ड स्वयंसेवकों हेतु आयोजित नामांकन प्रक्रिया की अन्तरिम चयन सूची जारी कर दी गई है। अभ्यर्थी चयन सूची विभागीय वेबसाइट तथा गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र जयपुर कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देख सकते हैं। कमाण्डेंट, गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र, जयपुर विकास लाम्बा ने बताया कि चयनित अभ्यर्थियों का पुलिस सत्यापन एवं मेडिकल बोर्ड द्वारा चिकित्सीय परीक्षण करवाया जाएगा। इस क्रम में चयन सूची में क्रम संख्या 1 से 135 तक अंकित अभ्यर्थियों को 13 मई 2026 तथा क्रम संख्या 136 से 269 तक अंकित अभ्यर्थियों को 14 मई 2026 को गृह रक्षा प्रशिक्षण केन्द्र जयपुर पर उपस्थित होना होगा। अभ्यर्थियों को अपने साथ मूल आधार कार्ड, मूल निवास प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र एवं दो पासपोर्ट साइज फोटो लाना अनिवार्य होगा। उन्होंने कहा कि अनुपस्थिति की स्थिति में अभ्यर्थियों को चयन प्रक्रिया से वंचित किया जा सकता है। उल्लेखनीय है कि यह नामांकन प्रक्रिया 16 मार्च 2026 से 04 अप्रैल 2026 तक केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान, गृह रक्षा राजस्थान, फतेहपुरा बेगस, जयपुर में आयोजित की गई थी।

एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाली महिला गिरफ्तार

जयपुर। एयरपोर्ट थाना पुलिस ने जयपुर एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए एक महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला लोगों से रुपए लेकर फर्जी एंट्री कार्ड और पास बनाकर नौकरी दिलाने का झांसा देती थी।

पुलिस ने उसके कब्जे से चार फर्जी कार्ड, करीब तीस लोगों के आधार कार्ड और आवेदन फॉर्म बरामद किए हैं। फिलहाल पुलिस पूछताछ करने में जुटी है।पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि एयरपोर्ट थाना पुलिस ने जयपुर एयरपोर्ट पर नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह की शातिर महिला किरण सैनी निवासी पिलानी जिला झुंझुनूं हाल श्रीनाथ जगतपुरा जयपुर को गिरफ्तार किया। आरोपी महिला एआईएएसएल ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी के कार्ड को गूगल जैमिनी और एआई एप की मदद से

किरण सैनी

एडिट कर रंगीन फर्जी कार्ड तैयार करती थी।

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अब तक करीब 30 से अधिक लोगों से जयपुर एयरपोर्ट पर नौकरी लगवाने के नाम पर लगभग 9 से 10 लाख रुपए की ठगी कर चुकी है। आरोपी पूर्व में एआईएएसएलकंपनी

■ **पुलिस ने आरोपी महिला से उसके कब्जे से चार फर्जी कार्ड, करीब तीस लोगों के आधार कार्ड और आवेदन फॉर्म बरामद किए**

में जयपुर एयरपोर्ट पर कार्य भी कर चुकी है, जिसका फायदा उठाकर वह लोगों को भरोसे में लेती थी।

थाना प्रभारी रूपनारायण ने बताया कि 8 मई 2026 को एयरपोर्ट थाना जयपुर पूर्व में फर्जी नौकरी लगवाने के नाम पर ठगी की शिकायत दर्ज हुई थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई और पुलिस टीम गठित की गई। टीम में रामलाल, मोहनलाल और अमित शामिल रहे। पुलिस अब इस मामले में शामिल अन्य लोगों के बारे में पूछताछ कर रही है।

''बज़्मे- अदब'' ने 55 वें वर्ष में प्रवेश किया

अप्रैल के द्वितीय रविवार को आयोजित ''बज़्मे-क़मर'' के साहित्यकार सम्मान समारोह के शुभ अवसर पर उपस्थित श्रोताओं की आश्चर्य मिश्रित खुशी का उस समय ठिकाना नहीं रहा, जब मंच से बताया गया कि साहित्यि संस्था ''बज़्मे- क़मर'' 55 वें वर्ष में प्रवेश कर गई है।

इस अर्ध-प्रधान युग में, जब साहित्य हाशिये पर पहुँच गया है, उर्दू भाषा के प्रचार-प्रसार एवं साहित्य -सृजन को पूरी तरह समर्पित इस साहित्यिक संस्था का निरन्तर सफल संचालन अपने आप में एक मिसाल है। इतने लम्बे समय तक अनवरत रुप से सफलतापूर्वक संचालित इस संस्था और इसके संस्थापक मौलाना क़मर जयपुरी के बारे में और अधिक जानकारी प्राप्त करने की जिज्ञासा होना स्वाभाविक ही था।

मौलाना क़मर वाहिदी की 104 साला ज़िन्दगी के बारे में राजस्थान उर्दू अकादमी की जुलाई, 1991 की पत्रिका से मिली जानकारी संक्षेप में इस प्रकार है- मौलाना क़मर वाहिदी जयपुर में पैदा हुये और यहीं सुपुर्दे ख़ाक हुये। 22 साल सरकारी शिक्षक रहे।

1947 की अफ़रा-तफ़री में जब उर्दू का कोई विद्यार्थी नहीं रहा तो आपको पद-मुक्त कर दिया गया। उस समय के अंग्रेज अफसर ने कहा कि आप पी.एफ. का पैसा नक़द ले लो, माहौल खराब है, पता नहीं आप ज़िन्दा रहो, न रहो या पाकिस्तान चले जाओ, तो मौलाना ने तुरन्त जवाब दिया कि आप तो पेन्शन दीजिये। मैं हिन्दुस्तान में पैदा हुआ हूँ, यहीं सुपुर्दे-ख़ाक हूँगा, और मुझे यह भी विश्वास है कि मैंने 22 साल सर्विस की है, इससे डबल, यानी 44 साल पेंशन लूँगा। और समय गवाह है कि हुआ भी यही।

इसी अंग्रेज़ अफसर ने मौलाना क़मर से स्कूल के बच्चों के लिये दुआ लिखवाई, जो 1947 तक सरकारी स्कूलों में पढ़ी जाती थी। उस दुआ की चार पंक्तियाँ देखें-

''ऐ जग के गुरु सबसे पहले हम नाम न लें क्यों कर तेरा
संसार की रचना तूने रची परलोक भी इक मंज़र तेरा
तू मालिक है हम बालक हैं तुझसे ये विनती करते हैं
शिक्षित कर दे तू हम सबको संसार में हिन्द का नाम करें''

मौलाना क़मर ने अपनी मृत्यु से दो माह पहले ये कहा था कि अब मेरा वक़्त आ रहा है, शाबान के पहले हफ्ते में मुझे हक़ीक़ी महबूब के पास जाना है, और यह ही हुआ, शाबान माह की 7 तारीख को आप दुनिया से रुख़सत हो गये।

उर्दू अकादमी की इस पत्रिका में मौलाना के जीवन की कई प्रेरक और मज़ेदार घटनाएं दी गई हैं, जिनमें से एक छोटी-सी घटना इस प्रकार है- जब डॉ. सम्पूर्णानन्द जी राजस्थान के राज्यपाल थे, मौलाना क़मर ने गवर्नर हाउस में आयोजित एक मुशायरे में जब यह शेर पढ़ा-

''लगी जिसके मुँह छुट सकी फिर न उससे
क़मर कितनी मीठी है उर्दू ज़बाँ भी

तो राज्यपाल महोदय ''वाह, वाह'' कहते हुये उठ खड़े हुये, मौलाना को गले लगाया और बोले, मौलाना, मैं तो समझा था कि आप शराब का ज़िक्र कर रहे हैं, लेकिन आपने तो दूसरे मिसरे में रंग ही बदल दिया। और फिर राज्यपाल इस शेर को दुहराते-तिहराते रहे।

मौलाना क़मर उर्दू, फ़ारसी और अरबी के जबरदस्त विद्वान थे। पूर्व मुख्यमंत्री स्व. भैरों सिंह शेखावत ने जब राजस्थान उर्दू अकादमी की स्थापना की, तो मौलाना को ही उसका प्रथम अध्यक्ष बनाया। क़मर साहब ने बहुत सी पुस्तकें लिखीं, जिनमें से प्रमुख हैं- मजमुआ नात शरीफ़, मसनवी तारीख़े-जंगे -आज़ादी, मजमुआ गज़लयात, तारीखी क़तआत, शीशा-ए- दिल आदि।

क़मर साहब के शागिर्दों की गिनती कर पाना आसान नहीं है, कुछ नाम इस प्रकार हैं- फ़रहत, शमीम, कैफ़ी, राजेश कुमार राज, अंजुम, अफ़ज़ल, फ़रीद, इनाम शरर, अज़ीज़। ये सभी अपने नाम के साथ अय्युबी लगाते हैं।

मौलाना क़मर ने 1972 ''बज़्मे-क़मर'' की स्थापना की, जिसका उद्देश्य उर्दू भाषा और साहित्य को प्रोत्साहित करना था। यह संस्था माह के दूसरे रविवार को घाटगेट बाजार स्थित क़मर चौक में मासिक नशिस्त आयोजित करती है तथा हर साल तीन साहित्यकारों को अवार्ड देती है- क़मर अवार्ड, हसीन कौसरी अवार्ड और सिद्दीक अवार्ड। वर्ष 2026 का क़मर अवार्ड प्रेम पहाड़पुरी को, हसीन कौसरी अवार्ड ताहिर जमाली को तथा सिद्दीक कव्वाल अवार्ड अब्दुल सलाम जलीली को दिया गया।

23.02.1991 को मौलाना क़मर वाहिदी (जन्म 1.12.1888) के परलोक-गमन के बाद उनके सुपुत्र जनाब एफ ए.नज़र और सुपौत्र हाकिम अय्युबी, जो दोनों ही जाने-माने शायर हैं, जिस मनोयोग से इस संस्था को संचालित कर रहे हैं, वह काबिले-तारीफ़ है।

-शकील आदिल

Learning To Lead With Humility: World Ego Awareness Day

Observed on May 11, World Ego Awareness Day encourages people to reflect on how ego shapes behaviour, relationships and decision-making. The day highlights the importance of balancing confidence with humility, reminding individuals that unchecked ego can lead to conflicts, stress and poor communication. Psychologists often emphasise self-awareness, empathy and active listening as tools to keep ego in check. In workplaces and personal life alike, learning to acknowledge mistakes and value others' perspectives can strengthen connections and improve well-being. World Ego Awareness Day serves as a reminder that true growth comes not from proving we are always right, but from staying open to learning and change.

#CONSERVATION

The Night Parrot Returns

The night parrot has made a surprising comeback, raising questions about the resilience of species on the brink of extinction

The night parrot is one of Australia's most enigmatic and elusive bird species. Known for its ghostly nocturnal habits and long period of presumed extinction, the story of the night parrot's return is nothing short of remarkable. For decades, the bird was considered lost to science, a victim of habitat destruction, hunting, and the encroachment of modern development. However, in recent years, the night parrot has made a surprising comeback, offering hope to conservationists and raising questions about the resilience of species on the brink of extinction.

A Forgotten Bird

The night parrot was once widely distributed across the interior of Australia. It was a nocturnal species, primarily active at night and living in the vast, arid landscapes of the country's deserts. The bird's elusive nature, coupled with its preference for remote, rugged environments, made it difficult to study, and over time, it disappeared from the public eye.

The last confirmed sighting of a night parrot in the wild was in the 1910s, and by the mid-20th century, many believed the bird had been driven to extinction. Researchers and birdwatchers alike began to search for any trace of the species, but despite numerous expeditions into remote parts of Australia's interior, no conclusive evidence of the bird's existence emerged.

The Return

In 1990, the first hint of the night parrot's possible survival came when a single bird was reportedly sighted in western Queensland. However, it wasn't until 2013 that the parrot's return to the world of scientific knowledge was confirmed. In that year, a team of researchers from the Australian National Wildlife Collection reported the discovery of a night parrot in the remote northern part of South Australia's arid desert region.

The discovery of the night parrot's return sent shockwaves through the global conservation community. It was a moment of triumph, showing that even the most elusive species could survive in isolated pockets of their natural habitat.

A Story of Survival

The night parrot is a bird built for survival. Despite living in some of the harshest conditions on earth, it has adapted to the vast Australian deserts, relying on its keen sense of hearing and ability to navigate in the dark to find food and avoid predators. The species is small, with olive-green plumage and distinctive yellow markings, which help it blend into the dry, scrubby terrain it inhabits. Its diet primarily consists of seeds from grasses and shrubs, which it forages for during its nocturnal activities.

While the discovery of the night parrot was a cause for celebration, the challenges facing its continued survival are immense. The bird's habitat is fragile, and much of it has been altered by grazing, mining, and the introduction of invasive species such as cats and foxes. As a result, night parrots are vulnerable to predation and habitat loss, making their continued existence uncertain.

Conservation Efforts

Since the rediscovery of the night parrot, conservationists have worked tirelessly to protect the species and its habitat. Several initiatives have been launched to safeguard the bird's future, including habitat restoration projects, targeted predator control programs, and intensive monitoring efforts. Researchers have used a combination of remote cameras, audio equipment, and GPS tracking devices to track the movements and behaviour of the night parrot, gaining valuable insights into its habits and preferences.

A Symbol of Hope

The return of the night parrot serves as a powerful symbol of resilience and hope. It demonstrates that, even in an era of rapid environmental degradation and climate change, species can recover if given the right conditions. It also highlights the importance of community engagement and cooperation in conservation efforts, as well as the need for long-term planning and investment in biodiversity protection.

Bateshwar shrines' towers ruins.

The Archaeologist Who Negotiated with History

Saarc Award, KK Muhammed.

Bateshwar shrines' towers.

The restoration of these temples, however, wasn't an easy task. Bateshwar, located near the Chambal Valley, was infamous for being a haven for dacoits (bandits). But the dacoits' hostile environment did not deter Muhammed. His strategy was clear: preservation and negotiation. Muhammed, with his unyielding determination, successfully negotiated with local communities and even the dacoits, ensuring that these treasures of history were saved from further destruction.

● Bulbul Joshi

Karingamannu Kuzhiyil Muhammed (born 1 July 1952) is an archaeologist who served as the Regional Director (North) of the Archaeological Survey of India (ASI). He is credited for the discovery of Ibadat Khana, as well as various prominent Buddhist Stupas and Monuments. During his career, he undertook the restoration of the Bateshwar Complex, successfully convincing naxal insurgents and dacoits to cooperate, as well as facelift and restoration of the Dantewada and Bhojeshwar temples.

But K.K. Muhammed is not just an archaeologist, he is a man who redefined the very meaning of preserving history. Known as the "Man of Monuments," this former Regional Director (North) of the Archaeological Survey of India (ASI) dedicated his life to unearthing and preserving India's rich cultural heritage. What sets him apart from other archaeologists is his unique approach, Muhammed didn't merely study history; he negotiated with it, often navigating through some of India's most perilous terrains and volatile political environments to protect our civilization's soul.

Bateshwar temple towers facade.

Bateshwar temples' ruins.

Muhammed's career spans several decades and countless archaeological sites, some of which were in locations so dangerous that few would even think of attempting to restore them. His work is a testament to the fact that history isn't just preserved in the past, but often fought for in the present.

Legendary Work in Bateshwar: Mission Impossible

One of Muhammed's most celebrated contributions was in Bateshwar, a town in Uttar Pradesh. Here, he undertook one of the most daunting restoration projects in Indian history. Bateshwar was home to a cluster of ancient temples, many of which had been vandalized and destroyed over the centuries. At the time, the site was in a state of neglect and decay, but K.K. Muhammed's perseverance turned it into a shining example of archaeological success.

The restoration of these temples, however, wasn't an easy task. Bateshwar, located near the Chambal Valley, was infamous for being a haven for dacoits (bandits). But the dacoits' hostile environment did not deter Muhammed. His strategy was clear: preservation and negotiation. Muhammed, with his unyielding determination, successfully negotiated with local communities and even the dacoits, ensuring that these treasures of history were saved from further destruction.

#K.K. MUHAMMED

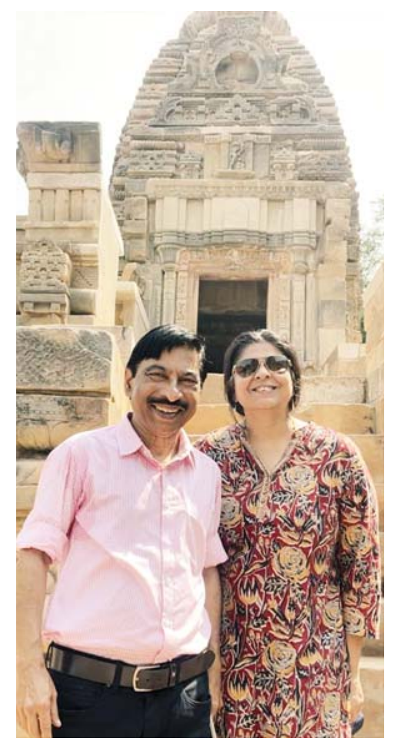

Bateshwar, KKM Sir.

Bateshwar temple facade.

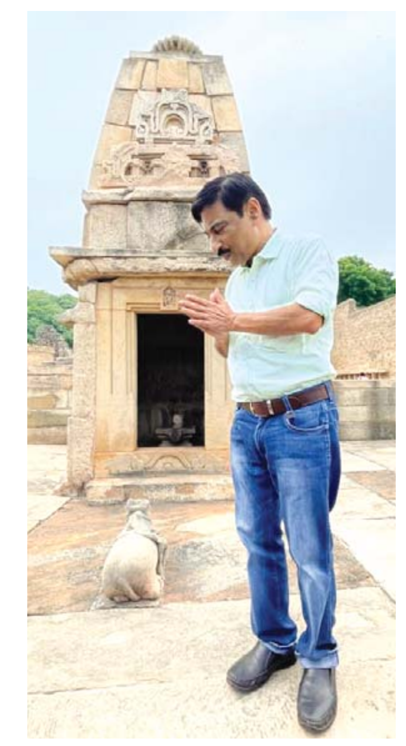

Bateshwar KKM Sir.

Bateshwar dacoit.

Bateshwar gun pose.

Beyond the Chambal Valley: Negotiating with Naxals

But Muhammed's achievements didn't stop there. He worked in some of the most dangerous regions of India, areas marked by insurgency, where conventional archaeological methods and approaches were often impossible.

Before his time in Bateshwar, Muhammed had ventured deep into Chhattisgarh, one of the epicenters of Naxal insurgency in India. Specifically, he traveled to Dantewada, a hotbed of conflict and violence, to restore the ancient Barsoor and Samlur temples. Engaging with Naxal insurgents, Muhammed demonstrated that heritage could be a powerful bridge even in the most turbulent zones. By negotiating with Naxals, he was able to convince them of the value of preserving their cultural history, allowing him to successfully restore these ancient temples in the heart of one of India's most hostile regions.

The Ayodhya Evidence: A Controversial Discovery

In 1976, Muhammed became a crucial member of the excavation team at the controversial Babri Masjid-Ram Janmabhoomi site in Ayodhya. While the excavation team was uncovering the layers of history beneath the mosque, Muhammed made an important discovery: pillars with Hindu symbolism, specifically Ashtamangala signs, which were identified as being integral to Hindu temple architecture.

For decades, Muhammed stood firm on his findings, despite the political storm that engulfed the site in the years to come. His statement that Hindu symbolism was found at the site was met with considerable skepticism by many, but K.K. Muhammed's resolve remained unshaken. His discovery added significant evidence to the long-running debate and has been referenced in archaeological discussions ever since.

The Discovery of Ibadat Khana: A Monument of Religious Unity

Muhammed's ability to uncover history in its multifaceted dimensions is further demonstrated in his discovery of the Ibadat Khana (House of Worship) at Fatehpur Sikri. This was the place where Emperor Akbar, the Mughal emperor known for his policy of religious tolerance, initiated interfaith dialogues and laid the foundations for his Din-e-Ilahi, a syncretic religion that sought to unite people of various faiths.

The Ibadat Khana is significant not just as a historical site but as a symbol of Akbar's attempts to bridge the gap between different religious communities during a time of significant political and social tension. Muhammed's unearthing of this monument added another layer to our understanding of the Mughal emperor's vision for religious unity and dialogue.

Buddhist Resurrections: Reviving Ashoka's Legacy

One of the key highlights of Muhammed's career has been his contributions to the revival of India's Buddhist heritage. He is credited with excavating the Kesaria Stupa, an ancient Buddhist monument built by Emperor Ashoka during the 3rd century BCE. This monumental stupa had long been buried under layers of earth and history, but through Muhammed's painstaking efforts, it was brought back to life. Additionally, he contributed to excavations at significant Buddhist sites in Rajgir and Vaishali, both of which are critical to understanding the deep roots of Buddhism in India. His work shed light on the profound Buddhist history of the Indian subcontinent, bringing the legacy of Ashoka and Buddhism back into the spotlight.

The Replica Museum: Making Art Accessible to All

K.K. Muhammed's contributions were not limited to excavations and restorations alone; he also understood the importance of making history accessible to the public. To this end, he conceived the Replica Museum in Delhi, which houses life-sized copies of India's greatest stone sculptures and artifacts. This museum serves a dual purpose: it makes the treasures of India's heritage accessible to a wider audience and allows people to "touch" history, an experience that is otherwise impossible in most archaeological sites. For this, Muhammed also successfully conceived and executed the idea of building Replica Museum, Delhi, which showcases replicas of Indian statues and stone-carved sculptures.

By making these replicas, Muhammed gave people a chance to engage with art and history in a tangible way, bridging the gap between the past and present for a diverse public.

Restoration Method: Using Gravity, Not Bricks and Mortar

A hallmark of Muhammed's restoration approach is his use of gravity as the primary method of preservation. Unlike conventional restoration methods that often rely on bricks and mortar, which can sometimes distort or damage the original structure, Muhammed advocated for a more natural and respectful method of restoration. By carefully realigning stones and structures using the forces of gravity and employing minimal intervention, Muhammed ensured that the authenticity of the monuments was preserved. This approach allowed the structures to remain true to their original design while ensuring their stability for future generations. It was a philosophy of restoration that not only respected the material integrity of the monument but also the cultural significance it held.

Recognition and Legacy

In 2019, K.K. Muhammed was awarded the Padma Shri in recognition of his unparalleled contributions to the field of archaeology and heritage preservation. His career, which reads like a series of "mission impossibles," is a testament to his courage, scientific integrity, and unyielding dedication to preserving India's cultural legacy.

As he often says, "Stones speak to us; we just have to listen." K.K. Muhammed's life's work has not only been about listening to the stones but also about negotiating with history itself, making him a true pioneer in the field of archaeology. His legacy lives on in the temples, stupa, and artifacts he restored, and in the many lives he touched through his remarkable journey.

rajeshsharma1049@gmail.com

Bateshwar temples trio.

Bateshwar Hanuman.

THE WALL

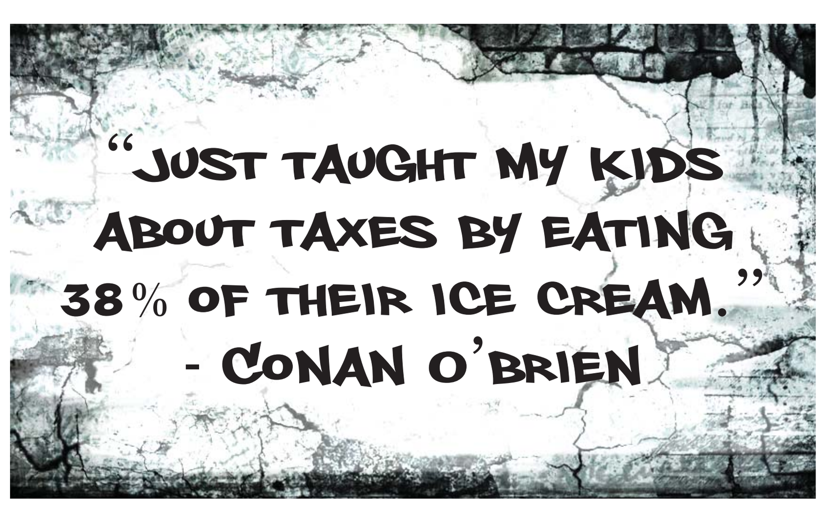

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

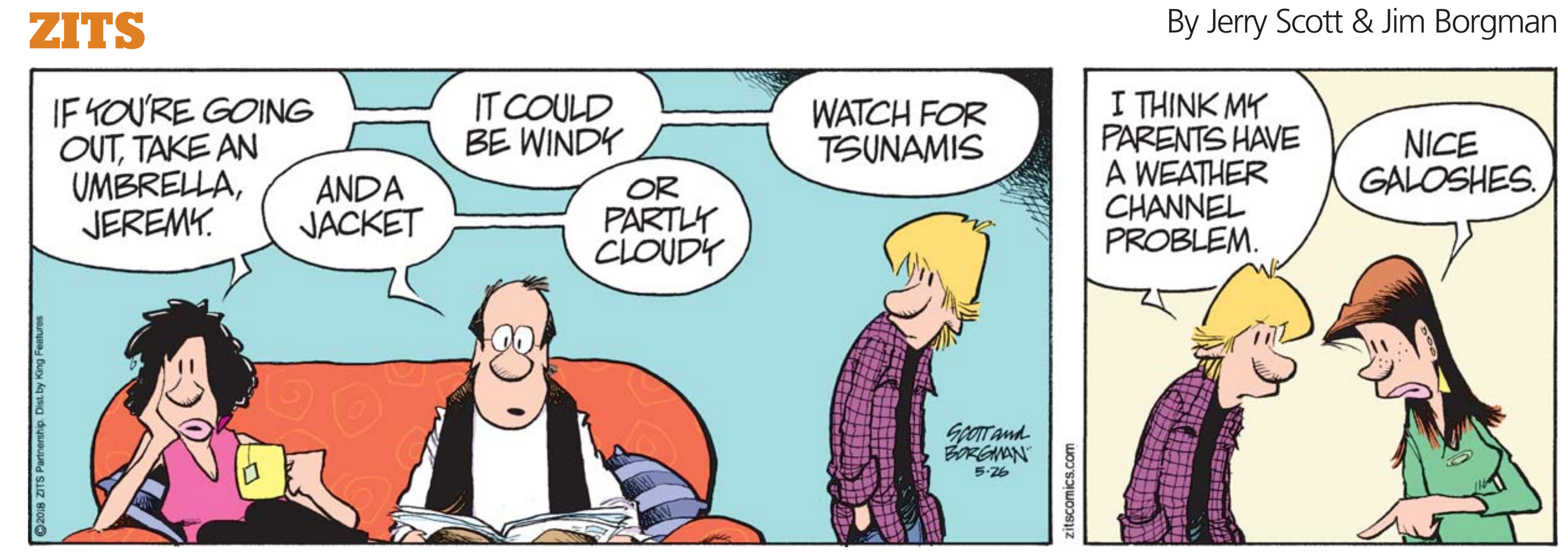

कोटा में अब जे.के. लोन अस्पताल में भी प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने लगी

फिलहाल प्रसूताओं में किडनी फेल्योर जैसे लक्षण के कारणों का पता नहीं चला है

कोटा, (निसं)। कोटा की चिकित्सा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होते जा रहे हैं। हाल ही में कोटा के न्यू मेडिकल कॉलेज अस्पताल में दो प्रसूताओं की मौत और अन्य प्रसूताओं की किडनी फेलियर की शिकायत के बाद अब कोटा के जेके लोन अस्पताल में भी ऐसे मामले सामने आने लगे हैं। मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल में प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने के बाद किडनी फेल्योर के लक्षण सामने आने का मामला सामने आया है। अब इस मामले में दो नए केस भी जुड़ गए हैं। यह दोनों प्रसूता जे.के. लोन अस्पताल से सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में शिफ्ट किए गए हैं।

एक अन्य प्रसूता की डिलीवरी के 12 घंटे के भीतर ही मौत का मामला भी जे.के. लोन अस्पताल में सामने आया है। मामले को अस्पताल प्रबंधन ने कार्डियक से जुड़ी बीमारी बताया है। वहीं एक मरीज में किडनी फेल्योर का लक्षण माना है। ऐसे में अब तक आठ मरीजों में यह लक्षण नजर आए हैं जबकि प्रबंधन ने केवल 7 मरीजों को ही इससे जुड़ा हुआ माना है।

■ **एहतियातन एक अन्य प्रसूता को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के नेफ्रोलॉजी वार्ड में शिफ्ट किया है, उसकी भी हाई रिस्क प्रेगनेंसी थी**

मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. नीलेश जैन का कहना है कि जे.के. लोन से शिफ्ट हुई प्रसूता आरती में किडनी फेल्योर के लक्षण हैं जबकि दूसरा केस (पिंकी) सीरियस होने से शिफ्ट किया गया है। इसके साथ ही प्रसूता प्रिया की मौत का मसला कार्डियक से जुड़ा हुआ है। केवल 6 प्रसूता पहले आई थी जिनमें दो की मौत हुई है। जे.के. लोन अस्पताल से एक ही प्रसूता आरती में लो बीपी, यूरिन पास नहीं होना और प्लेटलेट्स डाउन होने की समस्या थी। उसकी भी किडनी फेल्योर के लक्षण हैं। जिस प्रसूता प्रिया की मौत की बात कही जा रही है वह किडनी फेल्योर के लक्षण से नहीं है। उसकी कार्डियक अरेस्ट से मौत हुई है। एहतियातन एक अन्य प्रसूता पिंकी को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के नेफ्रोलॉजी वार्ड में शिफ्ट किया है। उसकी भी हाई रिस्क प्रेगनेंसी थी। फिलहाल प्रसूताओं में किडनी फेल्योर जैसे लक्षण के कारणों का पता नहीं चला है।

बूंदी जिले के सुवांसा की रहने वाली 22 वर्षीय प्रिया महावर की मौत हुई है। उसके पति रोहित का कहना है कि शादी को 2 साल हुए थे। शुक्रवार सुबह 8 बजे प्रिया को जे.के. लोन अस्पताल में भर्ती करवाया था। शनिवार को नॉर्मल डिलीवरी नहीं होने पर सिजेरियन किया गया। दोपहर 1.30 बजे ऑपरेशन के बाद जच्चा-बच्चा स्वस्थ थे इसके बाद प्रिया को वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया था। लेकिन बाद में उसकी तबीयत बिगड़ने लगी। उसे ऑक्सीजन लगाकर इमरजेंसी वार्ड में शिफ्ट कर दिया गया। देर रात 12.30 बजे के आसपास उसकी मौत हो गई है।

जे.के. लोन अस्पताल की अधीक्षक और गायनी विभाग अध्यक्ष डॉ. निर्मला शर्मा का कहना है कि प्रिया की हाई रिस्क प्रेगनेंसी थी, उसकी मौत कार्डियक अरेस्ट से हुई है। किडनी फेल्योर के लक्षण नहीं थे। किडनी से रिलेटेड कोई समस्या भी नहीं हुई थी। अस्पताल में ही भर्ती आरती और पिंकी की तबीयत भी बिगड़ गई है। आरती का यूरीन आउटपुट बंद हो गया है। किडनी फेल्योर जैसी समस्या आ गई है। आरती मूल रूप से छावनी निवासी है। उसके पति चंकु चौबदार का कहना है कि 8 मई को सिजेरियन डिलीवरी से बच्ची को जन्म दिया था। तबीयत भी ठीक थी, लेकिन अचानक उसको उल्टी और घबराहट हो गई थी और पेशाब भी बंद हो गया था। इसी तरह से जे.के. लोन अस्पताल से प्रसूता पिंकी को सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में शिफ्ट किया गया है। उसके पति नरेश का कहना है कि सिजेरियन डिलीवरी के बाद यूरिन नहीं आ रहा है। मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान अनंतपुरा बरड़ा बस्ती निवासी ज्योति की 7 मई को मौत हो गई थी। ऐसे में उसके पति की शिकायत पर पुलिस ने मर्ग दर्ज कर लिया है। इस मर्ग के आधार पर पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाया है।

महावीर नगर थाना अधिकारी दिग्विजय सिंह का कहना है कि इस पूरे मामले में मृतक ज्योति के पति रवि नायक की शिकायत पर मर्ग दर्ज किया गया है जिसमें मेडिकल कॉलेज के नए अस्पताल के प्रबंधन और चिकित्सकों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। इस मामले में जांच पड़ताल की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के साथ-साथ अन्य दस्तावेज भी जांच किए जाएंगे।

न्यू मेडिकल कॉलेज में प्रसूताओं की मौत के मामले को लेकर रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं का आक्रोश खुलकर सामने आया। गणेश नगर मंडल के नेतृत्व में आयोजित सद्‌बुद्धि-यज्ञ का समापन विरोध-प्रदर्शन के साथ हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. निलेश जैन के पोस्टर पर कालिख पोतकर प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। गणेश नगर मंडल अध्यक्ष चेतन सोलंकी ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि प्राचार्य डॉ. निलेश जैन ने इस्तीफा नहीं दिया तो आगामी आंदोलन और उग्र होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान के चिकित्सा मंत्री को स्वयं संज्ञान लेकर जिम्मेदार डॉक्टरों और अधिकारियों को निलंबित करना चाहिए।

खेतड़ी : ईशकपुरा हत्याकांड में हथियार सप्लाई करने का आरोपी गिरफ्तार

खेतड़ी, (निसं)। सिंघाना पुलिस ने ईशकपुरा हत्याकांड में हथियार सप्लाई करने वाले आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी थाने का हिस्ट्रीशीटर है जिस पर पुलिस ने 10 हजार रुपए का इनाम घोषित कर रखा था।

थानाधिकारी सुगन सिंह ने बताया कि 3 अप्रैल को रिपोर्ट प्राप्त हुई कि उसके भतीजे मुकेश ऊर्फ टिंकु की विजय ऊर्फ मिन्टु लीलाराम गुर्जर निवासी इशकपुरा के साथ रंजीश चल रही थी। टिंकु इशकपुरा अपने दोस्त योगेश गुर्जर व महिपाल गुर्जर ऊर्फ कालिया निवासी ईशकपुरा से मिलने ग्राम ईशकपुरा गया था, जहां पर विजय गुर्जर ऊर्फ मिन्टु अपने साथियों सोमवीर गुर्जर निवासी भोदन, अजीत भरगड़ निवासी भरगड़ा की ढाणी व अन्य के साथ मिलकर रास्ते में मुकेश ऊर्फ टिंकु के सीने में गोली मारकर हत्या कर दी

■ **थाने के हिस्ट्रीशीटर पर 10 हजार रूपए का इनाम घोषित था**

और अपने साथियों के साथ बाइक पर बैठकर वहां से फरार हो गए। जिस पर पुलिस ने ईशकपुरा हत्याकांड के आरोपी विजय उर्फ मिंटू, सोमवीर व अजीत, नरेश उर्फ नरसी को पूर्व में गिरफ्तार कर लिया था। वारदात के मुख्य आरोपी विजय के साथ हत्या, षड़यंत्र रचने व आरोपी हथियार सप्लाई करने वाले एचएस संजय महला की तलाश के लिए एक टीम गठित की गई। टीम द्वारा एचएस संजय महला की तलाश खेतड़ी, नीमकाथाना, चला, अजीतगढ़, सीकर, चौमूं, जयपुर, चंदवाजी, पावटा, शाहपुरा, कोटपुतली, बहरोड, अलवर, गुड़गांवा, दिल्ली, रेवाडी, मानेसर, महेन्द्रगढ़, नारनोल, नांगल चौधरी, कस्बा सिंघाना में संभावित स्थानों पर की गई। इस दौरान पुलिस को सूचना मिली कि हिस्ट्रीशीटर संजय महला क्षेत्र में आया हुआ है जिस पर पुलिस ने मोजा ढाणी सिंहोडीया से थाने के टॉप टेन आरोपी संजय महला पुत्र बलबीर सिंह निवासी मुरादपुर को हत्याकांड में षडयंत्र रचने, हथियार सप्लाई में वांछित होने पर गिरफ्तार कर लिया। थानाधिकारी ने बताया कि आरोपी पर आठ मामले दर्ज होने पर थाने का हिस्ट्रीशीटर घोषित किया हुआ है। गिरफ्तार आरोपी से अवैध हथियार व घटना के संबंध में गहनता से पूछताछ की जा रही है। इस दौरान टीम में थानाधिकारी सुगन सिंह, एएसआई महेश कुमार, एचसी कुलदीप, कांस्टेबल सुनिल मीणा, निहाल सिंह आदि शामिल थे।

गैंगरेप का मुख्य आरोपी सहित दो जने गिरफ्तार

दौसा, (निसं)। दौसा पुलिस अधीक्षक सागर राणा के निर्देश पर नांगल राजावतान के वृत्ताधिकारी दीपक कुमार के नेतृत्व में गठित विशेष टीम ने रविवार को तूंगा में दबिश देकर गैंगरेप के दूसरे आरोपी राकेश मीणा को गिरफ्तार कर लिया है। इधर इस प्रकरण में शेष आरोपियों की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है।

पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने बताया कि 27 अप्रैल को लवाण थाना में परिवादी ने प्रकरण दर्ज करवाया कि मेरी पुत्री व मैं 25 अप्रैल को मेरी बहिन के पुत्र की शादी में गये थे। 26 अप्रैल को रात करीब 9 बजे राकेश मीना मेरी पुत्री को मेरे बहिन के पुत्र के फोन पर कॉल कर बार-बार परेशान कर रहे थे तथा मेरी बहिन के मकान के पीछे मिलने के बहाने बुलाकर एक काले रंग की थार गाड़ी में अन्य दो और व्यक्ति रवि मीना पुत्र बाबूलाल व अंकित मीना पुत्र हीरालाल तथा अन्य एक और व्यक्ति कुल 5 व्यक्ति मेरी पुत्री का अपहरण कर ले गये। इन पांचों व्यक्तियों ने मेरी पुत्री के साथ दुष्कर्म किया तथा सुबह करीब 5 बजे मेरे मकान के पीछे बेहोशी की हालत में पटक कर चले गये तथा मेरी पुत्री को धमकी देकर गये कि इस घटना के बारे में किसी को बताया तो तुझे व तेरे घरवालों को जान से मार देंगे। इस पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया। आरोपियों की तलाश हेतु एक टीम का गठन किया गया। टीम ने लडकी का अपहरण कर गैंगरेप करने वाले फरार चल रहे आरोपियों की तलाश शरू की गई। पुलिस अधीक्षक सागर राणा ने बताया कि 10 मई को को आरोपी हरकेश उर्फ अखिल को उज्जैन से दस्तयाब कर गिरफ्तार किया गया था व घटना में प्रयुक्त एक थार गाड़ी को बतौर वजह सबूत जब्त किया गया। वहीं इस प्रकरण में वांछित आरोपी राकेश मीना पुत्र सत्यनारायण मीना को गिरफ्तार किया है। वारदात के बाद से ही फरार चल रहे अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

आग से डेढ़ लाख का सामान जला

पावटा, (निसं)। पावटा-प्रागपुरा के वार्ड नंबर 25 बड़नगर में एक कुम्हार परिवार पर मुसीबतों का पहाड़ टूट पड़ा। शनिवार दोपहर करीब तीन बजे महावीर कुम्हार पुत्र फूलचंद के मकान के पास रखे मिट्टी के बर्तन बनाने के ईंधन में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और आसपास रखा मिट्टी के पक्के बर्तन, मटकियां, कुल्हड़, तैयार सामान व अन्य सामग्री जलकर राख हो गई।

बताया जा रहा है कि आग लगने से करीब 1.5 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। घटना के समय महावीर कुम्हार एक सप्ताह पहले ट्रेन में सफर के दौरान पैर फ्रैक्चर होने से अस्पताल में उपचाराधीन था। जिसके चलते वह पहले से ही परेशानी झेल रहा है। इसी बीच आगजनी की घटना ने परिवार को आर्थिक संकट में डाल दिया। आग लगने की सूचना मिलते ही ग्रामीण मौके पर पहुंचे और कुएं के बोर को चालू कर आग पर काबू पाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक अधिकांश सामान जल चुका था।

राजसमंद झील में डूबने से दो बालकों की मौत

झील की नोचौकी पाल पर दो अलग-अलग हादसे हो गये

राजसमंद, (निसं)। शहर की ऐतिहासिक राजसमंद झील की नोचौकी पाल पर रविवार को चंद घंटों के अंतराल में हुए दो अलग-अलग हादसों में दो बालकों की डूबने से मौत हो गई। लगातार हुए हादसों के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है, वहीं स्थानीय लोगों ने प्रशासन से सुरक्षा इंतजाम बढ़ाने की मांग उठाई है।

जानकारी के अनुसार शाम के समय बच्चों के साथ नहाने गया एक बालक गहरे पानी में चला गया और डूब गया। हादसे के बाद उसके साथ मौजूद अन्य बालक मौके से भाग निकले। देर शाम तक मृतक बालक की पहचान नहीं हो पाई थी। सूचना मिलने पर सिविल डिफेंस टीम मौके पर पहुंची और काफी मशक्कत के बाद शव को बाहर निकाला। वहीं इससे पहले दोपहर में कोठारिया निवासी कमलेश कुमार नहाते समय गहरे पानी में चले जाने से डूब गया। सूचना पर राजनगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को मोर्चरी में रखवाया गया। लगातार हो रहे जल हादसों के बाद स्थानीय लोगों और जानकारों ने प्रशासन से मांग की है कि गर्मी के मौसम को देखते हुए नोचौकी क्षेत्र में प्रशिक्षित तैराकों और सुरक्षा कर्मियों की तैनाती की जाए, ताकि भविष्य में इस प्रकार की दुखद घटनाओं को रोका जा सके।

पावटा में सड़क किनारे खड़े यूपी के युवक की वाहन की टक्कर से मौत

पावटा, (निसं)। कस्बे में शनिवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में सर्विस रोड पर खड़े युवक की कैंटर की चपेट में आने से मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई तथा कैंटर चालक वाहन सहित फरार हो गया। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के हापुड़ मेरठ निवासी करीब सात लोग वाहन से खाटूश्यामजी मंदिर के दर्शन के लिए जा रहे थे। देर रात पावटा क्षेत्र में उनकी गाड़ी सीएनजी भरवाने के लिए रुकी थी। इस दौरान सभी साथी पानी पीने एवं लघुशंका के लिए चले गए, जबकि 45 वर्षीय शिव प्रजापति पुत्र मीर सिंह निवासी हापुड़ मेरठ सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान तेज रफ्तार और अनियंत्रित कैंटर ने वहां खड़ी

■ **खाटूश्यामजी दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं के साथ हुआ हादसा, कैंटर चालक मौके से फरार हुआ**

तीन-चार गाड़ियों को टक्कर मारते हुए शिव प्रजापति को अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़ा। हादसे के बाद चालक कैंटर लेकर मौके से फरार हो गया। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तुरंत उपजिला अस्पताल पावटा पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर चिकित्सकों ने उसे जयपुर रेफर कर दिया। परिजन घायल को जयपुर ले गए, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद मृतक का शव वापस पावटा लाया गया और उपजिला अस्पताल पावटा की मोर्चरी में रखवाया गया। रविवार को प्रागपुरा थाना पुलिस ने घटना स्थल का जायजा लिया व पोस्टमार्टम की कार्रवाई करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। घटना के बाद क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों को लेकर लोगों में रोष देखने को मिला। स्थानीय लोगों का कहना है कि हाईवे एवं सर्विस रोड पर बेलगाम दौड़ते भारी वाहन लगातार हादसों का कारण बन रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं हो रही। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है तथा फरार कैंटर चालक की तलाश की जा रही है।

दरगाह हांडी शाह की वक्फ संपत्ति पर बवाल, 14 पर एफआईआर दर्ज

झुंझुनूं, (निसं)। शहर के ऐतिहासिक धार्मिक स्थल दरगाह हांडी शाह की वक्फ संपत्ति को लेकर उपजे विवाद ने गंभीर रूप ले लिया। मामले में कोतवाली थाने में पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा सहित 14 नामजद और 20-25 अन्य लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने घटना को गंभीर मानते हुए जांच शुरू कर दी है तथा क्षेत्र में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है।

दरगाह के सेवक मोहम्मद शरीफ की ओर से दर्ज रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि शुक्रवार शाम करीब 8 बजे पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में लोग हाथों में कस्सी, फावड़े और अन्य हथियार लेकर दरगाह परिसर में पहुंचे। आरोप है कि भीड़ ने वक्फ बोर्ड द्वारा निर्मित सुरक्षा दीवार को ढहा दिया और परिसर में जमकर तोड़फोड़ की। रिपोर्ट के अनुसार आरोपियों ने घर में घुसकर महिलाओं के साथ अभद्र व्यवहार किया। उल्लेखनीय है कि गत 4 फरवरी को प्रशासन ने दरगाह हांडी शाह की वक्फ भूमि पर अवैध अतिक्रमण बताते हुए कुछ दुकानों को हटवाया था। इसके बाद जिला वक्फ कमेटी की ओर से सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर चारदीवारी का निर्माण करवाया गया था। शिकायतकर्ता का आरोप है कि इसी कार्रवाई के बाद से कुछ प्रभावशाली लोग लगातार विरोध कर रहे थे और दरगाह से जुड़े लोगों को धमकियां दी जा रही थीं।

कोतवाली पुलिस ने मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), वक्फ अधिनियम तथा सार्वजनिक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस रिपोर्ट में मोहम्मद अली, आबिद, आयुब, लियाकत रंगरेज, यूनुस उर्फ मुंशी, साजिद, सलीम, फरियाद और पूर्व मंत्री राजेंद्र सिंह गुढ़ा सहित अन्य लोगों को आरोपी बनाया गया है।

घटना के बाद क्षेत्र में तनावपूर्ण स्थिति को देखते हुए पुलिस और प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। संवेदनशील इलाके में अतिरिक्त पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। प्रार्थी मोहम्मद शरीफ ने प्रशासन से सुरक्षा की मांग करते हुए आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है। वहीं पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

भरतपुर : गम्भीर नदी पुल के जॉइंटों में गहरे गैप से हादसों का खतरा बढ़ा

सड़क की बदहाल स्थिति के कारण आए दिन हो रहे हादसे से कई लोग चोटिल हो रहे हैं

बयाना/भरतपुर, (निसं)। बयाना-ब्रह्मबाद सड़क मार्ग पर गम्भीर नदी के पुल के जॉइंटों के बीच बने गहरे गैप और बड़े-बड़े गड्ढों ने वाहन चालकों की परेशानी बढ़ा दी है। सड़क की बदहाल स्थिति के कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं, वाहन खराब हो रहे हैं और कई लोग चोटिल हो रहे हैं। खासकर टेम्पू, ई-रिक्शा और छोटे वाहनों को सबसे ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों और वाहन चालकों का कहना है कि कई बार वाहन जॉइंटों में बने गड्ढों में फंसकर पलट जाते हैं, जिससे जान का खतरा बना रहता है। यह सड़क मार्ग बयाना से धौलपुर, रुदावल, रूपवास, बाड़ी और बसेड़ी सहित कई प्रमुख शहरों को जोड़ता है। प्रतिदिन हजारों लोग इसी रास्ते से आवागमन करते हैं। बावजूद इसके सड़क की मरम्मत को लेकर संबंधित विभाग गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं। लोगों का आरोप है कि गम्भीर नदी से करीब 300 मीटर दूरी पर राजस्थान स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (आरएसआरडीसी) द्वारा टोल टैक्स वसूला जा रहा है, लेकिन सड़क और

■ **बदहाल सड़क की मरम्मत को लेकर संबंधित विभाग गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं**

पुल के जॉइंटों की मरम्मत की ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। स्थानीय वाहन चालकों के अनुसार पुल के जॉइंटों के बीच इतना बड़ा गैप बन चुका है कि वाहन गुजरते समय तेज झटके लगते हैं। इससे वाहन क्षतिग्रस्त हो रहे हैं और यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। खासकर बीमार मरीजों और गर्भवती महिलाओं को अस्पताल ले जाते समय स्थिति और भी गंभीर हो जाती है। सड़क पर बने गड्ढों और टूटे जॉइंटों से वाहन उछलते हैं, जिससे मरीजों को दर्द और असुविधा का सामना करना पड़ता है।

टेम्पू चालक गिरधारी सिंघाड़ा ने बताया कि खराब सड़क के कारण उनके टेम्पू में आए दिन खराबी आ रही है। कई बार वाहन असंतुलित होकर पलट जाते हैं। उन्होंने कहा कि हम लोग रोजाना इसी रास्ते से गुजरते हैं। सड़क की हालत इतनी खराब हो चुकी है कि कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। प्रशासन और विभागीय अधिकारी इस ओर बिल्कुल ध्यान नहीं दे रहे। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क और पुल की स्थिति लंबे समय से खराब बनी हुई है, लेकिन न तो पीडब्ल्यूडी विभाग और न ही आरएसआरडीसी द्वारा मरम्मत का कार्य कराया जा रहा है। लोगों ने आरोप लगाया कि टोल वसूली तो नियमित रूप से की जा रही है, लेकिन सड़क सुविधाओं के नाम पर वाहन चालकों को सिर्फ परेशानी मिल रही है।

क्षेत्रवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही गम्भीर नदी पुल के जॉइंटों की मरम्मत नहीं कराई गई और गड्ढों को नहीं भरा गया तो आंदोलन किया जाएगा। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि हादसों को रोकने और आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए तत्काल प्रभाव से सड़क और पुल की मरम्मत कराई जाए। वहीं वाहन चालकों का कहना है कि जिम्मेदार विभागों की लापरवाही के कारण किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन से मामले का संज्ञान लेकर जल्द समाधान कराने की मांग की है।

15 किलो डोडा-पोस्त सहित तस्कर को पकड़ा

मलसीसर, (निसं)। अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत पुलिस थाना मलसीसर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 15 किलो 120 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधीक्षक झुंझुनूं कावेन्द्र सिंह सागर के निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय देवेंद्र सिंह राजावत एवं ग्रामीण वृत्ताधिकारी हरिसिंह धायल के सुपरविजन में थाना अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पुलिस को रविवार को सूचना मिली थी कि मलसीसर कस्बे के रिको एरिया में एक व्यक्ति अवैध डोडा-पोस्त लेकर खड़ा है। सूचना मिलते ही थाना अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार मय पुलिस टीम मौके पर पहुंचे और घेराबंदी कर संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया। पूछताछ में उसने अपना नाम फूलचंद उर्फ फूला पुत्र जालुदास निवासी ख्याली थाना मलसीसर बताया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 15 किलो 120 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद हुआ। पुलिस ने मौके पर ही मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि अवैध मादक पदार्थ कहां से लाया गया था और इसकी सप्लाई किन क्षेत्रों में की जानी थी।

इस कार्रवाई में थाना अधिकारी डॉ. महेंद्र कुमार के साथ उप निरीक्षक कृपाल सिंह, हैड कांस्टेबल आशाराम, कांस्टेबल सुरेंद्र सिंह, सुनीत कुमार, रुपेंद्र कुमार, राकेश कुमार तथा साइबर सेल झुंझुनूं के कांस्टेबल अरविंद कुमार की विशेष भूमिका रही। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि जिले में नशे के कारोबार में लिप्त लोगों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और ऐसे तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गांजा सहित आरोपी गिरफ्तार : कोटा में बोरखेड़ा पुलिस टीम ने इलाके में अवैध मादक पदार्थ गांजा सहित आरोपी को गिरफ्तार किया है। बोरखेड़ा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर ने बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर अवैध मादक के खिलाफ ऑपरेशन गरूड् व्यूह अभियान को चलाया जा रहा है। थानाधिकारी ने बताया कि इलाके में कार्यवाही करते हुए एक जने पर संदेह होने पर उसकी तलाशी ली गई तो तलाशी के दौरान अवैध मादक पदार्थ 112.24 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस टीम ने मौके पर एनडीपीएस एक्ट में उज्जवल विहार बोरखेड़ा निवासी राजकुमार (41) को गिरफ्तार किया, पकड़े गये आरोपी से अनुसंधान जारी है।

दुष्कर्म पीड़िता ने आत्महत्या की चेतावनी दी

मसूदा, (निसं)। एक युवती ने एक युवक पर दुष्कर्म का आरोप लगाते हुए पुलिस प्रशासन पर कार्रवाई में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। पीड़िता ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को शिकायत पत्र सौंपकर चेतावनी दी है कि यदि आरोपी को शीघ्र गिरफ्तार नहीं किया गया तो वह आत्महत्या करने को मजबूर होगी।

पीड़िता ने बताया कि करीब सात माह पूर्व आरोपी युवक ने उसे घर में अकेला पाकर जबरन दुष्कर्म किया था। घटना के बाद उसने 31 मार्च 2026

■ **आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने पर एएसपी से गुहार लगाई**

को मसूदा पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कराया था, लेकिन मुकदमा दर्ज होने के करीब 30 दिन बाद भी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी खुलेआम उसके घर के आसपास घूम रहा है तथा उसे और उसके परिवार को मुकदमा वापस लेने की धमकियां दे रहा है। आरोपी के परिजन भी लगातार समझौता करने का दबाव बना रहे हैं। कार्रवाई नहीं होने से परेशान पीड़िता ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर न्याय दिलाने की मांग की है।

इस संबंध में थाना अधिकारी रणजीत सिंह ने बताया कि वह वर्तमान में पॉक्सो से संबंधित कार्रवाई के सिलसिले में बाहर जा रहे हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वापस लौटते ही आरोपी की गिरफ्तारी की कार्रवाई की जाएगी।

मादक पदार्थ सहित चार गिरफ्तार

उदयपुर, (कासं)। सविना थाना पुलिस ने अवैध एमडीएम सप्लाई करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार किया।

सविना थानाधिकारा गजवीर सिंह मय टीम ने कार्यवाही करते हुए अवैघ मादक पदार्थ सप्लाई करने वाले आरोपी राजुराम पुत्र श्रवणराम विश्नोई निवासी विश्नोईयों की ढाणी धवा गोदावास झंवर जोधपुर, अनिल गोदारा पुत्र शैतान सिंह निवासी कुडी पटाउ थाना पचपदरा बलोतरा, विकास विश्नोई पुत्र सहीराम विश्नोई निवासी बाबलों की ढाणीयां बासनी निकुबा फिटकासणी डांगीयावास जोधपुर के कब्जे से 103.7 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए जब्त कर गिरफ्तार किया। आरोपी गीतांजली चिकित्सालय के सामने मनवाखेड़ा रोड़ पर जेकेएस कैफे के संचालक निर्मलपुरी पुत्र अफ्रनपुरी गोस्वामी निवासी सिरासना पादुकला नागौर को सप्लाई करने आए थे, जिसे गिरफ्तार किया।

गंगापुर सिटी में कार-बाइक भिड़ंत, बाइक सवार की मौत

गंगापुर सिटी, (निसं)। समीपवर्ती भरतून चौराहे के पास सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। शनिवार रात को एक तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। घायल युवक को राजकीय जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान सपोटरा क्षेत्र के इनायती गुलाबपुरा गांव निवासी रामलाल माली (45) पुत्र परसादी माली के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार रामलाल शनिवार रात करीब 8 बजे अपनी बाइक से गांव से गंगापुर सिटी आ रहा था। भरतून चौराहे के पास सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि रामलाल सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो

■ **मृतक खेती-बाड़ी का कार्य करता था**

गया। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से घायल रामलाल को गंगापुर सिटी के राजकीय अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टर ने जांच के बाद रामलाल को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। रविवार को पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। रामलाल माली खेती-बाड़ी का कार्य करता था। उसके परिवार में दो बेटे और दो बेटियां हैं। इस हादसे के बाद परिवार में शोक का माहौल है।

जेसीबी में दुल्हन को घर लाया दूल्हा

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के झाड़ोल उपखण्ड में एक अनोखी बारात देखने को मिली, जिसमें दूल्हा अपनी दुल्हन को किसी कार में नहीं, बल्कि जेसीबी के बकेट में बैठाकर अपने घर ले गया। मामला मोहम्मद फलासिया का है, जहां रूपलाल डूंगरी की शादी हुई थी। रूपलाल की बारात 30 किमी दूर कोल्यारी के ढाला गांव में गई थी। शादी के बाद जब दुल्हन ने ससुराल के लिए विदाई ली तो दूल्हे ने दुल्हन को जेसीबी के बकेट में खड़ा किया और अपने घर ले गया। दूल्हा रूपलाल पेशे से जेसीबी ड्राइवर है। पहले से ही दुल्हन को जेसीबी में घर लाने का प्लान बना रखा था। दूल्हे ने बताया कि यह मेरा सपना था। मैं अपनी दुल्हन को जेसीबी के बकेट में बैठाकर घर लाऊंगा जो पूरा हुआ।

'पांचना बांध से कमांड एरिया की नहरों में एक बूंद पानी नहीं जाएगा'

करौली, (निसं)। पांचना बांध से प्रशासन नहरों में पानी खोलने का यदि पानी खोलना है या फिर कोई षड्यंत्र रचता है तो गुडला क्षेत्र के 39 गांव हर तरीका से निपटने के लिए तैयार है। यह निर्णय रविवार को गुडला क्षेत्र के 12 गांव के प्रमुख पंच-पटेलों की अशोक सिंह धावाई की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में निर्णय लिया गया। साथ ही पांचना बांध के पानी को लेकर आगामी 15 मई को पांचना बांध पर सर्व समाज की महापंचायत आयोजित करने का निर्णय लिया।

पांचना बांध से कमांड एरिया की

■ **गुडला क्षेत्र के 12 गांव के प्रमुख पंच-पटेलों की गुडला पाँचना संघर्ष समिति की बैठक हुई**

नहरों में पानी खोलने के राजस्थान उच्च न्यायालय के निर्णय के बाद मामला अब गरमा गया है, क्योंकि प्रशासन और सरकार न्यायालय के निर्णय के आदेशों की पालना करने के लिए पांचना बांध से कमांड एरिया के तारों में पानी खोलने की तैयारी में पूरी तरह से लगा हुआ है जिसको लेकर गुडला पांचना संघर्ष समिति के तत्वाधान में रविवार को गुडला क्षेत्र के 12 गांव के प्रमुख पंच-पटेलों की गुडला पाँचना संघर्ष समिति के अध्यक्ष अशोक सिंह धाबाई की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में प्रशासन और सरकार की तैयारी को लेकर विस्तार से चर्चा की गई जिसमें उन्होंने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि जब तक गुडला क्षेत्र के 39 गांवों के किसानों को पाँचना लिफ्ट परियोजना की नहरों से पानी नहीं पहुंचेगा तब तक कमांड एरिया की नहरे में एक बूंद पानी नहीं जाने देंगे। इसके अलावा उन्होंने निर्णय लिया कि आगामी 15 मई को पांचना बांध पर सर्व समाज की महापंचायत आयोजित की जाएगी। अशोक सिंह ने इस अवसर पर कहा कि प्रशासन और सरकार यदि इस बीच में कमांड एरिया की नहर में बांध से पानी खोलना है या फिर कोई षड्यंत्र रचता है तो उसके लिए गुडला क्षेत्र के 39 गांव प्रशासन और सरकार से निपटने के लिए तैयार है, यह उन्होंने खुलेआम चेतावनी दी है। इस मौके पर हाकिम सिंह, हरवीर सिंह, सतबीर डायरेक्टर, मेहमान सिंह, सोहन सिंह, विजेंद्र कैप्टन आदि पंच-पटेल बैठक में उपस्थित थे।

संक्षिप्त

ऑपरेशन सिंदूर विजय दिवस मनाया

कोटपूतली । कस्बे के डाबला रोड़ स्थित राजकीय कन्या महाविधालय में रविवार को ऑपरेशन सिंदूर विजय दिवस के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में सिंदूर स्मारक वाटिका में भारत के वीर सैनिकों के पराक्रम पर गर्व करते हुये भारत माता की जय, इंकलाब जिंदाबाद व वंदे मातरम के नारे लगाकर तिरंगा फहराते हुये सम्मान प्रदान किया गया। इस मौके पर समाजसेवी रतनलाल शर्मा के नेतृत्व में क्षेत्रवासियों ने 26 पर्यटकों को श्रद्धांजलि व सिंदूर स्मारक पर पुष्प अर्पित करके शहीदों एवं भारतीय सेना के शौर्य को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हिंदू पर्यटकों के साथ आतंकवादियों ने धर्म पूछकर निर्दोष हिंदू पर्यटकों के ऊपर अंधाधुंध गोली चलाकर उनको शहीद कर दिया था, जिसके बाद भारत सरकार, भारतीय सेना व भारत की जनता का खून खोला और सिर्फ एक ही आवाज मौत के बदले एक की जगह 10 की मौत और देश की सरकार व भारतीय सेना ने वह करके दिखाया जो पूरी दुनिया ने कभी नहीं सोचा था। इस दौरान वरिष्ठ भाजपा नेता शंकरलाल कसाना, पूर्व चेयरमैन एड. महेंद्र सैनी, डॉ. अष्वनी गोयल, प्रवक्ता रामकरण यादव, भाजपा युवा नेता शशि मित्तल, पूर्व मंडल अध्यक्ष राजवीर यादव, गौरव गोयल, सतीश चौधरी समेत अन्य मौजूद रहे।

छात्रावास का लोकार्पण

भरतपुर (निस)। नगला चांदवारी में श्री मैथिल ब्राह्मण सेवा समिति द्वारा नव निर्मित मैथिल ब्राह्मण धर्मशाला एवं छात्रावास का लोकार्पण समारोह पूर्व मंत्री व वर्तमान विधायक डॉ. सुभाष गर्ग के मुख्य आतिथ्य में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में अखिल भारतीय मैथिल ब्राह्मण महासभा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष योगेंद्र शर्मा विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। लोकार्पण के पश्चात समारोह को डॉ. गर्ग ने सम्बोधित करते हुए कहा कि मैथिल समाज द्वारा निर्मित यह धर्मशाला समाज के सामूहिक कार्यक्रमों, विवाह और अन्य उत्सवों के लिए बेहतर स्थान बनेगी। वहीं छात्रावास के माध्यम से समाज के बच्चों को ठहरने और अपनी शैक्षिणक गतिविधियां पूरी करने की सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष ओमप्रकाश शर्मा, मंत्री वीर सिंह, रणवीर सिंह, कांठोस के शहर अध्यक्ष दयाचंद पचौरी, ब्राह्मण सभा के पूर्व जिला अध्यक्ष कौशलेश शर्मा, भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज भारद्वाज सहित समाज के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान डॉ. गर्ग का साफा, माला और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

वांछित आरोपी पकड़ा

टोंक। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन में निवाई सदर थाना प्रभारी राजेन्द्र प्रसाद द्वारा गठित टीम ने एनडीपीएस एक्ट में दर्ज पूर्व प्रकरण में लम्बे समय से वांछित चल रहे टॉप टेन आरोपी को गिरफ्तार किया है। कार्यवाही के दौरान पुलिस टीम ने वांछित चल रहे टॉप टेन आरोपी फैजान पुत्र फरीद खान उम्र 24 साल निवासी कायम खानियो की गली मेहन्दीबाग टोंक को गिरफतार किया गया । पुलिस ने बताया आरोपी दिनांक 18 मार्च 2026 को थाने में दर्ज एनडीपीएस एक्ट मे वांछित चल रहा था, जिसे रविवार को गिरफ्तार कर प्रकरण मे अग्रिम अनुसंधान जारी है।

दंपति पुनः एक साथ रहने को राजी

सांभरझील, (निसं)। राष्ट्रीय लोक अदालत के आयोजन के दौरान सांभर की अदालतों में कुल 250 विभिन्न प्रकार के प्रकरणों का राजीनामा के जरिए निस्तारण किया गया। शनिवार को अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश, क्र.सं. 1, अरविन्द कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में किया गया। राष्ट्रीय लोक अदालत में मोटर वाहन दुर्घटना अधिकरण के 10 प्रकरणों में राजीनामा से फैसला दिया गया। वित्तिय संस्थानों के प्री लिटिगेशन प्रार्थना पत्रों पर सुनवाई की।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

पेपर लीक मामले में भाजपा सरकार भेज रही है आरोपियों को जेल: किरोड़ी लाल मीना

मानपुरिया में कृषि मंत्री डॉ. किरोडीलाल मीणा ने जनसुनवाई की।

- कांग्रेस सरकार में 18 में से 17 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हुए थे

दौसा (निसं.)। प्रदेश के कृषि मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीणा ने कहा कि जल जीवन मिशन और भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक जैसे मुद्दों पर उन्होंने प्रमाणों के साथ आवाज उठाई थी, लेकिन उनकी बात नहीं मानी गई। अगर उस समय उनकी बात मान ली जाती तो आज कांग्रेस की ऐसी दुर्दशा नहीं होती। वर्तमान सरकार घोटालों और पेपर लीक मामलों में कार्रवाई करते हुए आरोपियों को जेल भेज रही है।

कृषि मंत्री शनिवार को मानपुरिया गांव में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्र में पत्रकारों के समक्ष बोल रहे थे। उन्होंने गहलोत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वीरांगना मामले में उनके कपड़े फाड़कर बेइज्जत किया गया था। पिछले राज में उन्होंने जल जीवन मिशन, भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और कई अन्य मामलों को लेकर लगातार धरना-प्रदर्शन किए। उन्होंने कहा कि जेजेएम घोटाले में एफआईआर की मांग को लेकर वे तीन दिन तक अशोक नगर थाने पर धरने पर बैठे रहे, लेकिन इसके उलट उन्हें गिरफ्तार कर चाकसू ले जाया गया। उन्होंने गहलोत सरकार के सामने हर मामला प्रमाणों के साथ रखा था, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि यदि तत्कालीन गहलोत सरकार समय रहते कार्रवाई कर लेती तो आज कांग्रेस की राजनीतिक स्थिति अलग होती। उन्होंने कहा कि जिन मामलों को उन्होंने पहले उठाया था, अब उन्हीं मामलों में कार्रवाई हो रही है और आरोपी जेल पहुंच रहे हैं। एसआई भर्ती परीक्षा दोबारा कराने के सवाल पर मंत्री ने कहा कि उसी समय परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों को फिर से मौका मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि डेढ़ साल से अभ्यर्थी न्याय की मांग कर रहे हैं। ऐसे में नए अभ्यर्थियों को शामिल करना गलत होगा। उन्होने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय भर्ती परीक्षाओं में बड़े स्तर पर गड़बडियां हुई थीं। उन्होंने दावा किया कि 18 में से 17 भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक होने के सबूत उन्होंने मीडिया के सामने रखे थे। उन्होंने उस समय के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से कार्रवाई की मांग की थी, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी गई।

उन्होंने कहा कि अब उनकी सरकार ने सख्त कार्रवाई शुरू की है। मानपुरिया में आयोजित जनसुनवाई के दौरान कृषि मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनी, साथ ही सरकार की योजनाओं की जानकारी दी। मंत्री ने लोगों की समस्याओं का मौके पर मौजूद अधिकारियों से तत्काल निराकरण करवाया।

सार-समाचार

टीकाकरण के प्रति बालिकाओं को जागरूक किया

देवली । शहर में राजकीय अस्पताल के चिकित्सकों ने एच.पी वी टीकाकरण के प्रति स्कूल में पढ़ने वाली बालिकाओं को जागरूक किया है । शुक्रवार को यहां स्थानीय उप जिला अस्पताल के चिकित्सकों ने बालिका स्कूल में एक शिविर का आयोजन किया। जिसमें एचपीवी टीकाकरण के बाद किन-किन गंभीर बीमारियों से बचाव हो सकता है। यह जानकारी स्कूल में पढ़ने वाली बालिकाओं को दी गई । इस दौरान देवली उप जिला अस्पताल के प्रभारी डॉ रविराज सिंह ने बताया कि शुक्रवार को शहर की पीएम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में पढने वाली बालिकाओं को एच पी वी टीकाकरण के प्रति जागरूक किया है। एच पी वी टीकाकरण अभियान के तहत स्कूल में पढ़ने वाली बालिकाओं को इस वैक्सीन के प्रति जागरूक करते हुए महिलाओं के स्वास्थ्य से जुडी कई जानकारियां भी दी गई है । डॉक्टर रवि राज सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ सुमन माथुर ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ मनीष लोधी मौजूद रहे जिन्होंने एच पी वी टीकाकरण पर प्रकाश डाला और सबालिकाओं को बताया कि महिलाओं में होने वाली गंभीर बीमारियों से भविष्य कैसे बचाव किया जाए। इसके प्रति जागरूक किया है। इस कार्यक्रम में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर सुमन माथुर ने बालिकाओं को बताया कि एच पी वी टीकाकरण होने के बाद बालिकाओं में कई गंभीर बीमारियों का खतरा बहुत कम हो जाता है। जैसे की महिलाओं में सर्वाइकल, कैंसर और बच्चेदानी के मुंह पर कैंसर एवं जनांग जैसी गंभीर बीमारियों से बचाव होता है। । इस मौके पर ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ मनीष लोधी ने भी बालिकाओं को बताया कि एच पी वी टीकाकरण होने के बाद यह वैक्सीन बालिकाओं मे संक्रमण का खतरा कम कर देती है। यह वैक्सीन 14 से 15 वर्ष उम्र की बालिकाओं में सबसे ज्यादा असर करती है।

मेले में उमड़े हजारों श्रद्धालु

निवाई/गुंसी। चनानी गांव में बिजासन माता सातों बहिनों का मेला आयोजित हुआ। मेले की पूर्व संध्या पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं रात्रि जागरण का आयोजन हुआ। जिसमें स्थानीय एवं कई गांवों व शहरों से आए श्रद्धालुओं ने पूरी रात भजन संध्या का आनन्द लिया। श्रद्धालु हनुमान प्रजापत एवं लक्ष्मण प्रजापत ने बताया किचनानी माता मेले में हजारों श्रद्धालुओं ने माताजी के दर्शन करके खुशहाली की मनोकामना की। श्रद्धालुओं को माता के दर्शन और मेले में कोई परेशानी नहीं हो इसके लिए पुलिस की पर्याप्त व्यवस्था की गई। मेले में महिलाओं ने श्रृंगार एवं घरेलू सामान की जमकर खरीदारी की। बच्चों ने झूला झूलकर आनंद लिया। मेला स्थल पर तेजा गायन मंडलियों ने अलगोजो और ढोलक मजीरा की तान पर तेजा गायन कर श्रद्धालुओं को खूब नचाया। कई युवा जोड़ो ने माता के ढोक लगाकर सुखी वैवाहिक जीवन कि मंगल कामना की। रात्रि जागरण में गायक हेमराज सैनी ने गणेश वंदना से भजनों की शुरुआत की। उन्होंने बैलगाडी से ना जाऊं मैं तो घोड़ा सूं, माता चनानी जाऊला में तो जोडा सूं, फूलडा से करो श्रृंगार चनानी माता को, खुल्ला खुल्ला केश मां की सूरत सुहावनी, भक्ता के आजा ये म्हारी सातों बहना पावनी सहित कई भजनों की प्रस्तुतियां दी। जिन पर श्रद्धालु जमकर नृत्य किया। इसके बाद बालाजी व भैरूजी सहित कई देवी देवताओं के भजनों की प्रस्तुति दी। डांसर पिंकी मीणा ने भजनों पर नृत्य पेश कर वाहवाही लूटी। कार्यक्रम के दौरान कॉमेडियन दिनेश और राधिका की जोडी ने अभिनय से श्रद्धालुओं को खूब हंसाया। जागरण के अंत में माता की आरती कर श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की गई।

समीक्षा बैठक कल

निवाई। लोक जनशक्ति पार्टी किसान प्रकोष्ठ राजस्थान की समीक्षा बैठक मंगलवार को सायं 5 बजे दादू दयाल गार्डन में आयोजित की जाएगी। बैठक में किसान प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष धर्मेन्द्र मिश्रा, राष्ट्रीय महासचिव एवं राजस्थान प्रभारी करुणेश पाण्डे, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव इन्द्रभान मिश्रा, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज मिश्रा एवं प्रदेशाध्यक्ष अशोक पारीक सहित प्रदेश के प्रभारी, जिलाध्यक्ष एवं वरिष्ठ पदाधिकारी भाग लेंगे।

एसडीएम को दिया जल यात्रा का आमंत्रण-पत्र

निवाई। किसान महापंचायत के तत्वावधान में किसानों की मांगों को लेकर 27 मई से गांव गांव में जल यात्रा निकाली जाएगा। जिसकी तैयारियों को लेकर अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं को आमंत्रण-पत्र दिया जा रहा है। महापंचायत के ब्लॉक अध्यक्ष किसान महापंचायत दशरथ सिंह पलेई ने बताया कि जल यात्रा कार्यक्रम को लेकर उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा, तहसीलदार नरेश गुर्जर, डीवाईएसपी रविप्रकाश शर्मा, थानाधिकारी घासीराम मीणा, सदर थानाधिकारी राजेंद्र प्रसाद व विकास अधिकारी नंदकिशोर शर्मा सहित अन्य अधिकारियों व पदाधिकारीयो को 27 मई से आयोजित जल यात्रा कार्यक्रम का आमंत्रण-पत्र देकर आयोजन को सफल बनाने का आ ान किया गया। इस दौरान यात्रा को लेकर उपखंड अधिकारी प्रीति मीणा को किसान महापंचायत द्वारा रात्रि विश्राम के लिए ग्राम पंचायत पहाड़ी, जामडोली, सैदरिया, भांवता, चतुर्भुजपुरा व पलेई में पंचायत भवन उपलब्ध करवाने की मांग गई। इस अवसर पर शंकरलाल मीणा मूंडिया, गोविंदराम चौधरी, शंकर मीणा, राजाराम पहाडी व गिरिराजसिंह चौहान सहित कई पदाधिकारी मौजूद थे।

चौमूं विधानसभा क्षेत्र को मिले 500 करोड़ से अधिक के विकास कार्य : दिया कुमारी

- मोरीजा में ठाम रथ अभियान के तहत उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने सुनी जनसमस्याएं
- सरकार ग्राम रथ अभियान के अंतर्गत आपके द्वार पहुंचकर कर रही समस्याओं का त्वरित समाधान
- राज्य सरकार सरकार आपके द्वार की भावना से काम कर रही है। हमारा लक्ष्य है कि योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक पहुंचे।

चौमूं/कालाडेरा। राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को धरातल पर उतारने और आमजन की समस्याओं के मौके पर निस्तारण के लिए जारी ग्राम रथ अभियान (विकास रथ) के अंतर्गत रविवार को ग्राम पंचायत मोरीजा में विशाल संध्या चौपाल का आयोजन हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश की उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि अध्यक्षता भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने की। पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने उप मुख्यमंत्री का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया।

जनता के बीच पहुंची सरकार राजकीय संस्कृत विद्यालय, मोरीजा में आयोजित इस चौपाल में उपमुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से सीधा संवाद किया। स्थानीय निवासियों ने बिजली, पानी, सडक और अन्य विभागीय समस्याओं से उपमुख्यमंत्री को अवगत कराया, जिस पर उन्होंने मंच पर ही मौजूद उपखण्ड के तमाम अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही और समाधान के कडे निर्देश दिए। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा"मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार सरकार आपके द्वार की भावना से काम कर रही है। हमारा लक्ष्य है कि योजनाओं का लाभ अंतिम पंक्ति में बैठे व्यक्ति तक पहुंचे। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता रामलाल शर्मा क्षेत्र के विकास के लिए सजग हैं और उन्हीं के प्रयासों से पिछले दो बजटों में चौमूं विधानसभा क्षेत्र के लिए 500 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्य स्वीकृत किए जा चुके हैं।" पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने क्षेत्र को मिली सौगातों के लिए सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि हाड़ौता-टांकरडा बाईपास के लिए 72 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। रामपुरा-जयसिंहपुरा बाईपास और बधाल से गोविन्दगढ फोरलेन जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स का काम लगभग पूर्ण हो चुका है।

निवाना से गोविन्दगढ सड़क की चौड़ाई बढ़ाकर 7 मीटर करने की स्वीकृति मिल चुकी है। कार्यक्रम के दौरान उपखण्ड अधिकारी दिलीप सिंह सहित तहसीलदार, विकास अधिकारी और अन्य प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। साथ ही बांसा मंडल अध्यक्ष शंकर लाल गागोरिया, स्थानीय जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी एवं बडी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

चरणबद्ध आंदोलन का ऐलान

लालसोट। अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ, राजस्थान (विद्यालय शिक्षा) ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों की कार्यशैली, लंबित मांगों और शिक्षा व्यवस्था में बढ़ती अव्यवस्थाओं के विरोध में चरणबद्ध आंदोलन का शंखनाद कर दिया है। संगठन ने रविवार को जयपुर में प्रदेश अध्यक्ष रमेश चंद्र पुष्करणा के नेतृत्व में आयोजित प्रेस वार्ता में आंदोलन की घोषणा करते हुए सरकार और विभागीय अधिकारियों पर शिक्षकों की समस्याओं की अनदेखी का आरोप लगाया।

प्रदेश महामंत्री महेंद्र कुमार लखारा ने कहा कि नई सरकार के गठन के बाद से संगठन लगातार संवाद और वार्ता के माध्यम से शिक्षकों की समस्याओं के समाधान का प्रयास करता रहा, लेकिन दो वर्षों से अधिक समय बीतने के बावजूद प्रमुख मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इससे प्रदेशभर के शिक्षकों में भारी आक्रोश है।

महासंघ ने शिविरा पंचांग में संशोधन, तृतीय श्रेणी सहित सभी संवर्गों के स्थानांतरण, पदोन्नित, क्रमोन्नत विद्यालयों में पदों की वित्तीय स्वीकृति, स्टाफिंग पैटर्न लागू करने, को सुचारू रखने, वेतन विसंगति दूर करने और संविदा शिक्षकों को नियमित करने जैसी मांगों को प्रमुखता से उठाया।

फुलेरा में 35 लाख की सड़कों का लोकार्पण

- फुलेरा विधायक विधाधर सिंह चौधरी का भव्य स्वागत

फुलेरा । समीपवर्ती ग्राम पंचायत तेज्याका बास में रविवार को विधायक विद्याधर सिंह चौधरी ने तेजाजी चौक तेजा का बास में करीब 1200 मीटर लंबी पक्की डामर सड़क एवं सीसी रोड का लोकार्पण किया। इन सड़कों के निर्माण पर लगभग 35 लाख रुपए की लागत आई है। इससे पूर्व फुलेरा विधायक विधाधर सिंह चौधरी का ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया। गांव के बाहर माध्यमिक विद्यालय के पास से डीजे और गाजे-बाजे के साथ विधायक का स्वागत जुलूस निकाला गया, जो गांव के विभिन्न मार्गों से होते हुए श्री तेजाजी चौक पहुंचा। वहां ग्रामीणों ने साफा व मालाएं पहनाकर विधायक का अभिनंदन किया। इस अवसर पर विधायक ने बताया कि अब तक क्षेत्र में विधायक कोष से करीब एक करोड़ पांच लाख रुपए के विकास कार्य कराए जा चुके हैं। इनमें सीनियर स्कूल तेज्याका बास में कक्षा कक्ष व चारदीवारी निर्माण, बलाई समाज श्मशान भूमि में बरामदे व कोटा स्टोन कार्य, फुलेरा से सिवानियां मोड नौरंगपुरा मेघा हाईवे किनारों की मरम्मत, कृषि उपज मंडी सांभरलेक से इरोलाव-तेजाकाबास लिंक रोड तक मरम्मत कार्य, इरोलाव में सीसी रोड एवं ब्लॉक रोड निर्माण, बरसात में गड्ढों की मरम्मत, भादरपुरा में रैगर मोहल्ले में नाला निर्माण तथा इटावा में सड़क निर्माण सहित अनेक विकास कार्य शामिल हैं। कार्यक्रम में जिला पार्षद महेंद्र नील, सरपंच संघ अध्यक्ष चंदालाल चौधरी, सरपंच हरदेव चौधरी, श्रवण जांदू, गिरधारी कुल्हारी, बाबूलाल चौधरी, मदन ऐचरा, महेश कुमार, पंचायत समिति सदस्य राजेंद्र गौरा, ब्रह्म प्रकाश स्वामी, नरेंद्र उज्जवल, गोपाल लाल, नगर काग्रेस कमेटी सांभर कांठोस अध्यक्ष कमल किशोर शुक्ला, फुलेरा अध्यक्ष अमरचंद सैनी, पूर्व पालिकाध्यक्ष नवल सोनी, कन्हैयालाल सकरवाल, दयानंद चौधरी, मनोज चौधरी और शैलेन्द्र शर्मा सहित करीब 50 अतिथियों का साफा व माला पहनाकर सम्मान किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय खिलाड़ी संतोष जाट, जिन्होंने 27वीं टेबल टेनिस प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया, उनका भी विधायक द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम में सैकड़ों ठाामीण उपस्थित रहे, मंच संचालन रामचंद्र भुखल महासचिव ब्लॉक कांग्रेस कमेटी फुलेरा विधानसभा ने किया।

धार्मिक कार्यक्रमों धूम रहेगी सोमनाथ मंदिर में

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा

दौसा (निसं.)। जिला प्रशासन की ओर से सोमवार, 11 मई को प्रात: 8 बजे से यहां सोमनाथ सर्किल स्थित सोमनाथ मंदिर परिसर में सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में भगवान शिव की आराधना के साथ धार्मिक, सांस्कृतिक एवं जनजागरूकता गतिविधियों का आयोजन होगा। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित मुख्य कार्यक्रम का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा।

अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविंद शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत प्रात: 8 बजे मीन भगवान मंदिर से सोमनाथ मंदिर तक निकाली जाने वाली कलश यात्रा से होगी।

इसके पश्चात भजन एवं संकीर्तन का आयोजन किया जाएगा तथा भगवान शिव के रुद्राभिषेक का शुभारंभ होगा।

सुबह 10 बजे से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया जाएगा, जिसे आमजन भी देख सकेंगे। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विषयों पर विद्वानों द्वारा परिचर्चा एवं संगोष्ठी आयोजित की जाएगी।

इनमें राजस्थान के शिवालयों पर चर्चा, द्वादश ज्योतिर्लिंगों की जानकारी तथा सोमनाथ स्वाभिमान पर्व : अखंड आस्था के 1000 वर्ष विषय पर विशेष व्याख्यान शामिल रहेगा। कार्यक्रम में विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। समापन सामूहिक महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ किया जाएगा।

भगवान महावीर स्वामी का मस्तकाभिषेक

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के श्रद्धालुओं द्वारा शहर के सभी जिनालयों में द्वितीय पट्टाधीश आचार्य कल्प श्रुत सागर महाराज के 39 वें समाधि दिवस पर मण्डल विधान के साथ मस्तकाभिषेक किया गया।

जिसमें सभी जैन मंदिरों के साथ बड़ा जैन मंदिर, नसियां जैन मंदिर सहित दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र महावीर जी में पूजा अर्चना की। जैन समाज के प्रवक्ता सुनिल भाणजा व विमल जौंला ने बताया कि आचार्य कल्प श्रुत सागर महाराज के समाधि दिवस पर आर्यिका श्रुतमति एवं सुबोध मति माताजी के विधिवत मंत्रोच्चार द्वारा पंचामृत अभिषेक व शांतिधारा के साथ मण्डल विधान आयोजित किया गया। जिसका सौभाग्य तेजकरण जैन, सुकुमाल जैन मौजमाबाद एवं सुनील चैनपुरा एवं मधु जैन चैनपुरा को मिला। इस अवसर पर अतिशय क्षेत्र महावीर जी में भगवान महावीर स्वामी जी के अभिषेक एवं शांतिधारा करने का सौभाग्य विमल पाटनी एवं संजू पाटनी जौंला को प्राप्त हुआ। आर्यिका श्रुतमति एवं सुबोध मति माताजी को श्रीफल चढ़ाया। इस दौरान मण्डल विधान में आर्यिका माताजी के सानिध्य में आचार्य कल्प श्रुत सागर महाराज की विशेष पूजा अर्चना की गई।

नाम परिवर्तन

मैने अपना नाम सांवर मल बलाई से बदलकर सांवर मल रख लिया है, भविष्य में मुझे सांवर मल के नाम से जाना पहचाना जावे। गजट नोटिफिकेशन अंक 06, दिनांक 07 मई 2026

- सांवर मल, अनुभाग अधिकारी, मुख्यमंत्री निवास कार्यालय, जयपुर
- पता- राधा कृष्ण धाम के पास, वीपीओ जालूंड, जिला सीकर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 603/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि वीना अनुपम, निवासी 1-ए 98, शिवशक्ति कालोनी, शास्त्री नगर, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास न्यू ब्लूम संस्था, 7/274 विधाधर नगर, जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 8.5.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइंदा तारीख पेशी 10.7.26

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस

समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 596/2026

(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री राजेश कौशिक निवासी एन एच 52, श्याम विहार कॉलोनी गोविन्दगढ स्याऊ तहसील चौमूं जिला जयपुर राजस्थान ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17(1) के अन्तर्गत टच वुड ट्रस्ट (Touch Wood Trust) एन एच 52, श्याम विहार कॉलोनी गोविन्दगढ स्याऊ तहसील चौमूं जिला जयपुर राजस्थान के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें। और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 8.5.26 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।

आइंदा तारीख पेशी 10.7.26

मोहर अदालत

सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग जयपुर

मातृ दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ में माताओं का सम्मान

टोंक में मातृ स्वरूप ममता से महाशक्ति तक विषय पर आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया।

टोंक। मातृ दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय स्थित ब्रह्माकुमारीज संस्थान के राजयोग भवन में 'मातृ स्वरूपरू ममता से महाशक्ति तक विषय पर आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मातृशक्ति के सम्मान के लिए विशेष समारोह हुआ, जिसमें प्रत्येक माता को मंच पर आमंत्रित कर ईश्वरीय सौगात भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शहर की बड़ी संख्या में माताओं और बहनों ने भाग लिया। कार्यक्रम में माहेश्वरी समाज की जिला अध्यक्ष रेखा जाजू ने कहा कि वर्तमान समय में बच्चों के जीवन में मोबाइल और टीवी संस्कारों का स्थान लेते जा रहे हैं, जिसका उनके मानसिक विकास पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। वही कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नीलिमा सिंह आमेरा ने कहा कि माता का स्वरूप स्वयं ईश्वर के समान होता है, एक मां ही बच्चे के जीवन में संस्कारों का बीजारोपण कर उसे श्रेष्ठ नागरिक बनाती है। भारतीय संस्कृति और नैतिक मूल्यों को आगे बढ़ाने में मातृशक्ति की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान की सराहना करते हुए कहा कि संस्था आधुनिक दौर में भी समाज को आध्यात्मिकता की ओर प्रेरित कर रही है और विभिन्न सामाजिक सरोकारों के माध्यम से समाज निर्माण का कार्य कर रही है। स्थानीय सेवा केंद्र प्रभारी ब्रह्माकुमारी अपर्णा ने कहा कि वंदे मातरम् भारतीय संस्कृति की आत्मा है, मां परिवार की वह शक्ति है, जो हर सदस्य को भावनात्मक और मानसिक रूप से मजबूत बनाती है।

परिंदों के लिए परिंडे लगाए

लालसोट। अनुराग सेवा संस्थान, लालसोट द्वारा स्थापना के 31 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे अनुराग-31 अभियान के तहत शनिवार को महन्त कल्याण दास जी महाराज आश्रम में संत बालकदास महाराज के सानिध्य में परिंडे लगाए गए। इस अवसर पर संत बालकदास महाराज ने कहा कि भीषण गर्मी में बेजुबान परिंदों के लिए पेयजल की व्यवस्था करना ईश्वर की सेवा के समान है। उन्होंने कहा कि सेवा भाव से किया गया कार्य ही मानव जीवन को सार्थक बनाता है। संस्थान के सचिव श्याम सुन्दर शर्मा ने बताया कि अनुराग-31 अभियान के अंतर्गत 3100 परिंडे लगाने एवं वितरित करने का लक्ष्य रखा गया है। इच्छुक नागरिक संस्थान कार्यालय से निशुल्क परिंडे प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम में सुनील खारला, संजय उपाध्याय, अनुराग प्रिय शर्मा एवं संस्थापक संयोजक सियाराम शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ऐतिहासिक बगीचियों के संरक्षण की मांग

भरतपुर (निस)। समृद्ध भारत अभियान के निदेशक सीताराम गुप्ता द्वारा राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पत्र लिखकर भरतपुर शहर की ऐतिहासिक बगीचियों, कुंडों, तालाबों एवं जल निकायों के समग्र विकास, संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण हेतु विशेष भरतपुर बगीची विकास एवं पुनर्जीवन योजना लागू किए जाने की मांग की गई है। गुप्ता ने बताया गया कि भरतपुर शहर अपनी ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरणीय धरोहरों के लिए विशेष पहचान रखता है। स्थापना काल से ही यहाँ अनेक बगीचियाँ, कुंड, डिग्गियां एवं जल स्त्रोत विकसित किए गए थे, जिनका उद्देश्य केवल सौंदर्यीकरण नहीं बल्कि जल संरक्षण, सामाजिक समरसता, स्वास्थ्य संवर्धन एवं धार्मिक आस्था को बढ़ावा देना था। समृद्ध भारत अभियान द्वारा समाज के सहयोग से भूरी सिंह बगीची, अलक-झलक बगीची तथा गोलमोल बगीची एवं जसवंत प्रदर्शनी स्थल सहित विभिन्न स्थलों पर पुनरुद्धार एवं विकास कार्य करवाए गए हैं। इसके बावजूद आज भी कई ऐतिहासिक बगीचियाँ एवं जल निकाय जीर्णोद्धार की प्रतीक्षा में हैं। निदेशक गुप्ता ने प्राथमिकता के आधार पर वाय वृक्ष बगीची, हरिहर बगीची, नवग्रह कुंड बगीची, श्मशानेश्वर महादेव बगीची एवं किले के अंदर स्थित बांगड़ वाले हनुमान जी की बगीची सहित अन्य स्थलों के विकास की मांग की गई है। प्रस्तावित योजना मे सभी प्राचीन एवं सार्वजनिक बगीचियों का सर्वे कर संरक्षण एवं सौंदर्यीकरण, पुराने कुंडों, तालाबों, बावडियों एवं जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार एवं सफाई, प्रत्येक बगीची में व्यापक वृक्षारोपण अभियान चलाकर छायादार एवं फलदार पौधों का रोपण, पेयजल एवं स्वच्छता सुविधाओं का विकास, योग स्थल एवं सार्वजनिक उपयोग की सुविधाओं का विकास तथा नगर निगम, विकास प्राधिकरण एवं वन विभाग के समन्वय से दीर्घकालीन विकास योजना तैयार करना।

प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए सम्मान समारोह विशेष मंच : जूली

मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह में मेधावियों का सम्मान

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने समारोह में आरएएस में चयनित अभ्यर्थियों, दसवीं और बारहवीं कक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया।

■ जूली रविवार को जयपुर के कर्बला मैदान स्थित हज हाउस में प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत राजस्थान द्वारा आयोजित 25वें रजत जयंती मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित किया

जयपुर। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि मुस्लिम समाज की मेधावी प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह एक विशेष मंच है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से न केवल प्रतिभाओं को सम्मान मिलता है, बल्कि अन्य युवाओं को भी आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

जूली रविवार को जयपुर के कर्बला मैदान स्थित हज हाउस में प्रांतीय मुस्लिम तेली महापंचायत राजस्थान द्वारा आयोजित 25वें रजत जयंती मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने समाज की प्रतिभाओं की हौसला अफजाई करते हुए शिक्षा और सामाजिक भागीदारी को आगे बढ़ाने पर जोर दिया।समारोह में आरएएस में चयनित अभ्यर्थियों, दसवीं और बारहवीं कक्षा में 85 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों तथा समाज की अन्य प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में रफीक खान, अमीन कागजी, बृजकिशोर शर्मा सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। इसके अलावा एमडी चोपदार, केसी घुमरिया, हामिद मेवाती, हुसैन खान, अब्दुल लतीफ, पूर्व मंत्री अशरफ अली, हजरत उस्मान, इरफान खान, असगर और अजमेरी सहित समाज के प्रबुद्धजन कार्यक्रम में शामिल हुए।

होटल के अवैध हुक्का बार पर पुलिस का छापा

जयपुर। जालूपुरा थाना पुलिस ने अवैध हुक्का बार और अवैध हथियारों के खिलाफ रविवार को दो बड़ी कार्रवाइयां करते हुए एक होटल की छत पर संचालित हुक्का बार का भंडाफोड़ किया तथा एक युवक को अवैध कटार के साथ गिरफ्तार किया।

पुलिस उपायुक्त (जयपुर उत्तर) करण शर्मा ने बताया कि अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (द्वितीय) बजरंग सिंह के निर्देशन एवं सहायक पुलिस आयुक्त (कोतवाली) राजेंद्र कुमार मीणा के पर्यवेक्षण में जालूपुरा थानाधिकारी हवासिंह के नेतृत्व में थाना पुलिस और डीएसटी जयपुर उत्तर की संयुक्त टीम ने एमआई रोड स्थित होटल लेजर इन ग्रांड चाणक्य क्लब नाइट जार रिलोडेड पर छापा मारा। पुलिस जांच में सामने आया कि होटल की छत पर बने रेस्टोरेंट की आड़ में ग्राहकों को प्रतिबंधित हुक्का परोसा जा रहा था। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने मौके से 14 हुक्के, 14 चिलम और 14 पाइप नली जब्त की। इसके अलावा 40 पाइप नली, 14 अतिरिक्त चिलम, छह फिल्टर पाइप प्लास्टिक पैकेट, एल्यूमिनियम फॉइल के टुकड़े, 12 चिमटे, एक स्टील चाकू, 56 स्टील हुक्का प्लेट तथा विभिन्न प्रकार के हुक्का फ्लेवर भी बरामद किए गए।

पुलिस ने मौके से हुक्का बार के मैनेजर किशोर सिंह (38) निवासी घासीपुरा, तूंगा को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ कोटपा संशोधन अधिनियम की धारा 4ए/21ए के तहत मामला दर्ज किया गया है। वहीं हुक्का पीते मिले ग्राहकों के खिलाफ भी कोटपा एक्ट के तहत चालान की कार्रवाई की गई।एक अन्य कार्रवाई में जालूपुरा थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बड़ी मस्जिद के पास से जुमन (23) निवासी मालदा, पश्चिम बंगाल हाल खानाबदोश जालूपुरा को गिरफ्तार किया।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय आवासन और शहरी कार्य तथा विद्युत मंत्री मनोहर लाल एवं केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल से मुलाकात की।

डॉक्टरों का आंदोलन स्थगित

जयपुर। डॉ. सोनदेव बंसल के परिजनों के साथ कथित मारपीट के मामले में विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किए जाने के बाद जयपुर में चल रहा डॉक्टरों का आंदोलन रविवार को स्थगित कर दिया गया। आंदोलन समाप्त होने के साथ ही 7 मई की रात से बंद पड़े निजी अस्पतालों में मरीजों के उपचार की सुविधा फिर से शुरू हो गई है। पुलिस की ओर से एसआईटी गठन की घोषणा के बाद इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), जयपुर मेडिकल एसोसिएशन (जेएमए) एवं प्राइवेट हॉस्पिटल्स एंड नर्सिंग होम्स एसोसिएशन (पीएचएनएचए) सहित विभिन्न चिकित्सा संगठनों के पदाधिकारियों की एसएमएस अस्पताल स्थित जेएमए सभागार में बैठक आयोजित हुई। बैठक में आंदोलन को स्थगित करने का निर्णय लिया गया। आईएमए राजस्थान के जोनल सचिव डॉ. अनुराग शर्मा ने बताया कि सभी संगठनों ने मरीजों की सुविधा को देखते हुए तत्काल प्रभाव से निजी अस्पतालों में चिकित्सा सेवाएं पुनः शुरू करने का निर्णय लिया है।

एन.एच.एम. आयुष भर्ती में पदवर्गीकरण, कॉमन मेरिट पर विवाद

■ मंगलवार को करेंगे धरना प्रदर्शन

जयपुर। प्रदेश में गत वर्ष निकाली गई नेशनल हेल्थ मिशन आयुष मेडिकल ऑफिसर भर्ती को लेकर राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड और नेशनल हेल्थ मिशन के अधिकारी विवादों में घिर गए हैं। भर्ती प्रक्रिया में अपनाई गई कॉमन मेरिट व्यवस्था से हजारों अभ्यर्थियों को नुकसान होने का आरोप लगाया गया है। पिछले एक महीने से अभ्यर्थी अपनी मांगों को लेकर विभाग और सरकार के चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं निकला है। इस संबंध में होम्योपैथी डेवलपमेंट एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. दीपक मीणा, डॉ. अमित, डॉ. सोनू एवं डॉ. संदीप ने रविवार को पिंकसिटी प्रेस क्लब में आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा गत वर्ष 1535 पदों पर भर्ती निकाली गई थी, जिसमें आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी – तीनों चिकित्सा पद्धितयों के अभ्यर्थी शामिल हुए थे।

उन्होंने बताया कि भर्ती प्रक्रिया शुरू से ही पद्धितवार संचालित की गई थी। परीक्षा में पद्धित के अनुसार पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया था, शामिल अभ्यर्थी भी पद्धितवार आए थे तथा कुल 150 प्रश्नों में से 90 प्रश्न संबंधित पद्धित के अलग-अलग पूछे गए थे, जो चयन का मुख्य आधार थे। इसके अतिरिक्त बोर्ड द्वारा ओएमआर शीट में भी अभ्यर्थियों से अपनी-अपनी पद्धित के अनुसार गोले भरवाए गए थे। परीक्षा के बाद कर्मचारी चयन बोर्ड ने मास्टर प्रश्न पत्र एवं उत्तर कुंजिका भी पद्धितवार अलग-अलग जारी की, लेकिन अंतिम परिणाम जारी करते समय कॉमन मेरिट एवं कॉमन कटऑफ जारी कर दी गई।

डॉ. दीपक मीणा ने बताया कि परीक्षा में अलग-अलग पद्धितयों के प्रश्नपत्र होने के बावजूद एक ही मेरिट सूची जारी की गई। इसके अलावा आयुर्वेद में 5 प्रश्न, होम्योपैथी में 3 और यूनानी में 2 प्रश्न हटाए गए, जिससे तीनों पद्धितयों का अंक भार अलग-अलग हो गया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस वजह से होम्योपैथी और यूनानी अभ्यर्थियों को लगभग 6 प्रतिशत तक नुकसान उठाना पड़ा। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सिलेबस, प्रश्नपत्र, ओएमआर शीट, मास्टर पेपर और उत्तर कुंजी सभी पद्धितवार थे, तो फिर कॉमन मेरिट किस आधार पर बनाई गई, जबकि भर्ती विज्ञिप्त में कहीं भी कॉमन मेरिट का कोई प्रावधान नहीं था।

उनका कहना है कि चयन बोर्ड ने पहले ही विभाग से पदों के स्पष्ट वर्गीकरण की मांग की थी, लेकिन एनएचएम विभाग ने भारत सरकार की पीआईपी गाइडलाइन एवं राजस्थान सीएसआर रूल का हवाला देते हुए पदों के वर्गीकरण से मना कर दिया। जबकि भारत सरकार की पीआईपी गाइडलाइन के अंतर्गत ही मध्यप्रदेश एवं बिहार में आयुष मेडिकल ऑफिसर भर्ती में पद्धितवार पदों का वर्गीकरण कर भर्ती आयोजित की गई है।

अपराधी गिरफ्तार

निवाई। सदर थाना पुलिस ने अपराधियों के धरपकड़ अभियान के तहत लंबे समय से फरार चल रहे पुलिस थाने के टॉप टेन एक वांछित अपराधी को गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी राजेन्द्र प्रसाद पुलिस की गठित टीम ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में पुलिस थाने के टॉप टेन फैजान पुत्र फरीद खान निवासी कायमखानियों की गली, मेहंदीबाग, टोंक हाल निवासी बहीर स्थित बीपीएम कॉलोनी को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि आरोपी के खिलाफ निवाई सदर थाने में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं के तहत मामला दर्ज था।

नववधु अभिनंदन समारोह आयोजित

जयपुर। अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में रविवार को आराध्य देव गोविंद देव जी मंदिर में महंत अंजन कुमार गोस्वामी महाराज के सानिध्य में नववधु अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। जानकी नवमी के अवसर पर अंबाबाड़ी में आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में परिणय सूत्र में बंधे नव दंपतियों ने समारोह में सहभागिता कर वैदिक रीति से सुखद दाम्पत्य जीवन का संकल्प लिया। सीकर और अजमेर से आए नव दंपति ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।कार्यक्रम में सभी नव दंपतियों ने ठाकुर राधा गोविंद देव जी, वेदमाता गायत्री, गुरु सत्ता एवं मां गौरी का पूजन कर अपने वैवाहिक जीवन की मंगलकामना की।

गोविंद देव जी मंदिर के सेवा अधिकारी मानस गोस्वामी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। आचार्य पीठ से अमरदीप पारीक, प्रखर सक्सेना, मोहन सिंह एवं अजय गुप्ता ने प्रज्ञा गीतों के साथ वैदिक मंत्रोच्चार से पंचकुंडीय गायत्री यज्ञ सम्पन्न कराया।

अमरदीप पारीक ने उद्बोधन में कहा कि पति-पत्नी गृहस्थ जीवन रूपी रथ के दो पहिए हैं। दोनों के संतुलन, सहयोग और परस्पर सम्मान से ही परिवार में सुख, शांति और समृद्धि आती है। उन्होंने नव दंपतियों से जीवनभर एक-दूसरे के प्रति संवेदनशील और सहयोगी बने रहने का अव्हान किया।श्रीराम जानकी सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन के अध्यक्ष डॉ. विष्णु दत्त पुजारी ने सभी नव दंपतियों को साड़ी, सुहाग सामग्री, साहित्य सेट एवं बलिवैश्व पात्र भेंट कर आशीर्वाद दिया।

'सह आरोपी के बयान के आधार पर किसी को मुकदमे में फंसाना न्यायसंगत नहीं'

■ मामला ब्यावर सदर थाना में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें पुलिस ने 18 फरवरी 2026 को जवान सिंह से 27.77 ग्राम स्मैक बरामद की। पूछताछ के दौरान जवान सिंह ने सप्लाई चेन में अक्षय का नाम लिया

■ कोर्ट ने इस बात पर भी चिंता जाहिर की कि ऐसे मामलों में बेगुनाह को न सिर्फ़ कस्टडी में रहना होगा, बल्कि बेवजह केस की प्रक्रिया से भी जूझना पड़ता है

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने एनडीपीएस एक्ट के मामले में गंभीर टिप्पणी की है कि पुलिस को पर्याप्त सबूत होने या नहीं होने से कोई मतलब नहीं है। ट्रायल कोर्ट को चार्ज फ्रेम करते समय गौर करना चाहिए कि कोई कमी है तो बेगुनाह को मुआवजा दिलाने के लिए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और पूर्ववर्ती दंड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों का इस्तेमाल करें। केवल सह आरोपी के बयान के आधार पर किसी को मुकदमे में फंसाना न्यायसंगत नहीं है।

कोर्ट ने इस बात पर भी चिंता जाहिर की कि ऐसे मामलों में बेगुनाह को न सिर्फ़ कस्टडी में रहना होगा, बल्कि बेवजह केस की प्रक्रिया से भी जूझना पड़ता है। कोर्ट ने गृह विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव व पुलिस महानिदेशक को आदेश की कॉपी भेजकर कार्रवाई की अपेक्षा की है, ताकि धरातल पर पुलिस की लापरवाही की वजह से बेगुनाहों को परेशानी न हो।

न्यायाधीश अशोक कुमार जैन ने ब्यावर जेल में बंद अक्षय की जमानत मंजूर कर रिहा करने का आदेश दिया। कोर्ट ने टिप्पणी की है कि लगता है किसी व्यक्ति का नाम लेकर उसे ट्रायल का सामना करने को मजबूर करने के लिए कानूनी सबूत की ज़रूरत नहीं है।

इसकी वजह है कि चार्जशीट की सिफारिश से पहले प्रॉसिक्यूशन से सलाह लेने की व्यवस्था की कमी है। इस मामले में सबूतों की कमी है और ट्रायल के लिए सबूत पर्याप्त नहीं हैं, लेकिन सभी पहलुओं पर विचार किया जाता तो याचिकाकर्ता को मुकदमे में उलझने के लिए मजबूर नहीं होना पड़ता। स्वतंत साक्ष्यों के अभाव में केवल सह आरोपी के बयान के आधार पर आरोपी बनाना और उसे ट्रायल का सामना मजबूर करना गंभीर चिंता का विषय है। मामला ब्यावर सदर थाना में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है, जिसमें पुलिस ने 18 फरवरी 2026 को जवान सिंह से 27.77 ग्राम स्मैक बरामद की। पूछताछ के दौरान जवान सिंह ने सप्लाई चेन में अक्षय का नाम लिया।

हालांकि, अक्षय से कोई बरामदगी नहीं हुई। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने उसके खिलाफ भी चालान पेश कर दिया था। याचिकाकर्ता की ओर से कोर्ट को बताया गया कि अन्य सह-आरोपियों को हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है। याचिकाकर्ता के खिलाफ प्रत्यक्ष साक्ष्य या बरामदगी नहीं है।

'दो आरोपियों को मिल चुकी जमानत, तीसरे आरोपी को वकील मुहैया कराए प्राधिकरण'

■ 'पुलिस महानिदेशक विचार करें कि इस मामले में न याचिकाकर्ता से कोई रिकवरी हुई और न वह उन दो लोगों के साथ गाड़ी में था'

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने मादक पदार्थों से जुड़े प्रकरण में दो आरोपियों की रिहाई के बावजूद तीसरे आरोपी के जमानत के लिए कोर्ट नहीं आने को गंभीरता से लिया है। कोर्ट ने कोटा जिले के इस मामले में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव से कहा है कि अगर उस व्यक्ति का अभी कोई वकील नहीं है, तो उसे रिप्रेजेंट करने के लिए लीगल एड वकील उपलब्ध कराया जाए।

न्यायाधीश अशोक कुमार जैन ने इनायत उर्फ बिट्टू की जमानत मंजूर करते हुए यह आदेश दिया। कोर्ट ने इस बात पर आश्चर्य जताया कि कोर्ट से दो आरोपियों को ज़मानत मिल चुकी, लेकिन तीसरे आरोपी के जमानत कोर्ट नहीं आने के कारण उसे अभी भी ज़मानत नहीं मिली है। ऐसे में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव ऐसे व्यक्ति को वकील की निःशुल्क सहायता उपलब्ध कराए।

कोर्ट ने पुलिस महानिदेशक को आदेश की कॉपी भेजकर कहा कि इस मामले में याचिकाकर्ता के खिलाफ बिना कोई बरामदगी एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के अंतर्गत चार्जशीट पेश की गई है। ऐसे में पुलिस महानिदेशक विचार करें कि इस मामले में न याचिकाकर्ता से कोई रिकवरी हुई और न वह उन दो लोगों के साथ गाड़ी में था जिनसे रिकवरी हुई। इसके बावजूद उसके खिलाफ चार्जशीट पेश की गई है, जिससे उसे एनडीपीएस कानून से जुड़े मामले में ट्रायल का सामना करना पडेगा। यह याचिकाकर्ता सिर्फ़ उन दो दूसरे लोगों के साथ जा रहा था, जिनके पास प्रतिबंधित सामान था। इस मामले में चार्जशीट पेश होने के कारण अब ट्रायल कोर्ट को तय करना होगा कि पुलिस की ओर से उपलब्ध कराई गई सामग्री चार्ज तय करने के लिए पर्याप्त है या नहीं।

नशीला पदार्थ पिलाकर छात्रा से दुष्कर्म

जयपुर। जयपुर में पडोसी युवक ने नाबालिग 9वीं क्लास की छात्रा को धोखे से मिलने का झांसा देकर बुलाया और होटल में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। आरोपी के चुंगल से मुक्त होने के पीड़िता ने मामले की जानकारी अपने परिजनों को दी। गुस्साए परिजनों ने पीड़िता को थाने ले जाकर मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने पीड़िता के बयानों के आधार पर पोस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने बताया कि जयपुर निवासी 15 वर्षीय नाबालिग युवती 9वीं क्लास की छात्रा है । पड़ोस में रहने वाले युवक ने नाबालिग युवती को मिलने का झांसा देकर अकेले बुलाया और झांसा देकर होटल में ले गया। जिसके बाद आरोपी ने उसे कॉफी में नशीला पदार्थ मिलाकर पिलाया और अचेत अवस्था में उसके साथ दुष्कर्म किया। होश में आने के बाद पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी युवक ने उसे डरा-धमका कर चुप करवा दिया। आरोपी के चुंगल से मुक्त होने के बाद पीड़िता अपने घर पहुंची और मामले की जानकारी परिजनों को दी।

सार-समाचार

कुंभारम आर्य की 112वीं जयंती मनाई

जयपुर। किसान नेता एवं स्वतंत्रता सेनानी कुंभारम आर्य की 112वीं जयंती जयपुर स्थित किसान घाट पर श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर उनकी पुत्रवधु एवं किसान नेता सुचित्रा आर्य ने उनके जीवन संघर्ष और किसान हित में किए गए ऐतिहासिक योगदानों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जागीरदारी प्रथा के उन्मूलन से लेकर किसानों को खातेदारी अधिकार दिलाने तक चौधरी साहब का संघर्ष अद्वितीय था। उन्होंने कहा कि मज़दूर से मालिक तक की यात्रा केवल एक नारा नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की सबसे बड़ी क्रांति थी, जिसके सूत्रधार चौधरी कुंभाराम आर्य थे। आर्य साहब ने किसानों को मालिकाना हक दिलाने के लिए पंडित नेहरू के समक्ष जो खाका प्रस्तुत किया, उसकी सबसे महत्वपूर्ण शर्त यह थी कि काश्तकारों को निःशुल्क खातेदारी अधिकार दिए जाएँ, ताकि कोई भी किसान आर्थिक अभाव के कारण भूमि अधिकारों से वंचित न रहे।उन्होंने कहा कि आज भी गांव, गरीब और भूमिहीन परिवारों को बसने के अधिकार की महती आवश्यकता है तथा निःशुल्क आवासीय अधिकार सुनिश्चित करने के विषय को लेकर वे संकल्पित हैं। इस दौरान उपस्थित रहें पूर्व विधायक सुचित्रा आर्य, भू-स्टेलमेंट कमिशनर अल्पा चौधरी, अनुष्का आर्य, ऋषि राज आर्य, सुरेश चौधरी, कल्पना चौधरी, रमेश पुनिया, शंकर लाल शर्मा, सुमित शर्मा, एडिशनल एसपी रामनिवास बिश्नोई,कल्पना चौधरी, रोशन लाल शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे !

पिंक क्लब मदर्स डे सेलिब्रेशन

जयपुर। माँ ने हमें कीमती नगीना बनाया है, तब ही तो आज हम हर परिस्थिति में अपने आप को ढाल लेते हैं । हम आधुनिकता और परम्परा का समावेश हैं । अगर हम एक शब्द हैं तो वो पूरी भाषा है , माँ के रहते जीवन में कोई गम नहीं होता , दुनिया साथ दे ना दे माँ का प्यार कभी कम नहीं होता , माँ मेरे लिए संसार है । ये कहना है पिंक क्लब मेंबर्स दिव्या , उषा , सुषमा , अमिता , सुमित्रा , त्रिविधा, यशोधरा , आभा , डॉ उषा , पूर्णिमा, अनिल प्रभा , प्रतिभा का । डॉ सुषमा के के ने बताया मदर्स डे के अवसर पर सबको माँ के लिए कुछ उद्गार प्रकट करने थे सबका मानना है माँ को किसी विशेष दिन में नहीं बाँधा जा सकता वो तो पल पल में समाई है माँ बैंक है जिसमें हम अपने सुख दुख जमा करके निश्चिंत हो जाते हैं । माँ का प्यार हमारे लिए अनमोल है माँ पर अपने अनुभव बताते हुए सबकी आँखें नम हो गईं । सबने माँ से संबंधित गाने गाये उनको नमन किया ।

तरबूज से भरी पिकअप पलटी

निवाई। राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार को सुबह गुंसी पुलिया के समीप तरबूज भरकर जा रही एक पिकअप का अचानक टायर फट गया। जिससे पिकअप असंतुलित होकर पलट गई। पिकअप पलट जाने से सडक़ पर तरबूज फैल कर फूट गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने बताया कि पिकअप चालक अख्तर अली पुत्र जुम्मा खा नैनवा से तरबूज भरकर चाकसू ले जा रहा था। इसी दौरान गुन्सी पुलिया के समीप पिकअप का टायर फट गया जिससे पिकअप पलट गई ।

ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 की तैयारियों की बैठक आयोजित

■ 'एक लाख से अधिक किसानों की भागीदारी, तकनीक आधारित खेती को मिलेगा नया आयाम'

अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग अभय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में -2026 की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की ।

जयपुर । राजस्थान सरकार द्वारा आयोजित होने जा रहा ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट ()-2026 प्रदेश में आधुनिक, तकनीक आधारित और बाजार उन्मुख कृषि व्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल साबित होगा। रविवार को पंत कृषि भवन के सभा कक्ष में अतिरिक्त मुख्य सचिव जल संसाधन विभाग अभय कुमार की अध्यक्षता में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में -2026 की तैयारियों की व्यापक समीक्षा की गई।

बैठक में सभी संबंधित कमेटियों एवं अधिकारियों ने भाग लिया तथा विभिन्न समितियों के प्रभारियों द्वारा पीपीटी प्रजेंटेशन के माध्यम से तैयारियों का विस्तृत प्रस्तुतीकरण किया गया।बैठक के दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव ने आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि कार्यक्रम में आने वाले किसानों को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी व्यवस्थाएं समयबद्ध एवं व्यवस्थित रूप से पूर्ण की जाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूर्ण सतर्कता, समन्वय और समयबद्धता के साथ करें, ताकि आयोजन में आने वाले किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, तकनीकी सत्रों, एग्रीटेक प्रदर्शनी, किसान सहभागिता, आवागमन, आवास एवं अन्य लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं पर गहन चर्चा की गई। साथ ही स्टार्टअप्स, एग्रीटेक कंपनियों, कृषि वैज्ञानिकों और किसानों के बीच सीधा संवाद स्थापित कर कृषि को लाभकारी, टिकाऊ एवं नवाचार आधारित बनाने की रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया।

हाईवे पर लूट-डकैती करने वाला बदमाश गिरफ्तार

जयपुर। जयपुर-आगरा हाईवे पर लिफ्ट देने के बहाने यात्रियों से लूट और डकैती करने वाले गिरोह के एक 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश को बस्सी थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार चल रहा था और बस्सी थाने में दर्ज लूट व डकैती के दो मामलों में वांछित था।

पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने बताया कि बस्सी थाना पुलिस ने जयपुर-आगरा हाईवे पर लिफ्ट देने के बहाने यात्रियों से लूट और डकैती करने वाले गिरोह के एक 10 हजार रुपए के इनामी बदमाश तनूज गुर्जर (19) निवासी ग्राम रामसर तूंगा जयपुर को गिरफ्तार किया है।

बस का इंतजार कर रहे यात्रियों को किराए की कार में लिफ्ट देने का झांसा देते थे। इसके बाद उन्हें सुनसान स्थान पर ले जाकर मारपीट कर मोबाइल, नकदी, चेन सहित कीमती सामान लूट लेते थे। आरोपी पीड़ितों से फोन-पे का पासवर्ड पूछकर रकम ऑनलाइन गेमिंग अकाउंट में ट्रांसफर कर फरार हो जाते थे। थानाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि डकैती की घटना के खुलासे के लिए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त आलोक सिंह के सुपरविजन तथा सहायक पुलिस आयुक्त बस्सी लक्ष्मी सुथार के निर्देशन में टीम गठित की गई। टीम में उपनिरीक्षक सुरेन्द्र कुमार, कांस्टेबल राजेन्द्र , रामराज , मुकुट बिहारी तथा जयराम शामिल थे।

थानाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि 18 अगस्त 2025 को धामस्या ढाणी निवासी उमराव सिंह गुर्जर ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि वह ट्रांसपोर्ट नगर से अपने घर जाने के लिए खड़ा था। इसी दौरान एक स्विफ्ट कार चालक ने उसे बासखो स्टेशन तक छोड़ने की बात कहकर कार में बैठा लिया। रास्ते में कार में अन्य लोगों को भी बैठाया गया और बाद में बहाने से कार को बेनाड़ा गांव की ओर मोड़कर कल्पना नगर ले जाया गया। वहां आरोपियों ने लकड़ी के डंडों से मारपीट कर उससे 20 हजार रुपए नकद, सोने की चैन, मोबाइल फोन और बैग छीन लिया। आरोपियों ने फोन-पे के जरिए उसके खाते से एक हजार रुपए भी ट्रांसफर कर लिए। इस संबंध में बस्सी थाने में विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया था। जांच के दौरान पुलिस टीम ने लगातार निगरानी रखते हुए बीटीएस, सीडीआर विश्लेषण और करीब 200 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

नहीं, मेरे पास पहले ही एक टीम थी। मेरे पास पहले ही पद था। मैं बस यहां आना चाहता था और टीम के साथ जुड़ना चाहता था। इस बदलाव में आपकी मांगें नहीं हो सकती हैं। – संजू सैमसन

भारतीय बल्लेबाज, सीएसके की कप्तानी को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी ▶

अर्शदीप सिंह

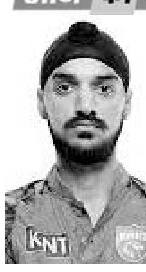

पंजाब किंग्स के लिए खेल रहे अर्शदीप ने आईपीएल 2026 में अभी तक सबसे ज्यादा रन दिए हैं।यह गेंदबाज 10 मैच में 38 ओवर फेंकते हुए 396 रन खर्च कर चुका है। यह इस सीजन में सर्वाधिक है। उन्हें अभी तक 11 विकेट भी मिले हैं लेकिन उनकी इकॉनमी 10.42 की रही है। उनके बाद इस सीजन सबसे ज्यादा रन खर्च करने में सनराइजर्स हैदराबाद के इशान मलिंगा (38.2 ओवर में 362 रन), गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा (39 ओवर में 360 रन), दिल्ली कैपिटल्स के टी नटराजन (31.5 ओवर में 356 रन), पंजाब के मार्को यानसन (35.2 ओवर में 350 रन) के नाम आते हैं।

क्या आप जानते हैं ?... पीटी उषा का 1984 में महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में बनाया गया राष्ट्रीय रिकॉर्ड भारतीय एथलेटिक्स में सबसे लंबे समय तक कायम रहने वाला रिकॉर्ड है। इसे 39 साल बाद 2023 में विथ्या रामराज ने ही तोड़ा था।

मुंबई प्लेऑफ की रेस से बाहर, बेंगलुरु ने 2 विकेट से हराया

क्रुणाल की फिफ्टी, भुवनेश्वर को 4 विकेट

नई दिल्ली, 10 मई। मुंबई इंडियंस की प्लेऑफ रेस से बाहर हो गई है। उसे रविवार के दूसरे मैच में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 2 विकेट से हराया। इस हार के बाद मुंबई की टीम अगले 3 मैच जीतकर भी 12 अंक तक ही पहुंच सकेगी, जोकि प्लेऑफ के लिए काफी नहीं है। रायपुर के शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम में बेंगलुरु ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। मुंबई ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 166 रन बनाए। 167 रन का टारगेट बेंगलुरु ने 20वें ओवर की आखिरी बॉल पर चेज किया। टीम ने 8 विकेट गंवा दिए थे। बेंगलुरु की ओर से क्रुणाल पंड्या ने 46 बॉल पर 73 रन की पारी खेली। वहीं, गेंदबाजी में भुवनेश्ववर कुमार ने 4 विकेट झटके। मुंबई के लिए तिलक वर्मा ने अर्धशतक लगाया। उन्होंने 42 बॉल पर 57 रन की पारी खेली। उनके अलावा नमन धीर ने 47 रन बनाए। बेंगलुरु के लिए भुवनेश्वर कुमार ने 4 विकेट लिए।

'ग्रैंड चेस टूर' डी गुकेश छठे स्थान पर रहे, हंस नीमैन बने विजेता

नई दिल्ली, 10 मई। विश्व चैंपियन डी गुकेश को छठे स्थान से संतोष करना पड़ा जबकि अमेरिका के हेन्स मोके नीमैन ने अंत तक धैर्य बरकरार रखते हुए 'सुपर रेपिड एवं ब्लिट्ज' का खिताब जीत लिया। यह टूर्नामेंट 'ग्रैंड चेस टूर' का हिस्सा है। गुकेश ने 36 संभावित अंक में से 17 अंक हासिल करके अपना अभियान समाप्त किया। खिलाड़ियों ने नौ रेपिड और 18 ब्लिट्ज बाजियां खेलीं। हर रेपिड बाजी जीतने पर दो अंक और ब्लिट्ज बाजी जीतने पर एक अंक निर्धारित था। गुकेश ने रेपिड में नौ और ब्लिट्ज में आठ अंक जुटाए। हालात और भी खराब हो सकते थे लेकिन गुकेश ने आखिरी दौर में पोलैंड के डूडा यान-क्रिस्टोफ को हराकर वापसी की।

गुकेश ने ग्रैंड चेस टूर के मुख्य टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया था और इस साल वे केवल रेपिड और ब्लिट्ज प्रारूपों में ही खेलेंगे। सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन गुकेश इस साल के अंत में नार्वे शतरंज टूर्नामेंट के अलावा अमेरिका के जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ विश्व चैंपियनशिप मुकाबला भी खेलने वाले हैं। गुकेश को आखिरी दिन तीन जीत मिलीं। उन्होंने अमेरिका के वेस्ली सो, नीमैन और डूडा को हराया। उन्हें चार हार का सामना करना पड़ा जिसमें सिंदारोव के खिलाफ शिकस्त भी शामिल है।

नीमैन ने आखिरी दो दौर जीते और टूर्नामेंट का समापन कुल 22.5 अंक के साथ किया। उन्हें ट्रॉफी के अलावा 50 हजार डॉलर का पहला पुरस्कार भी मिला। अंतिम दौर में नीमैन ने पोलैंड के राडोस्लाव वोज्टाजेक को हराया। अमेरिका के फाबियानो करुआना 22 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे जो वेस्ली से एक अंक अधिक है। स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव 18 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे जबकि फ्रांस के अलिरेजा फिरोजा ने पांचवां स्थान हासिल किया। ग्रैंड चेस टूर का कारवां अब 'सुपर क्लासिक' टूर्नामेंट के लिए रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट की ओर बढ़ेगा और इस टूर्नामेंट में भारत की ओर से एकमात्र खिलाड़ी आर प्रज्ञानानंदा हिस्सा लेंगे।

भारतीय आर्चरी महिला टीम ने वर्ल्ड कप में जीता गोल्ड

हाईवोल्टेज फाइनल में चीन को शूट ऑफ में चटाई धूल

नई दिल्ली, 10 मई। भारत की महिला रिकर्व टीम ने शंघाई में हुए तीरंदाजी विश्व कप 2026 के दूसरे चरण में मेजबान चीन को एक कड़े मुकाबले वाले फाइनल में हराकर गोल्ड मेडल जीत लिया है। दीपिका कुमारी, अंकिता भगत और 17 साल की कुमकुम मोहद की तिकड़ी ने मुकाबले के आखिरी पलों में भी अपना संयम बनाए रखा और हाल के सालों में भारत के लिए सबसे अहम टीम खिताबों में से एक हासिल किया।

दीपिका ने टीम को संभाला

गोल्ड मेडल मैच एक हाई-स्कोरिंग और बराबरी का मुकाबला था। दोनों टीमों ने हर राउंड में एक-दूसरे को कड़ी टक्कर दी और पूरे मैच के दौरान अंकों का अंतर बहुत कम रहा। भारत की ताकत उसकी निरंतरता में थी। उन्होंने शायद ही कभी नौ-रिंग से नीचे स्कोर किया और उन अहम पलों का फ़ायदा उठाया, जहां चीन दबाव में आकर थोड़ा लड़खड़ा गया। इस तिकड़ी की सबसे अनुभवी सदस्य दीपिका कुमारी ने एक बार फिर टीम को संभालने में अहम भूमिका निभाई। अंकिता भगत ने लगातार अच्छा स्कोर करके उनका साथ दिया, जबकि कुमकुम मोहद ने अपनी उम्र के हिसाब से जबरदस्त संयम दिखाया और इतने बड़े फाइनल मैच में भी अपनी लय बनाए रखी। मैच का निर्णायक मोड़ आखिरी राउंड में आया, जहां भारत ने बेहतर ग्रुपिंग और कम अंक गंवाकर बढ़त बना ली।

भारत का टूर्नामेंट में सफर

इस टूर्नामेंट में भारत के सफर की बात करें तो

राउंड ऑफ 16 में भारतीय टीम ने उज़्बेकिस्तान को 6-2 से हराकर टूर्नामेंट में अपनी शुरुआत को मजबूत बनाया। इसके बाद वियतनाम के ख़िलाफ क्वार्टरफ़ाइनल का मुकाबला काफी मुश्किल रहा, जहां 5-4 से मैच टाई होने के बाद फ़ैसला शूट-ऑफ से हुआ। भारत ने निर्णायक पल में अपना संयम बनाए रखा और 28-25 से जीत हासिल करके अगले दौर में जगह बनाई। इस पूरे अभियान का सबसे अहम पल सेमीफ़ाइनल में आया, जहां उन्होंने टॉप सीड वाली टीम साउथ कोरिया को 5-1 से हराया। साउथ कोरिया को दुनिया की रिकर्व तीरंदाज़ी में सबसे ताक़तवर टीम माना जाता है, लेकिन भारतीय टीम ने अपनी सटीक निशाने और बेहतरीन रणनीति के दम पर उन्हें मात दी। पहले और आखिरी सेट में 58-55 और 58-56 के स्कोर ने यह साबित कर दिया कि भारत दुनिया की बेहतरीन टीमों के ख़िलाफ भी लगातार बड़ा स्कोर बनाने की क्षमता रखता है। सेमीफ़ाइनल के इस नतीजे ने फाइनल से पहले का माहौल ही बदल दिया। उसके बाद भारत को खिताब का सबसे मजबूत दावेदार माना जाने लगा और भारतीय टीम ने यह सही भी साबित कर दिया।

टीम-ए चैम्पियन व टीम-बी उपविजेता रही

गौरव सालवी का शतक व जयंत ताम्बी का अर्धशतक

जयपुर, 10 मई । जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटा ट्रॉफी के अंतर्गत आज से खेले गए तीन दिवसीय मैच में अंतिम दिन टीम सी (मान क्लब) ने कल के स्कोर 5 विकेट पर 143 रन से आगे खेलते हुए मानेंद्र सिंह के 30 रन, अमन सिंह शेखावत के 52 रन व मोहम्मद खूबेब के 25 रनो से 61.4 ओवर में 232 रन बना कर आउट हो गई। टीम ए के लिए मेहुल पारीक ने 51 पर 2, रमेश शर्मा ने 22 पर 2, मिहित अग्रवाल ने 18 पर 3, सौरभ यादव व आदित्य टांक ने एक - एक विकेट लिया। टीम ए को जीत के लिए 255 रनो का लक्ष्य मिला टीम ए ने अपनी दूसरी पारी में गौरव सालवी के 120 रन, (72 गेंद, 15 चौके व 8 छक्के), भावित कुमावत के 44 रन, जयंत ताम्बी के नाबाद 54 रन व तोषित भाटिया के 26 रनो से 24 ओवर में 2 विकेट पर 257 रन बनाकर 8 विकेट से मैच जीत लिया । टीम सी (मान क्लब) के लिए कार्तिक बदलानी व आदित्य शर्मा ने एक - एक विकेट लिया।

महेन्द्र सिंह धोनी क्या 2026 में खेलेंगे ?

नई दिल्ली, 10 मई। महान भारतीय स्पिनर अनिल कुंबले का मानना है किएमएस धोनीरविवार को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ चेन्नई सुपर किंग्स के 2026 मैच से पहले पूरी तरह फिट होने के लिए पर्दे के पीछे कड़ी मेहनत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें लगता है कि टीम की जीत की लय को बनाए रखने के लिए शायद वह प्लेइंग से बाहर ही रहे। धोनी पिंडली की चोट के कारण इस सीजन में अभी तक एक भी मैच नहीं खेले हैं। स्टार स्पोर्ट्स पर बात करते हुए कुंबले ने कहा कि चेन्नई सुपर किंग्स की परंपरा रही है कि वह हमेशा स्थिर कॉम्बिनेशन का समर्थन करती है और जो टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही होती है, उसमें शायद ही कभी कोई बदलाव करती है। कुंबले ने कहा कि चेन्नई एक ऐसी टीम है, जिसे अपनी जीत का सिलसिला टूटना पसंद नहीं है। वे अपनी विनिंग कॉम्बिनेशन में ज़्यादा बदलाव नहीं करते और अपने खिलाड़ियों का साथ देने में विश्वास रखते हैं। कब होगी धोनी की वापसी? कुंबले ने यह भी बताया कि धोनी प्रैक्टिस सेशन के दौरान काफी एक्टवि रहे हैं, खासकर विकेटकीपिंग की ड्रिल में, ऐसा कुछ जो वह नेट्स में शायद ही कभी करते हैं. अब धोनी ने नेट्स में काफी बैटिंग की है। उन्होंने नेट सेशन में विकेटकीपिंग की प्रैक्टिस भी की है, जो बहुत हैरानी की बात है क्योंकि वह ऐसे खिलाड़ी हैं जो नेट्स में कभी विकेटकीपिंग नहीं करते। कुंबले के अनुसार धोनी की ये कोशिशें दिखाती हैं कि वह पूरी तरह से मैच फिटनेस हासिल करने के लिए कितने पक्के इरादे वाले हैं। हालांकि वह शायद तब भी टीम में शामिल होने से बचेंगे, अगर इससे टीम का संतुलन बिगड़ने का खतरा हो। उन्होंने कहा कि धोनी ऐसा कर रहे हैं और पूरी तरह से मैच फ़िटनेस हासिल करने की अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर रहे हैं, लेकिन अगर वह जरूरी फ़िटनेस लेवल हासिल कर भी लेते हैं, तो उन्हें लगता है कि वह प्लेइंग में नहीं आना चाहेंगे, क्योंकि चेन्नई अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

लखनऊ प्लेऑफ की रेस से बाहर, चेन्नई ने 5 विकेट से हराया, उर्विल पटेल ने फिफ्टी लगाई, ओवर्टन को 3 विकेट

चेपॉक, 10 मई। लखनऊ सुपर जायंट्स में प्लेऑफ की रेस से बाहर हो गई है। उसे चेन्नई सुपर किंग्स ने रविवार के पहले मैच में 5 विकेट से हराया। इस हार के बाद ऋषभ पंत की टीम बचे हुए मैच जीतकर भी 12 अंक तक ही पहुंच सकती है, जो प्लेऑफ के लिए काफी नहीं है। चेपॉक स्टेडियम में चेन्नई के कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। लखनऊ ने 20 ओवर में 8 विकेट पर 203 रन बनाए।

चेन्नई ने 204 रन का टारगेट 19.2 ओवर में 5 विकेट पर चेज कर लिया। आखिरी ओवर में शिवम दुबे ने ऐडन मार्करम की बॉल पर लगातार दो छक्के मारकर टीम को जीत दिला दी। उर्विल पटेल ने 33 बॉल पर 65 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 13 बॉल पर फिफ्टी लगाई। उर्विल ने में सबसे तेज फिफ्टी लगाने के रिकॉर्ड की बराबरी की। राजस्थान के यशस्वी जायसवाल 2023 में 13 बॉल पर फिफ्टी लगा चुके हैं। उर्विल पटेल के अलावा, कप्तान ऋतुराज गायकवाड ने 42, संजू सैमसन ने 28 और कार्तिक त्यागी ने 20 रन का योगदान दिया। लखनऊ के दिग्वेश राठी और शहबाज अहमद को 2-2 विकेट मिले। एक विकेट आवेश खान के खाते में आया।

लखनऊ से इंग्लिस ने अर्धशतक लगाया : जोश इंग्लिस ने 85 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। उन्होंने 33 गेंद की पारी में 10 चौके और 6 छक्के लगाए। आखिरी में शहबाज अहमद ने नाबाद 43 रन बनाए। ओवर्टन प्लेयर ऑफ द मैच: चेन्नई के जैमी ओवर्टन प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने 36 रन देकर 3 विकेट झटके। अंशुल कम्बोज को 2 विकेट मिले। एक विकेट नूर अहमद को मिला।

प्रिजमिक से हारकर बाहर हुए जोकोविच, इटालियन ओपन में हुआ बड़ा उलटफेर

नई दिल्ली, 10 मई। छह बार के इटैलियन ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविक दुनिया के 79वें नंबर के खिलाड़ी डारियो प्रिजमिक से तीन सेट हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए। प्रिजमिक ने पहला सेट हारते हुए जोरदार वापसी की और दूसरा और तीसरा सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम किया।

प्रिजमिक ने जोकोविक को 2-6, 6-2, 6-4 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। यह पहली बार है जब जोकोविक इटैलियन कैपिटल में अपने शुरुआती मैच में हारे हैं। प्रिजमिक ने अब दो टाप 10 जीत हासिल की हैं। उन्होंने पिछले महीने मैड्रिड में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट के तीसरे राउंड में बेन शेल्टन को हराया था। 20 साल के प्रिजमिक का लक्ष्य पहली बार इस लेवल पर चौथे राउंड में पहुंचना है। उन्हें अगला मैच उगो हम्बर्ट से खेलना है।

राजस्थान की टीमों ने अखिल भारतीय विद्युत प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया

पहली बार भाग लेते हुए महिला एवं पुरुष खो-खो टीमों ने रनर ट्रॉफी प्राप्त की

जयपुर, 10 मई। महाराष्ट्र द्वारा पुणे के बालेवाड़ी स्टेडियम में 47वीं अखिल भारतीय विद्युत बास्केटबॉल, कुश्ती तथा महिला व पुरुषों की कबड्डी एवं खो-खो प्रतियोगिता का आयोजन 6 से 8 मई तक किया गया। प्रतियोगिता में राजस्थान के विद्युत निगमो की कुल 6 टीमों के 47 खिलाड़ियों के अब तक के सबसे बड़े दल ने भाग लेकर तीन खेलों में पदक प्राप्त कर सफलता प्राप्त की।

राजस्थान दल के मैनेजर एवं सहायक निदेशक जनसंपर्क पवन शर्मा ने बताया कि राजस्थान की बास्केटबॉल एवं खो-खो की पुरुष टीम ने पहली बार भाग लेते हुए शानदार प्रदर्शन कर लीग मुकाबलो में सफलता अर्जित करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया। बास्केटबॉल टीम को सेमीफाइनल में कड़े संघर्ष के बाद हरियाणा पावर से हार का सामना करना पड़ा। तृतीय स्थान के लिए खेले गए रोमांचक मुकाबले में भी बास्केटबॉल टीम को मेजबान महाराष्ट्र से एक अंक से हार का सामना करना पड़ा। वहीं पुरुषों की खो-खो टीम ने जबरदस्त खेल दिखाते हुए महाराष्ट्र पावर की खो-खो टीम को परास्त करते हुए तृतीय स्थान की ट्रॉफी अर्जित की। राजस्थान की महिलाओं की खो-खो टीम ने गुजरात की टीम को सेमीफाइनल में हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में मेजबान महाराष्ट्र पावर से कड़े मुकाबले के बाद राजस्थान की टीम हार गई और रनर ट्रॉफी से संतोष करना पड़ा। मात्र 15 दिवस की अल्पावधि में तैयार हुई राजस्थान की महिला टीम में सभी खिलाड़ी सूरतगढ़ थर्मल पावर प्लांट की कनिष्ठ अभियंता हैं। सभी महिला खिलाड़ियों ने ड्यूटी के साथ समय निकालते हुए सुबह-शाम लगातार प्रैक्टिस की और ऐतिहासिक सफलता अर्जित की है। खोखो टीम की कप्तान पूनम, कनिष्ठ अभियंता सूरतगढ़ थर्मल को बेस्ट डिफेंडर का अवार्ड भी प्रदान किया गया।

सुनील छेत्री बने आईसएल किंग, 195वां मैच खेलकर तोड़ा सबसे बड़ा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, 10 मई। जमशेदपुर एफसी के खिलाफ शनिवार को यहां बेंगलुरु एफसी की 1-0 की जीत के दौरान पूर्व भारतीय कप्तान और दिग्गज स्ट्राइकर सुनील छेत्री इंडियन सुपर लीग फुटबॉल के इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। जमशेदपुर एफसी ने मैच के बड़े हिस्से में दबदबा बनाए रखा, लेकिन पहले हाफ में बेंगलुरु एफसी के रयान विलियम्स द्वारा 38वें मिनट में किया गया गोल निर्णायक साबित हुआ। बेंगलुरु एफसी ने 41 वर्षीय छेत्री को शुरुआती एकादश में शामिल नहीं किया था, लेकिन वह 85वें मिनट में नामग्याल भूटिया की जगह मैदान पर आए और 195 मैचों के साथ आईएसएल इतिहास में सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। दिग्गज स्ट्राइकर ने 2025 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास ले लिया है। इस जीत के साथ बेंगलुरु एफसी 12 मैचों में 20 अंकों के साथ आईएसएल तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गई।

दो दिवसीय शतरंज चैम्पियनशिप सम्पन्न

जयपुर, 10 मई। क्वीन्स चेस अकैडमी एवं निर्माण नगर चेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय जयपुर जिला स्तरीय ओपन एवं वूमेन शतरंज चैंपियनशिप 2026 का सफल समापन सामुदायिक केंद्र, मानसरोवर में हुआ। प्रतियोगिता में जयपुर जिले के लगभग 80 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिनमें 42 रेटेड खिलाड़ी शामिल रहे। आयोजक एवं जयपुर जिला शतरंज संघ के उपाध्यक्ष अशोक चौमाल ने बताया कि प्रतियोगिता से चयनित खिलाड़ी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में जयपुर जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। ओपन वर्ग में ओजस जोशी ने 6.5 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। अनुज चौमाल 5.5 अंक के साथ द्वितीय तथा वरनीत दीक्षित 5.5 अंक के साथ तृतीय स्थान पर रहे।

भारतीय कुश्ती महासंघ का बड़ा बयान : हरियाणा के पहलवानों की रिकॉर्ड भागीदारी ने पक्षपात के आरोप झूठे साबित किये

नई दिल्ली, 10 मई। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह ने रविवार को कहा कि गोंडा में चल रहे राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट में हरियाणा के पहलवानों की भारी भागीदारी इस आरोप को खारिज करती है कि महासंघ राज्य के खिलाफ पक्षपात कर रहा है। उन्होंने हालांकि यह भी स्वीकार किया कि भारतीय कुश्ती अब भी डोपिंग की गंभीर समस्या से जूझ रही है, क्योंकि प्रतियोगिता स्थल पर इस्तेमाल की गई सिरिंज बरामद हुई हैं। इस तीन दिवसीय टूर्नामेंट के लिए करीब 1,400 पहलवानों ने पंजीकरण कराया है, जिनमें लगभग 80 प्रतिशत हरियाणा से हैं। हरियाणा को देश में पारंपरिक रूप से कुश्ती का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता है। राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट घरेलू स्तर की एक महत्वपूर्ण प्रतियोगिता है, क्योंकि इसके जरिए राष्ट्रीय शिविरों और भविष्य की अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के चयन का रास्ता तय होता है। यह उन अनुभवी खिलाड़ियों के लिए भी बड़ा मंच है, जो रैंकिंग में पिछड़ने के बाद वापसी की कोशिश कर रहे हैं। इसी क्रम में 2019 विश्व चैंपियनशिप और 2023 एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता दीपक पूनिया भी यहां प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। उनके साथ 125 किलोग्राम वर्ग में 2023 एशियाई चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता अनिरुद्ध गुलिया भी हिस्सा ले रहे हैं। यह मुद्दा इसलिए भी अहम है क्योंकि 2021 में तत्कालीन डब्ल्यूएफआई प्रशासन ने राष्ट्रीय चैंपियनशिप में किसी भी राज्य से एक से अधिक टीमों को अनुमति नहीं देने की नीति लागू की थी। इसे व्यापक तौर पर हरियाणा को निशाना बनाने वाला

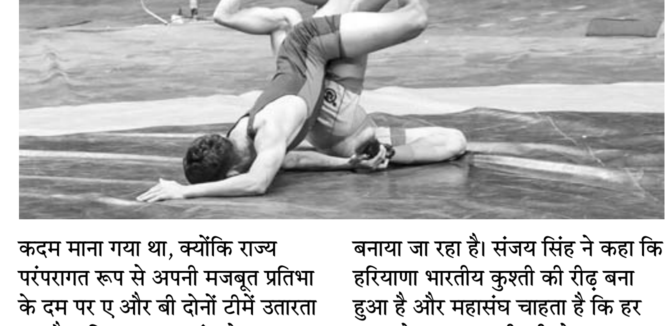

कदम माना गया था, क्योंकि राज्य परंपरागत रूप से अपनी मजबूत प्रतिभा के दम पर ए और बी दोनों टीमें उतारता रहा है। हरियाणा राज्य संघ ने उस समय इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा था कि राज्य को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। संजय सिंह ने कहा कि हरियाणा भारतीय कुश्ती की रीढ़ बना हुआ है और महासंघ चाहता है कि हर राज्य से मजबूत भागीदारी हो, खासकर अंतरराष्ट्रीय स्तर के पहलवान तैयार करने वाले राज्यों से। डब्ल्यूएफआई के अनुसार, रैंकिंग टूर्नामेंट की शुरुआत खास तौर पर हरियाणा के पहलवानों को दूसरा मौका देने के उद्देश्य से की गई, ताकि प्रतिभाशाली खिलाड़ी खुद को साबित कर सकें और राष्ट्रीय स्तर पर अपनी दावेदारी बनाए रख सकें। सिंह ने कहा, हरियाणा ने वर्षों से भारतीय कुश्ती में बड़ा योगदान दिया है। हम चाहते हैं कि वहां और पूरे देश में यह खेल और मजबूत हो। आंकड़े खुद इस बात का सबसे बड़ा प्रमाण हैं कि डब्ल्यूएफआई हरियाणा के खिलाफ नहीं है। अगर भेदभाव होता, तो हरियाणा के पहलवान इतनी बड़ी संख्या में यहां नहीं आते। '' उन्होंने कहा, ''हरियाणा के पहलवान बड़ी संख्या में यहां जीतेंगे और राष्ट्रीय शिविर में वापसी का शानदार मौका हासिल करेंगे, जिससे उन्हें पूरे साल प्रशिक्षण से जुड़े लाभ मिल सकेंगे। राष्ट्रीय ओपन रैंकिंग टूर्नामेंट के पहले दिन कई दिग्गज पहलवानों पर मुकाबले से पहले इंजेक्शन लेने के आरोप लगे हैं। प्रतियोगिता स्थल नंदिनी नगर के पुरुष शौचालय में इस संवाददाता को इस्तेमाल की गई कई सिरिंज मिलने के बाद यह मामला चर्चा में आया। सिंह ने कहा, हम लगातार जागरूकता फैलाने और दोषियों को पकड़ने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन यह सच है कि अभी और काम किए जाने की जरूरत है। डोपिंग मामलों के कारण कुश्ती की छवि को नुकसान पहुंचा है और हम चाहते हैं कि यह खेल पूरी तरह स्वच्छ बने। हाल के वर्षों में भारतीय कुश्ती को डोपिंग उल्लंघनों के कारण कई बार शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है, खासकर हैवीवेट वर्ग में। कई नामी पहलवान डोप जांच में विफल रहने के बाद निलंबन झेल चुके हैं।

राज्य सरकार का लक्ष्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने पुष्कर के कड़ैल ग्राम में ग्रामीणों के साथ चौपाल में भाग लिया, रात्रि विश्राम यहीं करेंगे

पुष्कर/जयपुर, 10 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को पुष्कर के कड़ैल में ग्राम विकास चौपाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजीविका से जुड़ी महिलाओं से संवाद किया। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार महिलाओं को आर्थिक रूप से समक्ष बनाने के लिए काम कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण के विभिन्न कार्य हो रहे हैं, जिनमें घर-घर शौचालय का

- **चौपाल के दौरान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजीविका से जुड़ी महिलाओं के साथ संवाद किया। कई लखपति दीदीयों ने अपने अनुभव मुख्यमंत्री को बताये और अपनी सफलता की कहानी सुनाई।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को पुष्कर के कड़ैल में आयोजित ग्राम विकास चौपाल में राजीविका से जुड़ी महिलाओं से संवाद किया।

निर्माण, उज्ज्वला योजना के तहत गैस सिलेंडर वितरण, हर घर नल से जल और जन-धन खाते खुलवाकर योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाना शामिल है।

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने महिलाओं के लिए मा वाउचर योजना शुरू की है। बालिकाओं को साइकिल व स्कूटी वितरण किया जा रहा है। लखपति दीदी योजना में महिलाएं कृषि सखी, बैंक सखी, पशु सखी, ड्रोन दीदी जैसी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। राजीविका के माध्यम से प्रदेश में 17.5 लाख महिलाएं लखपति दीदी बनी हैं। हमारी सरकार महिलाओं को टेबलेट वितरण भी कर रही है।

इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी, जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत, राज्य किसान आयोग अध्यक्ष सी.आर. चौधरी, राजस्थान धरोहर प्राधिकरण अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, विधायक अनिता भदेल, रामस्वरूप लांबा, शंकर सिंह रावत, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजीविका से जुडी महिलाओं से संवाद किया तथा लखपति दीदियों ने अपने अनुभव उनके साथ साझा किये।

डाटा सखी प्रियंका गोस्वामी ने कहा कि मैंने स्वयं सहायता समूह से जुड़कर विभिन्न भूमिकाएं निभाई, जिससे मेरी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी। राजीविका के तहत मुझे लोन मिला, जिससे मैंने पशुपालन करके अपनी आजीविका बढ़ाई। 2020 से मैं डाटा सखी का काम कर रही हूं। इससे भी मेरी आमदनी बढ़ी है।

पशु सखी लक्ष्मी कंवर ने कहा कि मैं पहले साधारण गृहिणी थी। पशु सखी के रूप में काम कर रही हूं। मुझे जो लोन मिला, उससे मैंने पशुपालन करना शुरू किया। इससे आज मेरी आर्थिक स्थिति बेहतर हुई है।

पशुपालन क्लस्टर मैनेजर शीतल कंवर ने कहा कि मैं वर्ष 2019 में स्वयं सहायता समूह से जुड़ी। आज मेरे कलस्टर में 9 ग्राम पंचायतें एवं 340 समूह जुड़े हुए हैं, जिनका नेतृत्व मैं करती हूं। लखपति दीदी बनने से मुझे लोन मिला और मैंने स्कूटी खरीदी, जिससे मैं फील्ड वर्क आसानी से कर पा रही हूं। मैं पशुपालन भी करती हूं। आज मेरी वार्षिक आय 2 लाख रुपये से अधिक है।

मंत्री नहीं बनाने पर उत्तर प्रदेश की विधायक की पीड़ा छलकी

लखनऊ, 10 मई। उत्तर प्रदेश सरकार का रविवार को मंत्रिमंडल का विस्तार हो गया। कुल आठ लोगों को मंत्रिमंडल में शामिल किया गया। इस बीच भाजपा विधायक आशा मौर्य ने मंत्रिमंडल में शामिल न किए जाने पर सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा की है। हालांकि कुछ देर बाद उन्होंने अपनी पहली पोस्ट को डिलीट करके दूसरी पोस्ट की।

उन्होंने अपनी पहली पोस्ट में लिखा था कि यह भी अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज भारतीय जनता पार्टी को समर्पित कार्यकर्ताओं, विशेषकर हम जैसे मौर्य समाज के संघर्षशील एवं निष्ठावान लोगों की आवश्यकता नहीं दिखाई दे रही, बल्कि बाहर से आए हुए

- **पर कुछ ही देर में विधायक आशा मौर्य ने पहली पोस्ट डिलीट कर पार्टी के प्रति समर्पण की दूसरी पोस्ट डाली।**

बागी एवं दलबदलू नेताओं को प्राथमिकता दी जा रही है। वर्षों से पार्टी और संगठन के लिए समर्पण भाव से कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं की उपेक्षा कहीं न कहीं पीड़ादायक है। फिर भी हम समाज, सम्मान और स्वाभिमान की लड़ाई पूरी मजबूती के साथ लड़ते रहेंगे।

उनकी यह पोस्ट वायरल हुई तो उन्होंने एक अन्य पोस्ट साझा की। उसमें लिखा कि पार्टी और संगठन के लिए पिछले 35 वर्षों से पूर्ण समर्पण भाव, निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करते हुए सदैव संगठन हित को सर्वोपरि रखा है। विधायक आशा मौर्य ने कहा कि मैं पहले भी पार्टी एवं संगठन के प्रति पूर्ण निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करती रही हूं और आगे भी सदैव संगठन एवं समाज हित में कार्य करती रहूंगी।

एसओजी ने बाबूलाल कटारा, उसके भांजे व पेपर माफिया को गिरफ्तार किया

स्कूल व्याख्याता कृषि विज्ञान भर्ती पेपर लीक में हुए खुलासों के बाद आरपीएससी के पूर्व सदस्य की गिरफ्तारी हुई

जयपुर, 10 मई। राजस्थान में भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल माफिया के खिलाफ चल रही कार्रवाई के तहत स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) ने वर्ष 2022 की प्राध्यापक (स्कूल व्याख्याता) कृषि विज्ञान भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में बड़ा खुलासा किया है। एसओजी ने राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के पूर्व सदस्य बाबूलाल कटारा, उसके भांजे विजय डामोर और पेपर माफिया अनिल उर्फ शेर सिंह मीणा को गिरफ्तार किया है।

- **देवराला स्कूल में कार्यरत अशोक यादव ने स्वीकार किया कि उसने पेपर माफिया शेर सिंह के गुर्गे से सात लाख रूपए में सॉल्वड पेपर खरीदा था। जाँच में सामने आया कि कटारा प्रश्न पत्र घर पर ले आया और उसके भांजे ने पूरे पेपर को हाथ से रजिस्टर में उतारा।**

अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि मामले की जांच की शुरुआत स्कूल व्याख्याता (कृषि) अनिता चौधरी के खिलाफ दर्ज प्रकरण से हुई थी। जांच में सामने आया कि उसने ओपीजेएस विश्वविद्यालय, चूरू से बैक डेट की फर्जी मार्कशीट के आधार पर नौकरी हासिल की थी। अनिता के फरार होने के बाद, आईजी अजय लांबा, डीआईजी परिस देशमुख और एसपी कुंदन कंवरिया की टीम ने तकनीकी विश्लेषण के जरिए जांच आगे बढ़ाई, जिसमें चौमूं निवासी अशोक कुमार यादव का नाम सामने आया।

अशोक यादव वर्तमान में सीकर के दिवराला स्कूल में व्याख्याता पद पर कार्यरत है। जांच में पता चला कि उसने भी ओपीजेएस यूनिवर्सिटी से बैक डेट में फर्जी बीएड और एमएससी डिग्रियां बनवाई थीं। परीक्षा परिणाम के विश्लेषण में सामने आया कि सामान्य ज्ञान के प्रथम प्रश्न पत्र में उसने 150 में से केवल 68 अंक प्राप्त किए, जबकि कृषि विज्ञान के द्वितीय प्रश्न पत्र में 300 में से 239 अंक हासिल कर मेरिट में तीसरा स्थान प्राप्त किया।

एसओजी की पूछताछ में अशोक यादव ने स्वीकार किया कि उसने पेपर माफिया शेर सिंह मीणा के गुर्गे विनोद रेवाड़ से सात लाख रुपए में सॉल्व्ड पेपर खरीदा था। परीक्षा से एक दिन पहले 10 अक्टूबर 2022 को उसे पूरा पेपर रटवाया गया था।

जांच में सामने आया कि कृषि विज्ञान का प्रश्न पत्र तैयार करने की जिम्मेदारी तत्कालीन आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा के पास थी। कटारा प्रश्न पत्र को अपने सरकारी आवास पर ले गया, जहां उसके भांजे विजय डामोर ने पूरे पेपर को हाथ से रजिस्टर में उतारा। बाद में यह हस्तलिखित पेपर अनिल उर्फ शेर सिंह मीणा को सौंप दिया गया। शेर सिंह ने इसे आगे विनोद रेवाड़, भूपेन्द्र सारण और सुरेश ढाका के जरिए अभ्यर्थियों तक पहुंचाकर मोटी रकम वसूली।

एसओजी जांच में यह भी सामने आया कि बाबूलाल कटारा ने अपने भांजे विजय डामोर के लिए भूगोल और सामान्य ज्ञान का पेपर उपलब्ध कराने की शर्त पर शेर सिंह से सौदा किया था। शेर सिंह ने परीक्षा से पहले विजय के मोबाइल पर लीक पेपर भेज भी दिए थे, लेकिन विजय ने परीक्षा से पहले मोबाइल नहीं देखा और पेपर का फायदा नहीं उठा सका।

आईजी अजय लांबा के नेतृत्व में एसपी कुंदन कंवरिया और एएसपी चिरंजी लाल मीणा की टीम गिरफ्तार आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही है। एसओजी अब यह जांच कर रही है कि बाबूलाल कटारा के कार्यकाल में अन्य किन-किन परीक्षाओं में भी इसी प्रकार पेपर लीक हुआ। साथ ही, फर्जीवाड़े से सरकारी नौकरी हासिल करने वाले अन्य अभ्यर्थियों और नेटवर्क से जुड़े बिचौलियों की भी तलाश की जा रही है।

प्रधानमंत्री के बेंगलुरु ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मिला। इसकी जानकारी उच्च अधिकारियों को दी गई। घटना के तुरंत बाद पुलिस ने पूरे क्षेत्र को घेराबंदी कर ली गई। जांच करने पर उसमें दो जिलेटिन की छड़ें पाई गईं। जांच पड़ताल के बाद सावधानीपूर्वक जिलेटिन की छड़ों को वहां से हटाया गया। इस मामले की जांच बेंगलुरु सिटी पुलिस और रामनगर पुलिस संयुक्त रूप कर रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि ये विस्फोटक सामग्री वहां कैसे पहुंची और किसने उसे वहां रखा।

हंटा वायरस वाली ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पहुंचाया जाएगा। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने सलाह दी है कि जहाज से उतारे गए यात्रियों को वायरस के संपर्क में आने के आखिरी समय से लेकर 42 दिनों तक आइसोलेशन में रखा जाए। यह जहाज 1 अप्रैल को अर्जेंटीना से सफर पर निकला था। यह दक्षिण अटलांटिक के कई दूरदराज के द्वीपों पर रुका। इनमें ट्रिस्टन दा कुन्हा और सेंट हेलेना शामिल हैं। ये दोनों ब्रिटिश क्षेत्र हैं। जहाज पर फैली इस बीमारी की शुरुआत एक डच जोड़े से हुई लगती है, जिन्होंने क्रूज यात्रा से कुछ महीने पहले दक्षिण अमेरिका की सैर की थी।

बन्नू में पाकिस्तान ...

- **पुलिस चौकी की तरफ आ रही विस्फोटक से भरी गाड़ी पर सुरक्षाकर्मियों की गोलीबारी में विस्फोट हुआ। पुलिस चौकी की इमारत नष्ट हो गई।**

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में मारे गए हमलावरों की संख्या और उनमें से किसी की गिरफ्तारी के बारे में अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं है।

खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री मोहम्मद सोहेल अफरीदी ने हमले की निंदा करते हुए जानमाल के नुकसान पर दुःख व्यक्त किया। उनके कार्यालय ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों को घायलों के लिए सर्वोत्तम चिकित्सा उपचार सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।

बाँग्लादेश हाई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इससे पहले अप्रैल 2024 में हाईकोर्ट ने उन्हें देशद्रोह मामले में जमानत दी थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट की अपीलीय डिवीजन ने उस आदेश पर रोक लगा दी थी।

मंत्री संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी के विरोध में आप पार्टी ने पूरे पंजाब में प्रदर्शन किया

लुधियाना और बठिंडा में भाजपा व आम कार्यकर्ताओं में तनाव, पुलिस ने स्थिति संभाल ली

चंडीगढ़, 10 मई। पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी के बाद राज्य की राजनीति पूरी तरह गरमा गई है। रविवार को आम आदमी पार्टी ने पूरे पंजाब में भाजपा के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किए। कई जिलों में आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता भाजपा दफ्तरों के बाहर पहुंच गए, जहां दोनों दलों के समर्थक आमने-सामने आ गए।

इस दौरान लुधियाना और बठिंडा में स्थिति तनावपूर्ण हो गई, जिसके बाद पुलिस को मोर्चा संभालना पड़ा।

लुधियाना में सबसे ज्यादा तनाव उस समय देखने को मिला, जब आप की लुधियाना इकाई कैबिनेट मंत्री संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी के विरोध में भाजपा कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर रही थी। आप कार्यकर्ता भाजपा के खिलाफ नारेबाजी कर रहे थे और ईडी कार्रवाई को राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित बता रहे थे। इसी दौरान भाजपा कार्यकर्ता भी मौके पर पहुंच गए और दोनों पक्षों के बीच तीखी नारेबाजी शुरू हो गई। लुधियाना के गिल रोड स्थित दाना मंडी इलाके में आप कार्यकर्ताओं ने भाजपा का पुतला भी फूंका। आप नेताओं का कहना था कि विधानसभा चुनावों से पहले पंजाब में ईडी की कार्रवाई कर विपक्षी नेताओं को

- **ईडी द्वारा 100 करोड़ रूपए के जीएसटी घोटाले और भर्ती लॉन्ड्रिंग के मामले में मंत्री संजीव अरोड़ा की गिरफ्तारी के बाद से पंजाब में सत्तारूढ़ आम पार्टी व भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है।**

डराने की कोशिश की जा रही है।

वहीं, बठिंडा में भी भाजपा कार्यालय के बाहर तनावपूर्ण माहौल देखने को मिला। भाजपा कार्यकर्ता मंत्री संजीव अरोड़ा और मुख्यमंत्री भगवंत मान के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान आप कार्यकर्ता भी वहां पहुंच गए, जिसके बाद दोनों पक्षों के बीच नारेबाजी शुरू हो गई। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस ने तुरंत हस्तक्षेप किया और दोनों गुटों के बीच मानव श्रृंखला बनाकर टकराव को रोका। मौके पर एसपी सिटी नरेंद्र सिंह और दो डीएसपी समेत भारी पुलिस बल तैनात रहा। जालंधर, होशियारपुर, मोहाली, बरनाला समेत कई अन्य जिलों में भी आप कार्यकर्ताओं ने भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन किए और केन्द्र सरकार का पुतला फूंका। प्रदर्शनकारियों के हाथों में "ईडी-भाजपा गठजोड़ मुर्दाबाद" लिखी तख्तियां भी देखी गईं।

गौरतलब है कि ईडी ने शनिवार को करीब 100 करोड़ रुपये के कथित जीएसटी घोटाले और मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पंजाब के उद्योग मंत्री संजीव अरोड़ा को गिरफ्तार किया था। इसके बाद से पंजाब की सियासत में आरोप-प्रत्यारोप का दौर लगातार जारी है।

आम आदमी पार्टी ने साफ किया है कि वह इस कार्रवाई के खिलाफ सड़कों पर संघर्ष जारी रखेगी, जबकि भाजपा ने इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ कार्रवाई करार दिया है। ऐसे में आने वाले दिनों में पंजाब की राजनीति और अधिक गर्माने के संकेत मिल रहे हैं।

टीवीके अध्यक्ष विजय ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उम्मीद जताई कि विजय राज्य की जनता की आकांक्षाओं और उम्मीदों पर खरे उतरेंगे।

चेन्नई में रविवार सुबह 11 बजे आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) (माकपा) और विदुथलाई चिरुथइगल काची (वीसीके) के नेताओं ने भी हिस्सा लिया। इन दलों ने विधानसभा चुनाव में विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) को समर्थन दिया है।

विजय ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद तिरुचिरापल्ली पूर्वी विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने पेरम्बूर सीट को अपने पास बरकरार रखा है। विजय ने हालिया विधानसभा चुनाव में दो सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीत हासिल की थी। तमिलनाडु की राजनीति में एक नए अध्याय की शुरुआत के बीच शोलावंदन से तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) विधायक एम.वी. करुप्पैया को विधानसभा का प्रोटेम स्पीकर नियुक्त किया गया। रविवार को राजभवन में आयोजित समारोह में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर ने उन्हें पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय भी मौजूद रहे।

पेट्रोल-डीज़ल का इस्तेमाल संयम से करें- प्रधानमंत्री

हैदराबाद, 10 मई। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और दुनिया में गहराते ऊर्जा संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों से पेट्रोलियम उत्पादों का संयम से इस्तेमाल करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल, डीजल और गैस जैसी चीजों का जरूरत के हिसाब से उपयोग करना समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

प्रधानमंत्री ने साफ कहा कि इससे देश की विदेशी मुद्रा की बचत होगी और युद्ध जैसे हालात का असर भी कम पड़ेगा। हैदराबाद में 9,400 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रम में उन्होंने यह बात कही।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत बड़ी मात्रा में पेट्रोलियम उत्पाद विदेशों से आयात करता है। ऐसे में अगर लोग जरूरत से ज्यादा पेट्रोल, डीजल और गैस का इस्तेमाल करेंगे तो इसका सीधा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि दुनिया इस समय बड़े ऊर्जा संकट से गुजर रही है और पश्चिम एशिया में जारी तनाव ने चिंता और बढ़ा दी है। पीएम मोदी ने लोगों से अपील की कि पेट्रोलियम उत्पादों का उपयोग बहुत सोच-समझकर करें। उन्होंने कहा कि इससे न केवल विदेशी मुद्रा बचेगी, बल्कि युद्ध और वैश्विक संकट का असर भी कम होगा।

- **उन्होंने कहा कि इससे विदेशी मुद्रा बचेगी और युद्ध व वैश्विक संकट का असर कम होगा।**

इसके साथ ही, प्रधानमंत्री ने सोने की खरीद पर भी एक अपील की है। उन्होंने कहा है कि देशहित में लोगों को कम से कम एक साल तक सोने के गहने नहीं खरीदने चाहिएं, चाहे घर में कोई भी बड़ा फंक्शन या शादी ही क्यों न हो।

पीएम मोदी ने साफ कहा है कि इस संकट की घड़ी में देश का पैसा यानी विदेशी मुद्रा बचाना ही हमारी असली देशभक्ति है।

चुनाव ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्यमंत्री पद के एक अन्य दावेदार हैं, का इस दक्षिणी राज्य में काफी दबदबा है। मुख्यमंत्री पद के लिए सतीशन को कांग्रेस की सहयोगी पार्टी आईयूएमएल का समर्थन हासिल है। इन सभी कारणों के चलते पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच पोस्टर-वॉर छिड़ गया, और वे अपने-अपने नेताओं के समर्थन में सड़कों पर उतरकर विरोध-प्रदर्शन करने लगे।

आईएसआई से जुड़े तीन युवक गिरफ्तार

तीनों युवकों की मंदिरों, ढाबों तथा सैन्य ठिकानों पर हमलों की योजना थी

भोपाल, 10 मई। मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ और ग्वालियर के डबरा में रहने वाले तीन युवकों ने देश के कुछ मंदिरों, ढाबों और मिलिट्री बेसों की जानकारी व फोटो पाकिस्तान में बैठे आईएसआई के गुर्गों को भेजे थे। ये तीनों युवक मंदिरों, ढाबों और सेना से जुड़े ठिकानों पर धमाके करने की योजना बना रहे थे। यह खुलासा दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने किया है। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल की टीम ने शनिवार की रात कार्रवाई करते हुए मध्यप्रदेश के अलग-अलग ठिकानों से तीनों युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवकों को लेकर पुलिस दिल्ली पहुंच गई है, जहां उन्हें रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।

दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त प्रमोद कुशवाहा ने दिल्ली में खुलासा करते हुए मीडिया को बताया कि मध्यप्रदेश के रहने वाले तीनों युवक पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े हुए हैं। उन्होंने मीडिया को बताया कि

- **तीनों युवक मध्य प्रदेश के रहने वाले थे। और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई से जुड़े हुए थे।**
- **उन्होंने संबंधित फोटो पाकिस्तान भेजीं।**

गिरफ्तार किए गए युवकों की पहचान 24 वर्षीय अनमोल राय निवासी नेगुवां थाना पृथ्वीपुर, जिला टीकमगढ़, 21 वर्षीय राजवीर और 19 वर्षीय विवेक बंजारा के रूप में हुई है। विवेक और राजवीर ग्वालियर जिले के डबरा के पास के रहने वाले हैं। एसीपी कुशवाहा कहना है कि ये तीनों दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर, दिल्ली-सोनीपत हाईवे स्थित एक ढाबा और हरियाणा का सैन्य कैंप उड़ाने वाले थे।

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कुशवाहा ने मीडिया को बताया कि बीते दो दिन पहले पाकिस्तानी कनेक्शन वाले आतंकवादी शहजाद भट्टी के गैंग पर दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने 'गैंग बस्ट ऑपरेशन 2.0' के तहत अलग-अलग राज्यों से शाहजाद भट्टी मॉड्यूल से जुड़े 9 संदिग्ध आतंकियों को गिरफ्तार किया था। इन्हीं से पूछताछ के दौरान मध्यप्रदेश के तीन युवकों की भूमिका सामने आई। अब जांच एजेंसियां मॉड्यूल की फंडिंग, सीमा पार कनेक्शन और अन्य नेटवर्क की गहराई से जांच कर रही हैं। इसके बाद एमपी में दबिश देकर तीनों को पकड़ा गया है। तीनों ही आरोपी गरीब परिवारों से ताल्लुक रखते हैं। तीनों के मोबाइल के ऑडियो, वीडियो कॉल से संदिग्ध नंबरों पर बात किए जाने, सोशल मीडिया से खास स्थानों की तस्वीरें पाकिस्तान भेजे जाने की पुष्टि हुई है।

दिल्ली पुलिस के अनुसार, आरोपियों के मोबाइल से कई संदिग्ध ई-मेल भी मिले हैं। पुलिस यह पता लगा रही है कि आरोपियों को आतंकी साजिश में जोड़ने के एवज में क्या मिला था। तीनों की गिरफ्तारी कर ली गई है। तीनों दिल्ली में मजदूरी कर चुके हैं। दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने 'गैंग बस्ट ऑपरेशन 2.0' के तहत विभिन्न राज्यों से शाहजाद भट्टी मॉड्यूल से जुड़े 9 संदिग्ध ऑपरेटिव्स को गिरफ्तार किया था। इनसे पूछताछ में जांच एजेंसियों को पता चला कि आरोपियों में से एक ने दिल्ली के एक ऐतिहासिक मंदिर की रेकी की थी। परिसर की तस्वीरें सोशल मीडिया के जरिए पाकिस्तान स्थित हैंडलर्स को भेजी थीं। मॉड्यूल की योजना मंदिर में तैनात पुलिस और अर्धसैनिक बलों को निशाना बनाने तथा फायरिंग कर दहशत फैलाने की थी।

असम में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नेतृत्वाधीन नई राजग सरकार का शपथ ग्रहण समारोह 12 मई को आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में भाजपा और सहयोगी दलों के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

शपथ ग्रहण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

नंबर पर तमिलनाडु का राज्य गान तमिल थाई वजथु बजाया गया। इसी क्रम को लेकर सीपीआई के राज्य सचिव एम वीरपांडियन ने नाराजगी जताते हुए इसे राज्य की स्थापित परंपराओं के खिलाफ बताया है। उनका कहना है कि सरकारी कार्यक्रम हमेशा तमिल थाई वजथु से शुरू होते हैं और राष्ट्रगान के साथ खत्म होते हैं।

इस विवाद में वंदे मातरम को लेकर भी सीपीआई ने बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है।

सीपीआई नेता वीरपांडियन ने दावा किया कि स्वतंत्रता संग्राम के दौरान ही यह तय हो गया था कि वंदे मातरम राष्ट्रगान के रूप में काम नहीं कर सकता है।

उन्होंने इसके पीछे तर्क दिया है कि यह गीत एक विशिष्ट देवता को समर्पित है और इसका स्वरूप कुछ हद तक सांप्रदायिक और धार्मिक है। इसलिए, राज्य के सबसे बड़े सरकारी समारोह में इसे पहली जगह देना और राज्य गान को तीसरे नंबर पर धकेलना पूरी तरह से गलत है। यह कदम राज्य की सांस्कृतिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है।

योगी मंत्रिमंडल का विस्तार, राज्यपाल ने 6 मंत्रियों को शपथ दिलाई

भूपेन्द्र चौधरी व मनोज पांडेय कैबिनेट मंत्री तथा कैलाश राजपूत, कृष्णा पासवान, सुरेन्द्र दिलेर व हंसराज राज्य मंत्री बने

लखनऊ, 10 मई। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ की सरकार के मंत्रिमण्डल विस्तार में छह नये चेहरों को शामिल किया गया है। इनमें चार को राज्यमंत्री और दो को कैबिनेट स्तर का मंत्री बनाया गया है। वहीं, योगी सरकार के दो राज्य मंत्रियों का प्रमोशन किया गया है।

प्रदेश की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने रविवार को जन भवन के गांधी सभागार में इन मंत्रियों को शपथ दिलायी। मंत्रिमंडल में जिन नए चेहरों को जगह मिली है, उनमें भूपेन्द्र चौधरी, मनोज पांडेय, कैलाश राजपूत, कृष्णा पासवान, सुरेन्द्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा शामिल हैं। ?

योगी सरकार के जिन दो राज्य मंत्रियों का प्रमोशन हुआ है, उनमें राज्य मंत्री सोमेन्द्र तोमर और राज्य मंत्री अजीत सिंह पाल को राज्य मंत्री (स्वतंत्र

- **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दो राज्य मंत्रियों सोमेन्द्र तोमर और अजित सिंह पाल का प्रमोशन कर उन्हें राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) बनाया।**

प्रभार) बनाया गया है। राज्य के भूपेन्द्र चौधरी और मनोज पांडे को कैबिनेट मंत्री और कैलाश राजपूत, कृष्णा पासवान, सुरेन्द्र दिलेर और हंसराज विश्वकर्मा को राज्य मंत्री बनाया गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत, मंत्रिपरिषद के सभी सदस्य मौजूद रहे।

भाजपा उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद क्षेत्र से आते हैं। विधान परिषद सदस्य हैं और योगी सरकार के पहले कार्यकाल में पंचायतीराज मंत्री की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं।

मनोज पांडेय रायबरेली जिले की ऊंचाहार सीट से विधायक हैं। वह सपा में बड़े ब्राह्मण चेहरे के रूप में सक्रिय रहे हैं। अखिलेश यादव सरकार में मंत्री रह चुके हैं, लेकिन वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने सपा से दूरी बनाते हुए भाजपा को समर्थन दिया।

उत्तर प्रदेश सरकार में राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार/राज्य मंत्री) अजीत सिंह पाल कानपुर देहात की सिकंदरा विधानसभा सीट से भाजपा विधायक हैं। वे विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग का कार्यभार संभाल रहे हैं।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा। आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908